@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 28 नवम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 24 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा में किया मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन

पीएम मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की गारंटी, गरीब से गरीब व्यति भी अच्छी स्वास्थ्य सुविधा का हकदारः सीएम योगी

एजेंसी

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को नोएडा में मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया। सीएम ने निरीक्षण कर यहां की व्यवस्थाओं के बारे में जाना और इसे क्वालिटी हेल्थ सर्विसेज का बेहतरीन सेंटर बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल सुपर स्पेशियिलिटी हॉस्पिटल ही नहीं, बल्कि एक छत के नीचे ढेर सारा रोजगार व यूपी को बड़ा निवेश भी दे रहा है। सीएम ने मेदांता की तारीफ करते हुए कहा कि नाम ही काफी है। जब भी हम अपने परिश्रम, प्रयास से सही दिशा को चुनते हैं तो उसके परिणाम भी अच्छे आते हैं। अच्छा प्रयास नाम के साथ ब्रांड बन जाता है और बेहतरीन-क्वालिटी हेल्थ सर्विसेज में मेदांता देश में ब्रांड बना है। सीएम योगी ने कहा कि गुड़गांव के बाद जब लखनऊ में मेदांता का शुभारंभ होना था तो लोग पूछते थे कि क्या यह चल पाएगा, हमें तब भी संदेह नहीं था। मेदांता ने लखनऊ में भी बेहतरीन सेवा से पहचान बनाई है। कोविड के दौरान वह हॉस्पिटल यूपी वासियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ। सीएम ने कहा कि पश्चिम यूपी में बहुत दिनों से और भी अच्छे हॉस्पिटल की मांग होती थी। सीएम ने यहां की सर्विसेज की तारीफ की। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया काफी आगे बढ़ चुकी है, इसलिए बेहतरीन हेल्थ सर्विसेज में भी पीछे नहीं रह सकते। 8-10 वर्ष पहले गरीब के लिए उपचार कराना कठिन होता था। किडनी, कैंसर, लीवर सिरोसिस, बाईपास सर्जरी आदि के लिए गरीब के पास सामर्थ्य नहीं होता था। वह जमीन बेचता या महिलाओं के जेवर गिरवी रखता था। फिर हमारे पास भी हॉस्पिटल को पत्र लिखने और डॉक्टर से बात करने की सिफारिश आती थी। सीएम ने बताया कि पिछले छह-सात वर्ष में प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना,

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत देश के अंदर 50 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये प्रतिवर्ष स्वास्थ्य की फ्री सेवा उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। यूपी में हमने उसके दायरे को बढ़ाया है। यूपी में जो तबका इसके दायरे में नहीं आ पा रहा था, लेकिन जरूरतमंद था। उसे भी राज्य की ओर से इस सुविधा से जोड़ने का कार्य किया गया।

सीएम योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष से धनराशि देना शुरू किया। यह सुविधा हर वर्ष उपलब्ध करा रहे हैं। इस कोष से एक वर्ष में 1300 करोड़ रुपये स्वास्थ्य सेवा के लिए गरीबों को उपलब्ध कराए गए। प्रदेश के इन्पैन्ल्ड हॉस्पिटल, जहां उसका उपचार हो रहा है, वहां धनराशि उपलब्ध कराई गई। सीएम योगी ने कहा कि गरीब से गरीब व्यक्ति भी अच्छी स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने का हकदार है। पीएम मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने यह गारंटी दी है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने 8 वर्ष में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में बेहतर कदम बढ़ाए हैं। इससे पहले यूपी की पहचान वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया थी। हमने उस पहचान को हटाकर यूपी को वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज से जोड़ा है। हर जनपद में अच्छे हॉस्पिटल खुलें, इसके लिए पॉलिसी के दायरे में लाकर उन्हें सुविधा देना प्रारंभ किया। हाउसिंग के रूल में संशोधन किया। पहले हॉस्पिटल बनाने के लिए 18 मीटर की सड़क आवश्यक थी। हमने कहा कि 7 मीटर की सड़क में भी हॉस्पिटल बनाइए, हम नक्शा पास करेंगे और कनेक्टिविटी समेत सभी सुविधा देंगे। आज बड़े पैमाने पर लोग यूपी में आ रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में आज 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत व मुख्यमंत्री जनआरोग्य योजना के जरिए सुविधाओं से जोड़ रहे हैं। आज यूपी सरकार द्वारा आईआईटी कानपुर के साथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (मेडटेक) का कार्य हो रहा है। तकनीक का उपयोग करते हुए अच्छी सर्विस आमजन को उपलब्ध करा सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया पंजाब के रणसिंह कलां गांव का दौरा

पराली प्रबंधन की बारीकियों को समझा

एजेंसी

मोगा। पंजाब के मोगा जिले के अंतर्गत आने वाला रणसिंह कलां गांव पराली प्रबंधन में एक आदर्श मॉडल बना है। गांव के किसानों ने पिछले 6 साल से पराली नहीं जलाई है। गुरुवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खुद गांव में जाकर जायजा लिया। उन्होंने किसानों से बातचीत की, ताकि वे सीधी बुवाई, कम खाद का इस्तेमाल और पराली मैनेजमेंट के उनके तरीकों को समझ सकें। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रणसिंह कलां गांव पहुंचने पर किसानों से मुलाकात की। उन्होंने गांव के गुरुद्वारे में जाकर मत्था टेका और बाद में पंचायत सदस्यों और निवासियों के साथ बैठकर पारंपरिक पंजाबी खाना खाया। शिवराज सिंह चौहान ने रणसिंह कलां गांव में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर उनके साथ पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ भी मौजूद थे। गांवों के किसानों की तारीफ करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'यहां के लोगों का प्यार और स्नेह सच में कमाल का है। मक्के की रोटी और सरसों का साग खाकर मुझे बहुत खुशी हुई। मैं लोगों का सेवक हूं और मैं उन्हें आदर के साथ नमन करता हूं।

' इसके बाद कृषि मंत्रालय के अधिकारियों के साथ शिवराज सिंह चौहान खेतों में पहुंचे और फसल के साथ-साथ पराली प्रबंधन की बारीकियों को समझा। इस दौरान, एक किसान गोपाल ने कृषि मंत्री को बताया कि जहां वे डीएपी पहले डेढ़ बोरी डालते थे, अब एक बोरी डाला जाता है और यूरिया भी पहले 3 बोरी डलता था, वो घटकर 2 बोरी हो गया। शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से संवाद करते हुए घोषणा की कि रणसिंह कलां गांव को मशीनीकरण का केंद्र बनाने की भी जरूरत है, इसके लिए हम पूरी योजना बनाएंगे। उन्होंने कहा, 'मैं सेवक के नाते पंजाब आया हूं। यह ऐसी पवित्र धरती है, जहां गुरुओं का आशीर्वाद बरसता है। यहां बार-बार आने का मन करता है।

मणिपुर में वैज्ञानिकों को मिला 37,000 साल पुराना बांस का तना

नई दिल्ली। मणिपुर की इम्फाल घाटी में चिरांग नदी के किनारे वैज्ञानिकों को 37,000 साल पुराना बांस का तना मिला है। यह बांस बहुत खास है, क्योंकि इसमें कांटों के निशान पाए गए हैं। बांस के ऐसे जीवाश्म बहुत ही मुश्किल से मिलते हैं, क्योंकि बांस जल्दी सड़ जाता है। इस खोज को एशिया में मिला सबसे पुराना कांटेदार बांस माना जा रहा है। इससे पता चलता है कि उस समय (बर्फ़ युग) भी बांस अपने बचाव के लिए कांटों का इस्तेमाल करता था। लखनऊ के बिरबल साहनी जीवाश्म विज्ञान संस्थान (बीएसआईपी) के वैज्ञानिकों ने इस बांस का अध्ययन किया और इसकी पहचान चीमोनोबैम्बूसा नामक प्रजाति से मिलती-जुलती बताई।

राष्ट्रपति मुर्मु ने ओडिशा राजभवन परिसर में 'कलिंग अतिथि निवास' का उद्घाटन किया

एजेंसी

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने ओडिशा दौरे के दौरान गुरुवार को भुवनेश्वर स्थित राजभवन परिसर में नव-निर्मित वीवीआईपी अतिथि गृह 'कलिंग अतिथि निवास' का उद्घाटन किया। राजभवन के हरे-भरे शांत वातावरण में बना कलिंग अतिथि निवास ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक वास्तुकला का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। इसकी बाहरी एवं आंतरिक संरचना में ओड़िया शिल्पकला की सूक्ष्म कलाकृतियां, मूर्तियां और पारंपरिक डिजाइन को आधुनिक सुविधाओं के साथ खूबसूरती से समाहित किया गया है। प्रत्येक कक्ष ओडिशा की

● प्रत्येक कक्ष ओडिशा की पहचान, कला और सांस्कृतिक गौरव को प्रतिबिंबित करने के उद्देश्य से विशेष रूप से तैयार किया गया है।

पहचान, कला और सांस्कृतिक गौरव को प्रतिबिंबित करने के उद्देश्य से विशेष रूप से तैयार किया गया है। राजभवन के अनुसार यह उद्घाटन इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस प्रतिष्ठित परियोजना की आधारशिला राष्ट्रपति मुर्मु ने ही पूर्व में रखी थी। अतिथि निवास के पूर्ण होने के साथ ही यह भवन राजभवन परिसर में एक महत्वपूर्ण जोड़ बन गया है और आने वाले समय में देश-विदेश के विशिष्ट अतिथियों के स्वागत के लिए एक उत्कृष्ट सुविधा के रूप में कार्य करेगा। उद्घाटन समारोह में ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरी बाबू कंबमपाटि, उनकी धर्मपत्नी जयश्री कंबमपाटि, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुआल ओराम, ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाधी तथा राज्य के कानून, वर्क्स एवं आबकारी मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

एक करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देना सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

सरकारी नौकरी की रितियों को जल्द से जल्द भरने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं।

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को राज्य में सरकारी नौकरी को लेकर बड़ा आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अगले 5 सालों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देना सरकार की प्राथमिकता है। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हम लोगों की प्राथमिकता रही है। सात निश्चय-2 के तहत वर्ष 2020-25 के बीच राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार दिया गया है।

अगले 5 वर्षों (2025-30) में हम लोगों ने 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य

निर्धारित किया है।' उन्होंने लिखा, ''नई सरकार के गठन के पश्चात राज्य में अधिक से अधिक सरकारी नौकरी एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध करने के लिए हम लोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। सरकारी नौकरी की रिक्तियों को जल्द से जल्द भरने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। राज्य के अधीन सभी प्रशासी विभाग, सभी प्रमंडलीय आयुक्त, पुलिस मुख्यालय के अधीन सभी कार्यालय एवं सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे सामान्य प्रशासन विभाग को रिक्तियों से संबंधित अधियाचना दिनांक 31.12.2025 तक अवश्य उपलब्ध करा दें। सामान्य प्रशासन विभाग प्राप्त अधियाचनाओं को यथाशीघ्र जांच कर संबंधित विभिन्न नियुक्ति आयोगों को भेज दें।''

चुनाव में करारी हार के बाद राजद की समीक्षा बैठक जारी, ढूंढे जा रहे कारण

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) समीक्षा बैठक कर हार के कारणों को ढूंढने में जुटा है। चार दिसंबर तक प्रतिदिन होने वाली इस बैठक में प्रमंडलवार नेताओं को बुलाया जा रहा है और हार की समीक्षा की जा रही है। राजद कार्यालय में गुरुवार को सारण प्रमंडल के प्रत्याशियों के साथ बैठक की गई और उनसे रिपोर्ट ली गई। इस बैठक में राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल और पूर्व मंत्री अब्दुल बारी सिद्दीकी जैसे वरिष्ठ लोग शामिल हो रहे हैं। बुधवार को पहले दिन मगध प्रमंडल के नेताओं को बुलाया गया था। इस बैठक में वरिष्ठ नेता प्रत्याशियों से चर्चा कर पूरी स्थिति को समझने की कोशिश कर रहे हैं। इधर, राजद के सूत्रों के अनुसार, पार्टी के विभिन्न क्षेत्रों में हार के अलग-अलग कारण सामने आ रहे हैं। कई क्षेत्रों में जहां भितरघात को मुख्य कारण माना गया है, वहीं कुछ इलाकों में सहयोगी दलों द्वारा अपेक्षित सहयोग नहीं मिलना और उस पार्टी का वोट ट्रांसफर नहीं होना भी कारण बताया जा रहा है।

सेना प्रमुख बोलेः बदलते वैश्विक संकटों के बीच सेना 2047 तक पूर्णतः आधुनिक और बहु-क्षेत्रीय शक्ति बनने को तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित चाणक्य डिफेंस डायलॉग में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय सेना की भावी रणनीति, सैन्य परिवर्तनों और राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टिकोण का व्यापक खाका पेश किया। सेना प्रमुख ने कहा कि विश्व अत्यधिक अस्थिर, बहुध्रुवीय और संघर्षग्रस्त होता जा रहा है। उन्होंने बताया कि फिलहाल दुनिया के 50 से अधिक क्षेत्रों में संघर्ष जारी हैं। इससे वैश्विक असुरक्षा लगातार बढ़ रही है। ऐसे में यह मूल प्रश्न उठता है कि तेजी से बदलती इन वैश्विक परिस्थितियों में भारतीय सेना को किस दिशा में रूपांतरित होना चाहिए। सेनाध्यक्ष ने यहां प्रधानमंत्री के 5-एस दृष्टिकोण का उल्लेख भी किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के 5-एस दृष्टिकोण यानी सम्मान, संवाद, सहयोग, समृद्धि और सुरक्षा के आधार पर भारत अमृतकाल से विजन 2047 की ओर बढ़ रहा है। इसी विजन से इस वर्ष का विषय रखा गया है जिसका शीर्षक 'रिफार्म टू ट्रांसफॉर्म - सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत' है। सेना प्रमुख ने बताया कि सेना ने आने वाले वर्षों के लिए तीन-चरणीय योजना तैयार की है। चरण-1 के अंतर्गत वर्ष 2032 तक परिवर्तन के दशक के अंतर्गत

तीव्र बदलाव की रूपरेखा तय है। चरण-2 में 2037 तक पहले चरण में हासिल उपलब्धियों का विस्तार एवं स्थिरीकरण निश्चित किया गया है। चरण-3 में जंप यानी भविष्य के लिए 2047 तक पूर्णत एकीकृत, बहु-क्षेत्रीय, आधुनिक और तैयार सेना का निर्माण तय किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 को रक्षा मंत्रालय ने सुधार वर्ष घोषित किया है, जिसका प्रभाव ऑपरेशन 'सिंदूर' जैसी उपलब्धियों में दिखा है। भारतीय सेना के परिवर्तन के चार प्रमुख आधार बताए गए।

यूएस नागरिकों को निशाना बना रहे कॉल सेंटर का भंडाफोड़

अमेरिकी दूतावास ने सीबीआई का किया धन्यवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। बीते दिन केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने अमेरिकी नागरिकों को निशाना बना रहे ट्रांसनेशनल साइबर क्राइम नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। इसे लेकर अमेरिका ने सीबीआई का धन्यवाद किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अमेरिकी दूतावास ने कहा, 'भारत के सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने वाले एक गैर-कानूनी कॉल सेंटर को खत्म कर दिया और ट्रांसनेशनल साइबर क्राइम नेटवर्क के एक मुख्य ऑपरेटिव को गिरफ्तार किया है।' पोस्ट में लिखा, 'कोऑर्डिनेटेड इंटेलिजेंस और निर्णायक कार्रवाई के जरिए हमारी एजेंसियां ??भविष्य में होने वाले स्कैम को रोकने और अपने नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। आपके लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद। ' अमेरिकी दूतावास ने एक बयान भी जारी किया। बयान में लिखा, 'सीबीआई ने ट्रांसनेशनल साइबर क्राइम नेटवर्क चलाने में शामिल एक मुख्य फरार आरोपी विकास कुमार निमार को गिरफ्तार किया है और

लखनऊ में आरोपियों द्वारा चलाए जा रहे एक गैर कानूनी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है, जो अमेरिकी नागरिकों को टारगेट करता था। '

सीबीआई ने 24 सितंबर 2024 को एक केस दर्ज किया था। इसके बाद आरोपियों के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर तलाशी ली गई थी। इस दौरान सीबीआई ने पुणे, हैदराबाद और विशाखापत्तनम में चलाए जा रहे 4 गैरकानूनी कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया और उन्हें खत्म कर दिया था। केस दर्ज होने के दिन से ही एक मुख्य ऑपरेटिव विकास कुमार निमार फरार था। विकास पुणे और विशाखापत्तनम में गैरकानूनी कॉल सेंटर वीसी इंफोर्मेट्रिक्स पीवीटी डॉट एलटीडी को शुरू करने और चलाने में मुख्य भूमिका निभा रहा था। अमेरिकी दूतावास ने कहा, 'आरोपी को पकड़ने के लिए सीबीआई ने पुणे के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट से वारंट हासिल किया। इसके बाद एजेंसी ने फरार आरोपी विकास को 20 नवंबर 2025 को लखनऊ में उसके घर से गिरफ्तार किया। घर की तलाशी में 14 लाख कैश, मोबाइल और क्राइम से जुड़े दस्तावेज मिले। सर्च ऑपरेशन के दौरान सीबीआई ने लखनऊ में विकास के चलाए जा रहे एक और गैर कानूनी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया।

नेहा सिंह राठौर ने गिरतारी की चर्चाओं को बताया अफवाह

● कहा- 'मैं लखनऊ में हूं, पुलिस ने कोई नोटिस नहीं दिया'

एजेंसी

लखनऊ। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया और कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि उत्तर प्रदेश पुलिस उनकी तलाश कर रही है, विभिन्न जिलों में रेड की जा रही है और उनके घर पर नोटिस चस्पा किया गया है। लेकिन, इन तमाम दावों को नेहा सिंह राठौर ने महज अफवाह करार दिया। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा है कि न तो वे फरार हैं, न उन्हें किसी भी पुलिस अधिकारी ने कोई नोटिस दिया है, और न ही उनके दरवाजे पर कोई नोटिस चस्पा है। यह पूछे जाने पर कि उत्तर प्रदेश पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने के लिए रेड कर रही है, इस पर नेहा सिंह राठौर ने जवाब में कहा, ''यह एफआईआर, मुझे लगता है, जून के महीने में फाइल की गई थी और यह पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले से जुड़ी थी। उस घटना के सिलसिले में मेरे खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज किया गया था। हजरतगंज पुलिस स्टेशन में एक कंप्लेंट फाइल की गई थी, लंका पुलिस स्टेशन में लगभग 300-400 कंप्लेंट फाइल की गई थीं।''उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि अचानक सोशल मीडिया और मीडिया में, कई अखबारों में यह रिपोर्ट क्यों आने लगी

कि 11 मुल्कों की पुलिस नेहा सिंह राठौर की तलाश कर रही है, जगह-जगह पर वो भागती फिर रही है, वो फरार है। तो मैं आप लोगों को बता देना चाहती हूं कि ये सब एक अफवाह है, मैं इसका खंडन करती हूं। मैं लखनऊ में अपने घर पर हूं और पूरी तरह सुरक्षित हूं। पुलिस की ओर से मुझे अब तक कोई भी नोटिस नहीं दिया गया है। अगर पुलिस नोटिस लेकर आती है, तो मैं उसको रिसीव करने के लिए घर पर मिलूंगी।''

अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में 'समाज परिवर्तन का वाहक बने युवा' विषयक प्रस्ताव पारित

एजेंसी

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शिक्षा, समाज, पर्यावरण, सेवा, खेल, तकनीकी जैसे प्रमुख समसामयिक विषयों की चर्चा हुई। बैठक में 'समाज परिवर्तन का वाहक बने युवा' को लेकर प्रस्ताव भी पारित किया गया। बैठक में इस वर्ष चले वृहद सदस्यता अभियान पर देशभर से आए प्रतिनिधियों ने अनुभव साझा किए। राष्ट्रीय अधिवेशन में रखे जाने वालों प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। अभाविप के 71वें राष्ट्रीय अधिवेश से पहले आज राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक देहरादून के परेड ग्राउंड पर बसाए गए भगवान बिरसा मुंडा नगर में हुई। बैठक का शुभारंभ अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेंद्र सिंह सोलंकी और राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह मुकुंद सीआर भी उपस्थित रहे। बैठक में विद्यार्थी परिषद की संगठनात्मक संरचना के अनुसार 46 प्रांतों से कुल 4 सौ 68 प्रतिनिधि शामिल हुए। अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो राजशरण शाही ने राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक के उद्घाटन

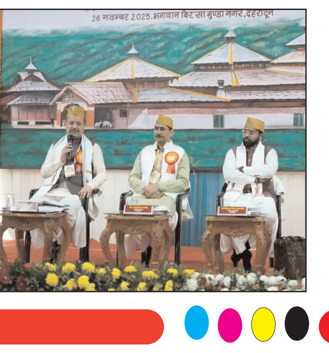

सत्र में कहा कि अभाविप ने शैक्षिक, सामाजिक व अन्य क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। अभाविप की यह बैठक ज्ञान, साधना, संस्कार और गंगा-यमुना के उद्गम स्थल की भूमि पर आयोजित की जा रही है, जिससे हम सभी के भीतर भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है। भारतीय संस्कृति के अनुरूप भारतीय युवाओं का मानस बने इसके लिए भारतीय मूल्यों के आधार पर नेतृत्व आवश्यक है और अभाविप इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि अभाविप की इस राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में देशभर से आए कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक और कार्यक्रयात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया। बैठक और अधिवेशन के माध्यम से विद्यार्थी परिषद के कार्य को तेज़ गति मिलने वाली है। बैठक में आए प्रतिनिधि कार्यकर्ता अपने केंद्रों पर सम्पूर्ण दृढ़ता और प्रतिबद्धता के साथ काम कर सभी शैक्षिक संस्थानों व समाज तक विद्यार्थी परिषद का संदेश पहुंचाएंगे। एक नई ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता आगे बढ़ेंगे और निश्चित रूप में देशभर में छात्रशक्ति तीव्र गति से आगे बढ़ने वाली है।

सांगई पर्यटन महोत्सव में विस्फोट की धमकी, महिला सहित तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया

इंफाले (एजेंसी)। मणिपुर में जारी सांगई पर्यटन महोत्सव में विस्फोट करने की धमकी देने के आरोप में सुरक्षा बलों ने एक महिला सहित तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स के साथ संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित संगठन केसीपी (एमएफएल) के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई एक फेसबुक उपयोगकर्ता द्वारा पोस्ट किए वीडियो के बाद की गई, जिसमें 21 से 30 नवंबर तक आयोजित महोत्सव में बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। उग्रवादियों को इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम और थौबल जिलों से पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि जांच जारी है। पूर्वोत्तर राज्य में विस्थापित व्यक्तियों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा इस सांगई महोत्सव का बहिष्कार किया गया है। मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

भारतीय वायु सेना और फ्रांसीसी वायु सेना के बीच जारी अभ्यास गरुड़ 2025

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना (एफएएसएफ) के बीच चल रहे द्विपक्षीय अभ्यास गरुड़ 2025 पर केंद्रित है। यह गरुड़ अभ्यास का आठवाँ संस्करण है, जो 16 से 27 नवंबर तक फ्रांस के मोंट-डी-मार्सन में आयोजित किया जा रहा है। इसका मकसद अंतर-संचालन को और मज़बूत करना। दपेशेवरता, सटीकता और एकजुट टीमवर्क के माध्यम से द्विपक्षीय साझेदारी की मजबूती को सुदृढ़ करना। यथार्थवादी परिचालन वातावरण में रणनीति और प्रक्रियाओं को परिष्कृत करना। आपसी शिक्षा और परिचालन ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना। शामिल भारतीय वायुसेना के विमान: एसयू-30एमकेआई, सी-17 ग्लोबमास्टर तीसरी (प्रेरण और विप्रेषण चरणों के लिए एयरलिफ्ट सहायता)। आईएल-78 (हवा से हवा में ईंधन भरने के लिए)। मिशन हवा से हवा में होने वाली मुठभेड़ों, वायु रक्षा अभियानों, और समन्वित हमले अभियानों पर केंद्रित हैं। यह अभ्यास मित्रवत विदेशी वायु सेनाओं के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और हवाई संचालन के क्षेत्र में आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने की भारतीय वायुसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ में 13 लाख के इनामी माओवादी जोड़े ने किया सरेंडर

रायपुर (एजेंसी)। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के 13 लाख रुपये के इनामी जोड़े ने पुलिस के सामने हथियार डाल दिए। 'मुन्ना' (7 लाख इनामी) और उसकी साथी 'जूली' (6 लाख इनामी) ने छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025 को जीवन बदलने वाला कदम बताया। यह 25 वर्षीय जोड़ा पिछले कई सालों से बस्तर के माड़ संभाग और मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) त्रि-राज्यीय क्षेत्र में सक्रिय था। दोनों कैडर भर्ती, रसद आपूर्ति और हिंसक वारदातों में शामिल रहे। घने जंगलों में छिपे रहकर पुलिस को लगातार चकमा देते रहे। जिला पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा ने बताया कि लगातार सर्जिकल ऑपरेशन, स्थानीय लोगों का सहयोग और सम्मानजनक पुनर्वास के वादे ने इस जोड़े को मुख्यधारा में लौटने को मजबूर किया। सरेंडर करने वालों को तत्काल वित्तीय सहायता, मासिक वजीफा, आवासीय प्लॉट, कौशल प्रशिक्षण और दीर्घकालिक सुरक्षा दी जाएगी। यह आत्मसमर्पण माओवाद विरोधी अभियान में बड़ी सफलता माना जा रहा है। पिछले 23 महीनों में राज्य में 2,200 से अधिक माओवादी या तो सरेंडर कर चुके हैं या मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, संगठन के अंदर बढ़ता असंतोष, पूर्व साथियों का सफल पुनर्वास और सुरक्षाबलों का दबाव आत्मसमर्पण की रफ्तार बढ़ा रहा है। पुलिस इसे 'गेम-चेंजर' बता रही है। माना जा रहा है कि बस्तर और त्रि-राज्यीय सीमा के माओवादी गढ़ अब तेजी से खाली हो रहे हैं। सरकार की सख्ती और आकर्षक पुनर्वास नीति के सामने माओवादी विचारधारा लगातार कमजोर पड़ रही है।

राबड़ी को आवास खाली करने का नोटिस, गिरिराज सिंह ने कहा... सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार में पूर्व सीएम राबड़ी देवी को आवास खाली करने के नोटिस को लेकर बयानबाजी जारी है। जहां केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि, बिहार में कानून का राज है। कानून के तहत किसी को आवास मिलाता है, तब आवास खाली किया जाता है। नहीं खाली करने पर पुलिस उस बलपूर्वक हटा देती है। सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं होती है। वहीं राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा है कि, किसी हालत में राबड़ी आवास खाली नहीं करेगी। ये लालू परिवार को अपमानित करने की साजिश है। 20 साल से नीतीश कुमार सीएम हैं। उन्होंने ऐसा फैसला क्यों नहीं लिया। वहीं भाजपा नेता नीरज कुमार ने तंज कसते हुए कहा कि राबड़ी पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास खाली करने के दौरान टोंटी और अन्य सरकारी संपत्ति की चोरी ना हो, इसका ध्यान रखें। 20 साल बाद लालू परिवार को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास (राबड़ी आवास) खाली करने का नोटिस मिला है। मंगलवार को बिहार भवन निर्माण विभाग ने ये नोटिस भेजा है। भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि बिहार विधान परिषद के आवासन के लिए पटना केन्द्रीय पुल की आवास संख्या 39 हार्डिंग रोड अलॉट किया गया है।

कश्मीर के 5 जिलों में पुलिस का सर्च ऑपरेशन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के 5 जिलों में गुरूवार को पुलिस और सुरक्षाबलों ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने बैन आतंकी संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े होने के शक में कई लोगों के घरों-ठिकानों की तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में सुरक्षा अभियान के तहत शोपियां, पुलवामा, श्रीनगर, बारामूला और कुलगाम में तलाशी ली है। इस दौरान पुलिस टीमों ने वेरिफिकेशन और कई लोगों से पूछताछ भी की। उन्होंने कहा कि सर्च ऑपरेशन का मकसद बैन संगठनों को दोबारा सक्रिय होने से रोकना, आतंकी सपोर्ट नेटवर्क और ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उन्हें खत्म करना है। साथ ही आतंकियों को फाइनेंशियल और लॉजिस्टिक मदद करने वालों पर कार्रवाई करना है।

बीजेपी-चुनाव आयोग मिलकर विपक्षी पार्टियों के मतदाताओं के कटवा देते हैं नाम

-बिहार में महागठबंधन की करारी हार के बाद प्रमोद तिवारी ने लगाए गंभीर आरोप

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव में महागठबंधन की करारी हार के बाद कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने फिर बीजेपी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर कांग्रेस या फिर विपक्षी पार्टियों के मतदाताओं के नाम कटवा देते हैं। यही महाराष्ट्र में भी हुआ और अब यही दूसरे राज्यों में भी चल रहा है। राहुल गांधी ने वह घर और वह पोलिंग स्टेशन, सब दिखा दिया है। एक मकान में 500-600 लोगों के वोट दर्ज हैं। 65 लाख लोगों के बिहार में नाम काटे गए हैं जो कि एक रहस्यमयी कहानी है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भी यही हुआ। एक-एक घर में एक-एक हजार लोग महाराष्ट्र में निकल रहे हैं। ब्राजील की मॉडल का फोटो बनाकर हरियाणा का चुनाव करवाया जा रहा है। ऐसा लगता है कि बीजेपी के मुंह में खून लग गया है और चुनाव आयोग पूरी तरह से खामोश इस बेईमानी को करवाने में शामिल नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग राहुल गांधी के सवालों का जवाब क्यों नहीं देता। वह भारत के नेता विरोधी दल हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ये बातें कही है। यूपी में जो गोंडा में हुआ, फतेहपुर में हुआ। कहा यही जा रहा है कि जो बीजेपी का मतदाता नहीं है, कांग्रेस या विरोधियों का मतदाता है, उनके नाम जबरदस्ती हटाने का दबाव बनाया जा रहा है। इससे पहले कांग्रेस नेता कुमार केतकर ने आरोप लगाए थे कि अमेरिकी और इजराइली एजेंसियों ने मिलकर 2014 में कांग्रेस को हराने की योजना तैयार की थी। केतकर ने दावा किया कि एजराइली एजेंसी मोसाद ने राज्यों और निर्वाचन क्षेत्रों पर विस्तृत डेटा तैयार किया है। सीआईए और मोसाद के पास राज्यों और निर्वाचन क्षेत्रों पर विस्तृत डेटा है। उन्होंने कहा कि 2014 में तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह के खिलाफ असंतोष था, लेकिन इस तरह से नहीं कि कांग्रेस की अपमानजनक हार हो और उसकी सीटों की

भुने चनों में कैंसर बनाने वाला केमिकल 'औरामाइन'! प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब भुना चना भी सुरक्षित नहीं रहा। बाजार में बिकने वाले चमकदार पीले-भुने चनों को आकर्षक बनाने के लिए मिलावटखोर घातक इंडस्ट्रियल केमिकल 'औरामाइन' मिला रहे हैं। यह वही जहरीला रंग है जो कपड़ा, चमड़ा और कागज उद्योग में इस्तेमाल होता है, लेकिन खाने-पीने की किसी भी चीज में इसका उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री को पत्र लिखकर इस गंभीर खतरे की ओर ध्यान दिलाया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने मांग की है कि देशभर में तुरंत हेल्थ अलर्ट जारी हो, संदिग्ध भुने चनों की जांच हो और दोषी विक्रेताओं-निर्माताओं पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने इसे न सिर्फ फूड सेफ्टी एक्ट का उल्लंघन बताया, बल्कि लाखों भारतीयों की सेहत पर सीधा हमला करार दिया। औरामाइन एक चटक पीला सिंथेटिक डाई है, जो पानी में आसानी से घुल जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर रिसर्च एजेंसी (आईएआरसी) ने इसे 'संभावित कार्सिनोजन' (ग्रुप 2बी) घोषित किया हुआ है। लंबे समय तक इसका सेवन करने से लिवर, किडनी और मूत्राशय (ब्लैडर) का कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा नर्वस सिस्टम को नुकसान, ऑर्गन फेल्योर और शरीर में टॉक्सिसिटी की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। मिलावटखोर सस्ते में ज्यादा मुनाफे के लिए सादे भुने चनों पर औरामाइन का घोल छिड़क रहे हैं। इससे चने चमकदार पीले, कुरकुरे और थोड़े फूले हुए दिखते हैं, जो ग्राहकों को जल्दी आकर्षित करते हैं। खुले बाजार में यह जहरीला चना आसानी से मिल रहा है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने वीडियो डालकर दिखाया है कि गर्म पानी में ऐसे चने डालते ही पानी पूरी तरह पीला हो जाता है- यह औरामाइन की पहचान है।

दिल्ली में प्रदूषण की वजह से बच्चा नहीं ले पा रहा था सांस, करानी पड़ी सर्जरी

-महिला ने वीडियो शेयर कर तकलीफ की बयां, यूजर्स बोले- यह बहुत डरावना

नई दिल्ली(एजेंसी)। नोएडा में एक महिला ने कहा कि वायु प्रदूषण की वजह से उसके छोटे बेटे की तबीयत इतनी खराब हो गई कि उसे सर्जरी करवानी पड़ी। महिला ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया जिसमें वह अस्पताल में भर्ती अपने बेटे की हालत दिखाते हुए तकलीफ बयां कर रही थी। साक्षी पाहवा नाम की इस महिला ने लिखा कि वह दो साल पहले अपने परिवार के साथ दिल्ली-एनसीआर में शिफ्ट हुई थीं। तभी से उनके बच्चे को लगातार सर्दी-खांसी, एलर्जी और सांस लेने में दिक्कत होने लगी। कई दवाइयां आजमाईं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। साक्षी ने कहा कि प्रदूषण बढ़ता गया और उनके बच्चे की परेशानी भी बढ़ती गई।

पोस्ट में महिला ने लिखा- माता-पिता होने के नाते, उसे अस्पताल में रोता देखकर हमारा दिल टूट गया। हम टैक्स देते हैं और बदले में हमारे बच्चों को यही मिलता है। अब आवाज उठाने का समय आ गया है। दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण ने न सिर्फ हमारी सांस लेने वाली हवा को प्रभावित किया...बल्कि मेरे नन्हे-मुन्ने बच्चे को सर्जरी करवानी पड़ी। पोस्ट देखने के बाद कई लोगों ने अपनी चिंता और गुस्सा जाहिर किया।

एक यूजर ने सलाह दी- कृपया रहने की जगह बदल लें। दवाइयों और तकलीफ से बेहतर है कि आप किसी साफ हवा वाले शहर में चले जाएं। दूसरे ने लिखा- यह बहुत डरावना है। लोग बीमार हो रहे हैं और सरकार सच्चाई

छिपाने में लगी है। तीसरे ने कहा- जिन्हें लगता है कि यह प्रदूषण की वजह से नहीं है, वे अस्पताल जाकर देखें। ज्यादातर बच्चे और बुजुर्ग खराब हवा की वजह से बीमार हो रहे हैं। बता दें बुधवार को दिल्ली का एक्यूआई 337 दर्ज किया गया था, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। शहर के 39 एयर मॉनिटरिंग स्टेशनों में से 34 ने बहुत खराब और बाकी 5 ने खराब हवा दर्ज की थी।

मतुआ समुदाय को नागरिकता देने का किया था वादा, अब एसआईआर में नाम कटने का सता रहा डर

-पश्चिम बंगाल में गरमाई राजनीति, बढ़ती चिंता के बीच सीएए आवेदन केंद्र शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में राजनीति गरमा गई है। वजह है मतुआ समुदाय का बड़ा वोट बैंक। मतुआ वे हिंदू शरणार्थी हैं जो धार्मिक उत्पीड़न के चलते बांग्लादेश से भारत आ गए थे। ये लोग दशकों से भारतीय नागरिकता की मांग कर रहे हैं। बीजेपी ने सीएए के जरिए उन्हें नागरिकता देने का वादा किया था। 2014 के बाद हुए चुनावों में इस वादे के कारण मतुआ समुदाय ने बड़ी संख्या में बीजेपी का समर्थन किया था। अब मतुआ समुदाय के बीच गहरी चिंता है। वजह है पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के लिए शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आधार कार्ड, वोटर आईडी और पैन कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज होने के बावजूद कई मतुआ लोग डर रहे हैं कि उनका नाम वोटर लिस्ट से हट सकता है। उनकी सबसे बड़ी परेशानी है कि वे अपनी पारिवारिक ऐतिहासिक कड़ियां साबित नहीं कर पाएंगे, क्योंकि उनकी जड़ें बांग्लादेश में हैं। समुदाय के सामने मुश्किल स्थिति है। वोटर लिस्ट में दोबारा नाम दर्ज कराने के लिए उन्हें आधिकारिक भारतीय नागरिक होना जरूरी है, लेकिन अगर वे सीएए के तहत आवेदन करते हैं, तो उन्हें खुद को औपचारिक रूप से बांग्लादेशी विदेशी नागरिक घोषित करना पड़ता है। इससे नागरिकता मिलने तक उनकी कानूनी स्थिति अनिश्चित और कमजोर हो जाती है।

इस स्थिति का दबाव केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर पर भी बढ़ रहा है। वे मतुआ समुदाय के सबसे बड़े राजनीतिक नेता माने जाते हैं। बढ़ती चिंता के बीच उन्होंने सीएए आवेदन केंद्र शुरू करवाए हैं। यहां ऑल इंडिया मतुआ महासंघ, जो कि समुदाय का प्रमुख संगठन है, आवेदन करने वालों को प्रमाण पत्र जारी कर रहा है। 52 साल के सुशील विश्वास जो 15 साल पहले बांग्लादेश से उत्पीड़न के कारण भारत आए थे, उन्होंने कहा कि मैं धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए भारत आया। मैं नागरिकता के लिए सीएए में आवेदन करने आया हूं। एसआईआर और इसके परिवार पर असर को लेकर मुझे डर है, लेकिन भारत सरकार ने हमें नागरिकता देने का वादा किया है।

हालांकि, मतुआ महासंघ की ओर से जारी इन प्रमाण पत्रों की कानूनी वैधता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह भी पूछा जा रहा है कि क्या किसी केंद्रीय मंत्री को ऐसे दस्तावेज जारी करने का अधिकार है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बोंगांव की एक रैली में इसे लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ये लोग 100 रुपए लेकर 'हिंदुत्व कार्ड' बांट रहे हैं। ये मतुआ लोगों का शोषण कर रहे हैं। यह पैसे कमाने की योजना है। सीएए के नाम पर लोगों को डराया जा रहा है। यह बीजेपी की पहले से बनी राजनीतिक साजिश है।

रिपोर्ट के मुताबिक शांतनु ठाकुर ने कहा कि सीएए गृह मंत्रालय के तहत आता है, जबकि एसआईआर चुनाव आयोग देखता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिनके पास पहले से वोटर कार्ड है, वे पहले से ही भारतीय नागरिक माने जाते हैं। मामला इसलिए और जटिल हो गया है क्योंकि एसआईआर फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख 4 दिसंबर बहुत नजदीक है। मतुआ समुदाय की सबसे बड़ी जरूरत

आधिकारिक नागरिकता है, ताकि उनका नाम नई वोटर लिस्ट में बना रहे, लेकिन सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार के लिए इतने कम समय में सीएए के जरिए लाखों मतुआ लोगों को नागरिकता देना असंभव है।

मंत्री शांतनु ठाकुर ने केंद्र सरकार से नागरिकता प्रक्रिया तेज करने की मांग की है। इस वक्त मतुआ समुदाय एक तरफ सालों से किए गए नागरिकता के वादे और दूसरी तरफ वोटर लिस्ट से नाम कटने के डर के बीच फंसा है। इससे उनका मानवीय संकट अब पश्चिम बंगाल में एक बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक संकट बन गया है।

राजस्थान, चंडीगढ़, हरियाणा और असम के लिए नए एफआरआरओ नियुक्त

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने चंडीगढ़, जयपुर और गुवाहाटी में आव्रजन ब्यूरो के तहत तीन नए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी नियुक्त किए हैं। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गई। बुधवार को जारी राजपत्र अधिसूचना के मुताबिक चंडीगढ़ के लिए नव नियुक्त विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरआरओ) के कार्य क्षेत्र में यह केंद्र शासित प्रदेश और हरियाणा आएगा। जयपुर के लिए नियुक्त एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में राजस्थान और गुवाहाटी के लिए नियुक्त एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में असम आएगा। इससे पहले दिल्ली के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में राजस्थान और हरियाणा आते थे। वहीं अमृतसर के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में चंडीगढ़ आता था। असम राज्य कोलकाता के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र मेंथा। ये नियुक्तियां नए आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत की गई हैं, जो इस साल 1 सितंबर को लागू हुआ है। नए अधिनियम में जाली पासपोर्ट या वीज़ा रखने वाले विदेशियों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है।

मुंबई की मतदाता सूची में गड़बड़ी: 11 लाख से अधिक डुप्लीकेट नामों का हुआ खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई है। शहर के कुल 1.03 करोड़ मतदाताओं में से करीब 11 लाख से अधिक नाम दोहराए गए हैं, यानी लगभग 10.64 प्रतिशत प्रविष्टियां डुप्लीकेट हैं। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) द्वारा जारी आंकड़ों से यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि डुप्लीकेट एंट्रीज वाले शीर्ष वार्डों का प्रतिनिधित्व पहले विपक्षी दलों के पार्षद करते थे।

मसौदा मतदाता सूची में 4.33 लाख ऐसे मतदाता मिले हैं जिनके नाम दो बार से लेकर 103 बार तक दर्ज हैं। इससे कुल डुप्लीकेट प्रविष्टियां 11,01,505 तक पहुंच गई हैं। सबसे ज्यादा डुप्लीकेट नाम वाले पांच में से चार वार्ड पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के पार्षदों के पास थे। इनमें वर्ली विधानसभा क्षेत्र के दो वार्ड भी शामिल हैं, जहां से शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे विधायक हैं।

वर्ली के वार्ड नंबर 199 (पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर का पुराना वार्ड) में सबसे अधिक 8,207 डुप्लीकेट वोटर हैं। इसके बाद घाटकोपर (वार्ड 131) में 7,741, परेल-लालबाग (वार्ड 203) में 7,624, कालाचौकी (वार्ड 205) में 7,585 और सेंचुरी मिल (वार्ड 194) में 7,584 डुप्लीकेट प्रविष्टियां हैं।

आदित्य ठाकरे ने एक्स पर पोस्ट कर गंभीर आरोप लगाया है कि लाखों नाम जानबूझकर दोहराए गए हैं, घरों की गलत एंट्री की गई है और वोटर कार्ड में मूल जानकारी तक नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि आपत्ति दर्ज करने की समयसीमा न बढ़ाने से चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे।

निर्वाचन आयोग ने आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तारीख 27 नवंबर से बढ़ाकर 3 दिसंबर कर दी है। अंतिम मतदाता सूची 10 दिसंबर को प्रकाशित होगी। नाम दोहराने के कारणों में प्रिंटिंग त्रुटि, मतदाताओं का स्थानांतरण और मृत व्यक्तियों के नाम न हटाना बताया गया है। अब बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे हैं। सभी 25 सहायक नगर आयुक्तों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। बीएमसी अधिकारियों का कहना है कि 11 लाख का आंकड़ा डुप्लीकेट व्यक्तियों की नहीं, बल्कि दोहराई गई प्रविष्टियों की संख्या है। सफाई अभियान तेज है, लेकिन इस देरी से बीएमसी चुनाव में भी विलंब हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 31 जनवरी 2026 तक चुनाव कराने थे, लेकिन अब फरवरी तक खिसकने की आशंका है। विपक्ष इसे सुनियोजित साजिश बता रहा है, जबकि सत्ताधारी पक्ष इसे तकनीकी खामी बता रहा है। मतदाता सूची की सफाई अब मुंबई के सियासी भविष्य की सबसे बड़ी परीक्षा बन गई है।

पाकिस्तान की राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह पर टिप्पणी, कांग्रेस नेता ने कहा... अपनी सीमा में रहना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि पाकिस्तान को अपनी सीमा में रहना चाहिए, क्योंकि कोई भी भारतीय देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के साथ पाकिस्तान के चल रहे मुद्दों पर कांग्रेस नेता ने घोषणा की कि पाकिस्तान खुद विभाजन की ओर बढ़ रहा है।

कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी हद में रहना चाहिए, क्योंकि कोई भी भारतीय हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करता। हमारे पास एक स्वस्थ लोकतंत्र और मज़बूत संविधान है, और यह उनकी तरह हर 8-10 साल में नहीं बदलता। पाकिस्तान भारत के

मामलों पर टिप्पणी करके अपनी मौत को न्यौता दे रहा है... पाकिस्तान टूटने वाला है... हम अपने आंतरिक मामले खुद सुलझा सकते हैं। इससे पहले, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह की निंदा कर आरोप लगाया कि भारत की न्यायिक प्रक्रिया अल्पसंख्यकों के प्रति भेदभावपूर्ण है। इसके अलावा, पाकिस्तान ने भारत सरकार से मुसलमानों सहित सभी धार्मिक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करके और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों के अनुसार उनके पूजा स्थलों की रक्षा करके अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करने का आग्रह किया। लेकिन भारत ने भगवान राम मंदिर में ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की टिप्पणी की कड़ी आलोचना की और उसकी टिप्पणियों को उसी तिरस्कार के साथ खारिज कर दिया जिसके वे हकदार हैं और उससे अपनी नज़रें अंदर की ओर मोड़ने और अपने स्वयं के दयनीय मानवाधिकार रिकॉर्ड पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

तलाक देने से पहले वैवाहिक रिश्ता टूटने के देने होंगे सबूत: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के मामलों में एक अहम दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कोई भी अदालत सिर्फ यह कहकर तलाक नहीं दे सकती कि वैवाहिक रिश्ता पूरी तरह टूट चुका है। इसके लिए ठोस सबूत होना जरूरी है कि एक पक्ष ने जानबूझकर दूसरे को छोड़ा हो या साथ रहने से स्पष्ट रूप से इनकार किया हो। अगर ऐसे सबूत नहीं हैं या अलगाव किसी मजबूरी या नियंत्रण से बाहर की परिस्थिति के कारण हुआ है, तो शादी को ÷अपूरणीय रूप से टूटा÷ हुआ नहीं माना जा सकता।

14 नवंबर 2025 को जस्टिस सूर्यकांत (वर्तमान मुख्य न्यायाधीश) और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने इस मामले में विस्तृत आदेश जारी किया। पीठ ने स्पष्ट किया कि तलाक देने से पहले अदालत की जिम्मेदारी है कि वह दोनों पक्षों के दावों, सामाजिक पृष्ठभूमि, आर्थिक स्थिति और खासकर बच्चों के हित को ध्यान में रखकर गहन जाँच करे। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की मौजूदगी में यह सवाल और भी संवेदनशील हो जाता है, क्योंकि तलाक का सबसे ज्यादा असर उन पर ही पड़ता है। यह फैसला उत्तराखंड के एक दंपती के मामले में आया है। पति-पत्नी की शादी 2010 से पहले हुई थी। 2010 में पति ने क्रूरता का हवाला देकर तलाक की पहली अर्जी दी थी, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया। 2013 में दूसरी याचिका दाखिल की गई, जिसमें दावा किया गया कि पत्नी ने घर छोड़ दिया है। ट्रायल कोर्ट ने 2018 में सबूत न मिलने के कारण याचिका खारिज कर दी। लेकिन 2019 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का फैसला पलटते हुए पति को तलाक दे दिया।

महिला ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने पाया कि हाईकोर्ट ने सिर्फ पति के मौखिक बयानों पर भरोसा किया, जबकि पत्नी का दावा था कि उसे ससुराल वालों ने जबरन घर से निकाल दिया था और उसके बाद उसने अकेले बच्चे की परवरिश की। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीर चूक माना और कहा कि हाईकोर्ट ने कई महत्वपूर्ण कानूनी सवालों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।

अदालत ने हिंदू विवाह अधिनियम की व्याख्या करते हुए कहा कि महज अलग रहना ही परित्याग नहीं है। इसके लिए यह साबित करना जरूरी है कि अलगाव जानबूझकर और बिना उचित कारण के किया गया हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि कई बार महिलाएँ घरेलू हिंसा, उत्पीड़न या मजबूरी में घर छोड़ती हैं—ऐसे में उन्हें ही दोषी ठहराना न्यायोचित नहीं है। अंत में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाईकोर्ट का 2019 का फैसला रद्द कर दिया और मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए हाईकोर्ट को लौटा दिया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अब सभी तथ्यों, गवाहों और परिस्थितियों की फिर से जाँच की जाए। यह फैसला देश भर की निचली अदालतों और हाईकोर्ट के लिए एक नया मानदंड स्थापित करता है। अब

तलाक के मामलों में जल्दबाजी या एकतरफा बयानों पर फैसला देना मुश्किल हो जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे न केवल कई शादियाँ बच सकती हैं, बल्कि महिलाओं और बच्चों को अनावश्यक मानसिक-आर्थिक आघात से भी बचाया जा सकेगा।

स्लीपर सेल की पहचान के लिए चल रही वेब ट्रैफिक की गेटवे स्कैनिंग

नोएडा। अल फलाह विश्वविद्यालय व ट्रस्ट से जुड़े ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एक फ्लैट में छापेमारी के बाद खुफिया व प्रवर्तन एजेंसियां लगातार अलर्ट हैं। इस दौरान देश-विदेश से आने-जाने वाली कॉल व वेब ट्रैफिक की गेटवे स्कैनिंग की जा रही। पिछले कुछ दिनों में हजारों नंबरों की स्कैनिंग हुई है। दरअसल नोएडा से अल फलाह के तार जुड़ने के बाद इस पर एजेंसियों की नजर है। दिल्ली बम धमाके के बाद तार फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय से जुड़ने के बाद नोएडा समेत एनसीआर में केंद्रीय व स्थानीय एजेंसियां जांच में जुटी हैं। इस मॉड्यूल से जुड़े स्लिपर सेल के बारे में पता लगा रही है। दरअसल नोएडा व ग्रेटर नोएडा में सैकड़ों की संख्या में अवैध कॉल सेंटर व टेलीफोन एक्सचेंज पकड़े गए हैं। अवैध टेलीफोन एक्सचेंज में भारत सरकार व टेलीकॉम कंपनियों को बाइपास कर जालसाज अपना सेटअप तैयार करते हैं। इसके बाद यहां से कम कीमत पर अंतरराष्ट्रीय कॉल करवाते हैं। इसके लिए इंटरनेशनल कॉल को लोकल कॉल में बदल देते हैं। दिल्ली धमाके के बाद पुलिस व एजेंसियां यह पता लगा रहीं कि कहीं कोई ऐसा एक्सचेंज चल तो नहीं रहा है। इसके लिए हजारों नंबर की गेटवे स्कैनिंग की गई। खासकर कश्मीर से लेकर पाकिस्तान व अन्य देशों से आने जाने वाली कॉल व वेब ट्रैफिक पर फोकस किया। इसमें यूपी एटीएस से लेकर कई एजेंसी पड़ताल कर रही हैं। नोएडा-ग्रेटर नोएडा के सघन इलाकों से लेकर उन सेक्टर-सोसाइटी पर भी नजर है। जहां पहले कोई न कोई आतंकी कनेक्शन सामने आया हो। हाल के महीने में ही गुजरात एटीएस ने छिजारसी इलाके से एक आतंकी को गिरफ्तार किया था। गेटवे स्कैनिंग के तहत किसी नेटवर्क गेटवे के माध्यम से गुजरने वाले डाटा का विश्लेषण होता है। जैसे कॉल, ईमेल, वेब ट्रैफिक या अन्य नेटवर्क डेटा। यह एक तरह का सुरक्षा फीचर है जो किसी नेटवर्क में घुसपैठ या दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को रोकने के लिए किया जाता है। गेटवे स्कैनिंग का उद्देश्य नेटवर्क में प्रवेश करने वाले डेटा को सुरक्षा के लिए स्कैन करना है। दुर्भावनापूर्ण कोड, वायरस, या अनधिकृत सामग्री को ब्लॉक करना शामिल है।

चोरी के मोबाइल खरीदने वाला बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिला के चांदनी महल थाना स्थित तुर्कमान गेट पुलिस चौकी के स्टाफ ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान मोहम्मद फैजान (35) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी के पास से 10 और उसके घर से 22 फोन मिले हैं। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह चोरों और झपटमारों से चोरी के मोबाइल खरीदता है। बाद में वह उन्हें दूसरे राज्यों में बेच देता है। पुलिसिया की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले भी दो बार इसी तरह के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। मध्य जिला के पुलिस उपायुक्त निधिन वल्सन ने बताया कि रविवार को तुर्कमान गेट एरिया में पुलिस गश्त कर रही थी। सुबह करीब 11:30 बजे टीम ने एक व्यक्ति को सफेद प्लास्टिक बैग के साथ घूमते हुए देखा। उसकी तलाशी ली तो उसके बैग में 10 मोबाइल फोन बरामद हुए।

स्वास्थ्य सुधार ने भरी उड़ान, पर कैंसर-आत्महत्या के बढ़ रहे हैं मामले

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। राजधानी स्वास्थ्य सुधार के महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है जहां मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण, अस्पताल सुविधाओं और प्रसव सेवाओं में अच्छी प्रगति दर्ज की गई है। वहीं, कैंसर, मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या के बढ़ते मामले नए खतरे की घंटी बजा रहे हैं। यह खुलासा दिल्ली सरकार की दिल्ली स्टेट इंडिकेटर फ्रेमवर्क 2024 स्टेटस रिपोर्ट से हुआ है। रिपोर्ट में सबसे मजबूत पहलू यह सामने आया है कि राजधानी में मातृ मृत्यु दर वैश्विक लक्ष्य के बेहद करीब पहुंच चुकी है और 2023 में 95 फीसदी प्रसव अस्पतालों में हो रहे हैं। यह स्थिति स्वास्थ्य ढांचे की पहुंच, मातृत्व सुरक्षा और जागरूकता तीनों में सुधार का संकेत देती है। रिपोर्ट के अनुसार, 12-23 महीने के बच्चों में टीकाकरण बेहतर हुआ है जो दर्शाता है कि राजधानी की नई पीढ़ी संक्रामक बीमारियों से काफी हद तक सुरक्षित हो चुकी है। गर्भावस्था के दौरान जांच और देखभाल में भी बढ़ोतरी हुई है जिससे प्रसव संबंधी जोखिमों में कमी आई है। इन सभी सुधारों के पीछे सरकारी योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत, मिशन इंडिगो और शहरी स्वास्थ्य केंद्रों की बड़ी भूमिका को श्रेय दिया गया है लेकिन रिपोर्ट का दूसरा पहलू एक गंभीर चेतावनी भी देता है। इसमें दिल्ली के स्वास्थ्य मोर्चे पर लड़ाई अब संक्रामक रोगों से ज्यादा गैर-संक्रामक और जीवनशैली संबंधी बीमारियों के खिलाफ होनी चाहिए। कैंसर से मौतें 2015 के मुकाबले 2023 में 6,054 तक पहुंच गई जो इशारा करती है कि दिल्ली जितनी तेजी से आधुनिक हो रही है बीमारियों का स्वरूप भी उतनी ही तेजी से बदल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, आत्महत्या दर प्रति एक लाख पर 8.8% से बढ़कर 16.2% हो जाना मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और तनावपूर्ण शहरी जीवन की ओर इशारा करती है। इसके अलावा हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी बीमारियां अब सामूहिक रूप से मौत का बड़ा कारण बन रही हैं। रिपोर्ट यह भी बताती है कि केवल 0.7% महिलाओं ने कैंसर की स्क्रीनिंग कराई यानी शुरुआती पहचान बेहद कमजोर कड़ी बनी हुई है। यह स्थिति बताती है कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के बावजूद जागरूकता और नियमित स्वास्थ्य जांच पर अभी बहुत काम बाकी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली के अस्पतालों में बेड की संख्या 2.73-2.70 प्रति हजार व्यक्ति तक पहुंच चुकी है, जो मरीजों के लिए बड़ी चुनौती है। साथ ही, नशा मुक्ति केंद्रों में इलाज लेने वालों की संख्या 1,107 से बढ़कर 44,454 हो जाना यह दर्शाता है कि लोग अब सहायता लेने में हिचक महसूस नहीं करते। स्वास्थ्य रिपोर्ट ने राजधानी की सेहत को लेकर एक मिश्रित तस्वीर पेश की है। आंकड़ों के अनुसार, मातृ मृत्यु दर 2015-16 के स्तर से लगभग स्थिर रहते हुए 2023 में 45 पर पहुंच गई है जो वैश्विक लक्ष्य के करीब है। बच्चों का पूर्ण टीकाकरण 79-95 से बढ़कर 80-97 फीसदी हो गया है जो स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती दिखाता है। एचआईवी मरीजों में एआरटी कवरेज 73 फीसदी तक पहुंच गया है जबकि डेंगू के मामलों में बड़ी कमी आई है जो 2015 के 15,867 से घटकर 2023 में सिर्फ 7,493 रह गई। हालांकि, कैंसर से होने वाली मौतें बढ़कर 4,666 से 6,054 पहुंच गई हैं जो चिंताजनक है।

ट्रांसजेंडर निकला बांग्लादेशी हीरा खान, बनवाया वोटर कार्ड, ऐसे हुआ खुलासा

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला विदेशी सेल ने अपनी पहचान छिपाकर ट्रांसजेंडर बनकर रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से भारतीय मतदाता पहचान पत्र, मोबाइल फोन और बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान दस्तावेज मिला है। उसके फोन में आईएमओ एप मिला है, जिसके जरिए वह बांग्लादेश में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से बात करता था। उसकी पहचान मोहम्मद साजिब उर्फ हीरा खान के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि जिले की विदेशी सेल अवैध रूप से जिले में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों पर निगरानी रख रही है। 15 अक्तूबर को पुलिस टीम ने महेंद्र पार्क इलाके में एक ट्रांसजेंडर को रोका और उसके दस्तावेजों की जांच की। पूछताछ में उसने अपनी पहचान भारतीय मतदाता पहचान पत्र के माध्यम से की, लेकिन उसके व्यवहार एवं मानसिक प्रतिक्रिया से उसकी पहचान पर पुलिस को संदेह हुआ। सेल के निरीक्षक विपिन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। पुलिस टीम ने संदिग्ध की तकनीकी निगरानी शुरू की। पुलिस ने उसके इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जांच की। डिजिटल फुटप्रिंट का विश्लेषण एवं उपलब्ध फोटोग्राफिक प्रमाणों की जांच में संदिग्ध के बांग्लादेश से गहरे संबंध सामने आए। पुलिस ने 24 अक्तूबर को उसके मतदाता पहचान पत्र निरस्त करने के लिए उसकी पहचान को चुनाव कार्यालय भेज दिया। पुलिस उसकी गतिविधियों पर गोपनीय निगरानी रखी। मतदाता पहचान पत्र निरस्त होने के बाद 19 नवंबर को पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसके मोबाइल फोन की गैलरी एवं इंस्टाग्राम से कुछ तस्वीरें मिलीं जो बांग्लादेश के क्षेत्रों से संबंधित थीं।

पिता से पिटाई का गुस्सा पान विक्रेता पर उतारा, कर दी हत्या

नई दिल्ली। पटेल नगर में पिता से पिटने के बाद उसका गुस्सा नाबालिग ने पान विक्रेता पर उतार दिया। साथियों साथ मिलकर उसने पान विक्रेता राजेन्द्र कुमार (40) की हत्या कर दी। आरोपियों ने सिगरेट मांगने के बहाने राजेंद्र से जानबूझकर झगड़ा किया उसके बाद बाद चाकू से ताबड़तोड़ कई वार किए। मंगलवार शादीपुर फ्लाईओवर के नजदीक पीछा करने के दौरान आरोपी ने टीम पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से एक बदमाश फरीदपुरी निवासी मोहम्मद मेहताब उर्फ राजा घायल हो गया। बुधवार को पुलिस ने हत्या के मामले में मुख्य नाबालिग आरोपी समेत पांच अन्य लड़कों को भी हिरासत में ले लिया है। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वल्सन ने बताया कि पटेल नगर के बलजीत नगर निवासी राजेन्द्र घर के पास ही यह पान की दुकान चलाता था। सोमवार रात को यह अपनी दुकान पर था। इस बीच पिता की पिटाई से नाराज नाबालिग मेहताब समेत अन्य साथियों के साथ राजेन्द्र की दुकान पर पहुंचे। मुख्य नाबालिग आरोपी ने राजेंद्र से सिगरेट मांगी। कम उम्र होने के कारण राजेंद्र ने नाबालिग को सिगरेट देने से मना कर दिया। इस बात पर वह आग बबूला हो गया। आरोपी उससे झगड़ा करने लगा। इस बीच नाबालिग ने चाकू निकालकर राजेंद्र पर कई वार कर दिए। बाकी लड़के भी हमला करने लगे। बाद में सभी फरार हो गए। राजेंद्र को आरएमएल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान कर ली गई। निधिन वल्सन ने बताया कि मुख्य नाबालिग आरोपी पहले भी दो हत्याओं के मामलों में शामिल रहा है। आरोपियों के पास से वारदात वाले दिन पहले कपड़े भी बरामद कर लिए गए।

प्रतिष्ठित व्यवसायिक परिवार की महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली में एक प्रतिष्ठित व्यवसायिक परिवार की महिला की खुदकुशी ने सनसनी फैला दी है। व्यवसायी कमल किशोर की पुत्रवधू दीप्ति चौरसिया (40) ने मंगलवार शाम को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उन्होंने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। हालांकि, दीप्ति चौरसिया के परिजन खुदकुशी के लिए उकसाने की पुलिस को शिकायत दे रहे हैं। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दीप्ति का शव सबसे पहले उसके पति हरप्रीत ने देखा। हरप्रीत उन्हें अस्पताल लेकर गए, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस को एक डायरी मिली है, जिसमें दीप्ति ने अपने पति के साथ विवाद का जिक्र किया है। दीप्ति ने खुदकुशी करने से पहले डायरी में लिखा कि अगर किसी रिश्ते में प्यार और भरोसा नहीं तो फिर उस रिश्ते में रहने और जीने की वजह क्या है। अब और नहीं सहन हो पाता। बेटे को मां का आशीर्वाद। पुलिस के मुताबिक, दीप्ति और उनके पति अलग-अलग घरों में रहते थे। बताया जा रहा है कि दीप्ति की वर्ष 2010 में कमल किशोर के बेटे हरप्रीत चौरसिया से शादी हुई थी। दोनों के एक 14 साल का लड़का है। आरोप है कि हरप्रीत ने दो शादी कर रखी है। दूसरी पत्नी दक्षिण भारत के फिल्मों की अभिनेत्री है। उसके साथ भी हरप्रीत की एक बेटी है। वसंत विहार पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के ऑपरेशन कवच 11.0 से अपराधियों पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली। दिल्ली की वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने ऑपरेशन कवच 11.0 के तहत अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की है। 24 नवंबर 2025 की शाम 6 बजे से लेकर 25 नवंबर 2025 की शाम 6 बजे तक चले 24 घंटे के इस बड़े अभियान में पुलिस ने 166 लोगों को गिरफ्तार किया, 627 संदिग्धों को हिरासत में लिया और 159 जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान 276 चालान काटे गए, 2784 क्वार्टर अवैध शराब जब्त की गई और 48,250 रुपये नकद बरामद किए गए। ऑपरेशन कवच 11.0 को पुलिस मुख्यालय के निर्देशों पर चलाया गया था, जिसमें नशे के सौदागरों, अवैध शराब तस्करों, हथियार रखने वालों, जुआरियों, बीएनएस का उल्लंघन करने वालों, डीपी एक्ट तोड़ने वालों, कोटपा एक्ट के अपराधियों और अन्य असामाजिक तत्वों पर निशाना साधा गया। अभियान की कमान वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी के अधीन थी, जिसमें सभी 12 थानों और स्पेशल यूनिट्स ने पूरा योगदान दिया। इनमें स्पेशल स्टाफ/वेस्ट, एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड, एएटीएस/वेस्ट और टेक्निकल सर्विलांस यूनिट्स शामिल थीं। ऑपरेशन के तहत कुल 71 टीमों ने हॉटस्पॉट्स, झुग्गी-झोपड़ी इलाकों, औद्योगिक क्लस्टरों, शराब की तस्करी वाली रूटों, संदिग्ध जगहों, एकांत इलाकों, रात में होने वाले अपराधों वाली जगहों और सुनसान सड़कों पर छापेमारी की। अभियान के दौरान पुलिस ने लगातार नाकाबंदी और मोबाइल गश्त की, तकनीकी और मानवीय खुफिया जानकारी का इस्तेमाल किया, एसएचओ और विशेष इकाइयों के बीच रीयल-टाइम समन्वय रखा, सरप्राइज छापेमारी की और रात में इलाके पर हावी रही। पारदर्शिता के लिए सभी कार्रवाइयों की फोटो और वीडियो रिकॉर्डिंग की गई।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती मितलेश देवी, पत्नी श्री सतेन्द्र सिंह, दो-मंजलिा आवासीय मकान की मालिक हैं, जिसका कुल क्षेत्रफल 50 वर्ग गज (41.8 वर्ग मीटर) है, जो कि खसरा संख्या 861, ग्राम बिसाहड़ा, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है। राजस्व अभिलेखों के अनुसार, उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री नबाब सिंह, पुत्र श्री नारायण थे। श्री नबाब सिंह के निधन के उपरांत, उनके वैध वारिसों, जिनमें श्री सतेन्द्र सिंह (पुत्र) एवं अन्य शामिल हैं, के नाम 02.02.2015 को राजस्व अभिलेखों में दर्ज (म्यूटेशन) किए गए। इसके पश्चात, श्री सतेन्द्र सिंह ने दिनांक 15.11.2025 को पंजीकृत उपहार विलेख (दस्तावेज संख्या 56873) के माध्यम से उक्त संपत्ति अपनी पत्नी श्रीमती मितलेश देवी को उपहारस्वरूप प्रदान कर दी। परिणामस्वरूप, श्रीमती मितलेश देवी अब उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं निष्कंटक स्वामिनी हैं, जो किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बोझ, बंधन, दावे या अधिकार से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि यह संपत्ति वर्तमान में वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड, शाखा नोएडा, उत्तर प्रदेश के साथ बंधक की जा रही है।यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना

मैं Syed Shariq Ali Wasti S/O ,Syed Shakir Ali Wasti R/O ,1922 गली राजान, कूचा चालान दरिया गंज नई दिल्ली 110002, घोषणा करता हूं कि मेरे पासपोर्ट संख्या स. 391785, में त्रुटिवश मेरा नाम Syed Shariq Ali Waste S/O ,Syed Shakir Ali Waste दर्ज है जबकि मेरा पूरा और सही नाम Syed Shariq Ali Wasti S/O , Syed Shakir Ali Wasti है। अतः भविष्य में सभी उद्देश्यों और पर्यायों हेतु मुझे Syed Shariq Ali Wasti S/O ,Syed Shakir Ali Wasti , के नाम से जाना जाए।

NAME CHANGE

I, Gaurav Kumar Singh alias Gaurav Singh S/O Satyendra Kumar Singh R/O Flat No. - B1808,Bulland elevates, Gaur City-2, Near to JKG Palm Court, Greater Noida West, VTC: Greater Noida West, PO: Roza Yakubpur, District: Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh -201009, have changed my name and shall hereafter be known as Gaurav Kumar Singh

NAME CHANGE

I Varsha W/o Pushpendra R/o Khairpur Gurjar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 have changed the name of my minor daughter Toshi Khari aged 17 years and she shall hereafter be known as Arya Khari.

NAME CHANGE

I, M S SANDHU S/o CHATTAR SINGH Presently residing at 9 A, GP-2, GURGAON-ONE, SECTOR-22, GURGAON, INDUSTRIAL COMPLEX DUNDAHERA, GURGAON, HARYANA-122016, have changed my name from M S SANDHU to MANJIT SINGH SANDHU for all future purposes vide Affidavit dated 27/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, M ROHIT Son of JC-442953X Rank-NB SUB Name-MADASU ATCHIBABU residing at H.NO-B2/504, KAVERI BLOCK, REVNU WARD, PO-VADLAPUDI, PS & TEHSIL-GAJUWAKA, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-530046, have changed my name from M ROHIT to MADASU ROHIT for all future purposes vide Affidavit dated 23/10/2025 before Notary Public, Visakhapatnam, Andhra Pradesh.

NAME CHANGE

It is for general information that I RAMESH CHAND S/o PREM CHAND, R/o H.No. 120, Taimoor Nagar, Dist: South Delhi, Delhi - 110065, declare that name of my minor son has been wrongly written as LUCKY aged 14 years in his School Records. The actual name of my minor son is LUCKY CHAND, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I FAREHA BEGAM / FARIHA W/O MOHAMMAD NIYAZUDDIN R/O H NO-17C, BLOCK-H, GALI NO-13, RATIYA MARG, SANGAM VIHAR, PUSHPA BHAWAN, DELHI-110062. have changed my name to FARIHA BEGUM for all future purpose.

NAME CHANGE

I Smt Pratima W/o Rajendra Prasad R/o Usmanpur Majre Bakrapur, Mahmudabad, Sitapur, Uttar Pradesh - 261203, have changed my name to Ketki

NAME CHANGE

I, Sushil Kumar Singh S/o Kunvarpal Singh R/o Nagliya Pala Sallu, Aligarh, Uttar Pradesh - 202136, have changed my minor daughter's name from Maitriy Jadaun aged 17 years to Avinya Singh forever

NAME CHANGE

It is for general information that I, SHYLA JOSEPH W/O JOSEPH JACOB Permanent resident at: KUZHIATHU KADUPPIL HOUSE, PARIYARAM P O, PUTHUPPALLY, KOTTAYAM, KERALA-686021 Presently residing at: HOUSE NO. F-/210, SOUTHEND APARTMENT CHARMWOOD VILLAGE SURAJKUND FARIDABAD, HARYANA-121009 declare that name of mine has been wrongly written as MARIAMMA JOSEPH in my PPO-0114021359. The actual name of my mine is SHYLA JOSEPH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I DEEPAK S/O ASHOK KUMAR R/O X-1/17 PHASE-1, BUDH VIHAR DELHI - 110086, I have changed my name to DEEPAK GUPTA for all Future purpose

NAME CHANGE

I Kanchan Sain W/O Neeraj Sharma R/O B-76, Rama Park Uttam Nagar delhi 110059 changed my name to Kanchan Sharma.

NAME CHANGE

I MOMIN S/O ABDUL AZIZ R/O B-60 KANCHAN KUNJ, PART-2 MADANPUR KHADAR DELHI-110076 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHD MOMEEN FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, MOUNIKA Wife of No. 16124873F Rank-SPR Name-MANGALA DURGA PRASAD Presently residing at HOUSE NO-13/165 G-2, SANJEEV NAGAR, GUNTAKAL (MD & TK), ANANTHAPURAM (DIST), ANDHRA PRADESH-515801, have changed my name from MOUNIKA to SHAIK ASIFA for all future purposes vide Affidavit dated 27/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I KAFEEL AHMED S/O MOHAMMAD SHAMEEM R/O T-356 AHATA KIDARA NEAR VASHISHT TEMPLE DELHI-110006 have changed my name to KAFEEL AHMAD for all future purpose.

NAME CHANGE

I BALJINDER PAL SINGH S/O AMARJEET SINGH R/O C- 335 , THIRD FLOOR C- BLOCK VIVEK VIHAR PH-1 JHILMIL DELHI DELHI- 110095, I have changed my name to BALJINDER SINGH Permanently for future purpose

NAME CHANGE

I RAJESH CHAKRAVARTY S/O ARVIND CHAKRABORTY R/O B-1 , 602 THE HEART SONG SECTOR -108 DAULTABAD GURGAON HARYANA - 122006, I have changed my name to RAJESH CHAKRABORTY Permanently all Future purpose

NAME CHANGE

I MEENU CHAKRABORTY W/O RAJESH CHAKRABORTY R/O B-1, 602 THE HEART SONG SECTOR - 108 DAULTABAD GURGAON HARYANA - 122006, I have changed my name to MEENU SHARMA Permanently all Future purpose

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Manju Srivastava alias Manju Adhikari D/O Bag Singh Adhikari Ex. Wife of Sandeep Srivastava residing at K- 401,Gali no -8, K block Mahipal pur ,Malikpur Kohi alias Rang south west delhi delhi-110037 declare that I got divorce from my husband vide Court Decree No HMA 937/2025 dated 20.08.2025. further I have changed my name and shall hereafter be known as Manju Adhikari .

PUBLIC NOTICE

All concerned are hereby informed through this Public Notice that my client namely Smt. Barji Devi W/o Late. Sh. Vikram singh R/O RZF-221, Raj Nagar-2. Guru Nank Marg. Palam Colony, New Delhi-110077, Has debarred and disowned her Son namely RAMPAL S/o Lt. Sh. Vikram Singh aged 35 years, from her social life and all her moveable and immovable property and cancelled all her relations with him risk, cost and consequences.

DINESH KUMAR MEENA
ADVOCATE
CH.752, DWARKA COURTS,
CHAMBER BLOCK
NEW DELHI-110075.
Mob:-7503276002

NAME CHANGE

I SARITA wife of Sh. SUNIL KUMAR SHARMA R/O WZ-36 Mahesh Vihar Om Vihar Phase-2A Uttam Nagar New Delhi-110059 have changed my name from SARITA to ROOP KUMARI for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, NITISH PRASAD S/O DHANANJAY PRASAD R/O B-20, Mandir Marg, Bajaj Showroom, South Ganesh Nagar, Shakarpur, East Delhi, Delhi-110092 declare that name of my father has been wrongly written as DHANANJAY in my Pan Card No-FTKPP8719M, Voter Card No-IPS3110541, Driving Licence No-DL1 20230164021 and OBC Certificate No-90500000940247 That name of my father and my mother has been wrongly written as DHANANJAY AND MUNNI DEVI in my All Educational Documents. The actual name of my father and my mother are DHANANJAY PRASAD and BUNNI DEVI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is general information that I RAJU SINGH S/O CHANAN SINGH R/O c-10/138, SULTANPURI, KUMHAR BASTI, Nitrari, North West Delhi, Delhi-110086 declare that name of my minor son has been wrongly written as ANGAD in my my minor son ANGAD SINGH aged 15 years in his school record. The actual name of my minor son is ANGAD SINGH which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, MALEK RESHMABANU wife of NO-14862324L Rank-SEP Name-PATHAN ALFAJKHAN ALAUDDINKHAN residing at VPO-SURELI, TEHSIL-UMRETH, DIST-ANAND, GUJARAT-388210, have changed my name from MALEK RESHMABANU to PATHAN RESHAMABIBI ALFAJKHAN for all future purposes vide Affidavit dated 27/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MANGALA Mother of No-16127066X Rank-SPR Name-MANJUNATH SANADI Presently residing at VPO-BALEKUNDRI (KH), TEHSIL & DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591103, have changed my name from MANGALA to MANGAL APPAYYA SANADI for all future purposes vide Affidavit dated 27/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, APPAYYA Father of No-16127066X Rank-SPR Name-MANJUNATH SANADI Presently residing at VPO-BALEKUNDRI (KH), TEHSIL & DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591103, have changed my name from APPAYYA to APPAYYA BASAPPA SANADI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1969 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 vide Affidavit dated 27/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHAMAD KEMNU FATHER OF MD ARBAZ RESIDENT OF H.NO SHOP NO. 1, MINI MARKET, SRINIWASPURI, SOUTH DELHI, DELHI-110065 (ADHAAR NO. 3660 0894 8809) inform that my name has been mentioned wrongly as KEMNU in my minor son's marksheet and his mother's name as NOORJAHA where as my correct name is MOHAMAD KEMNU and his mother's name is NOORJAHAN. Which may be amended accordingly

यमुना बाढ़ क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद भारी वाहनों का आवागमन जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में दाखिल एक रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि यमुना के बाढ़ क्षेत्रों में भारी वाहनों पर प्रतिबंध के बावजूद वाहनों का आवागमन जारी है। बताया गया कि सोनिया विहार पुश्ता रोड पर रेडी-मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) प्लांटों तक पहुंचने के लिए ट्रक और भारी वाहन लगातार चल रहे हैं। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग (आई एंड एफसी) ने एनजीटी को यह जानकारी दी है। विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, पुश्ता रोड और एलिवेटेड तटबंध सड़क पर कई जगहों पर भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित के बड़े-बड़े बोर्ड लगे हैं, फिर भी आरएमसी प्लांट मालिक इन नियमों की खुलेआम अवहेलना कर रहे हैं। 23 अगस्त 2025 को विभाग के अधिकारी ने निरीक्षण किया था, जिसमें दर्जनों ट्रक और ट्रांजिट मिक्सर प्रतिबंधित मार्ग से गुजरते पाए गए।

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ASLAM S/O ABDUL RAB R/O Z-1/71,72 Z1-BLOCK, LAKDI MARKET, WELCOME SEELAMPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME MOHD ASLAM FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, NAZIA PARVEEN W/O MOHD ASLAM R/O Z-1/71,72 Z1-BLOCK, LAKDI MARKET, WELCOME SEELAMPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME NAZIYA PARVEEN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, ROHIT KUMAR S/o HARPAL SINGH, R/o Flat No.21 A, Block 6 LIG, Sector-135, Gokuldham Society, Chhaprauli Bangar, Distt. Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201305, have changed the name of my minor daughter namely SAANVI TYAGI, aged 7 years and she shall hereafter be known as SAANVI SINGH.

NAME CHANGE

I, ROHIT KUMAR S/o HARPAL SINGH, R/o Flat No.21 A, Block 6 LIG, Sector-135, Gokuldham Society, Chhaprauli Bangar, Distt. Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201305, have changed the name of my minor son namely HRIDHAAN TYAGI, aged 5 years and he shall hereafter be known as HRIDHAAN SINGH.

NAME CHANGE

I, Pranjel S/o Virendra Kumar Sharma R/o G-138, Delta-2, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306, have changed my name and shall hereafter be known as Pranjel Sharma.

PUBLIC NOTICE

I, KULDEEP MEGHAVANSHI S/O BAJRANG R/O 519/2 UGF, B/S, L/P, KH ?? 322, NEB SARAI, IGNOU, SOUTH DELHI, DELHI- 110068, declare that my son ADITYA in his school record his name has been wrongly written as BHAVYA MEGHAVANSHI. But my Son Correct name is ADITYA for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I HIJAM SHYAMCHANDRA LUWANG, S/o HIJAM DHARMA LUWANG, R/O Andro Khunou Leikai, Andro Nagar Panchayet, PO: Yairipok, Dist- Imphal East, Manipur - 795149, and presently residing at Quarter No. 2, Block-J, Andrews Ganj Extension, New Delhi, Delhi – 110049 declare that the name of my wife has been wrongly written as SALAM SUMITA, in my minor son namely JESSE LUWANG HIJA? , aged 9 years in his School Record and Birth Certificate No. 11959. The actual name of my wife is SUMITA LUWANG respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I SAMSUL KHAN S/O MOHD BASHIR R/O 42/4 GALI NO 5 KHUREJI KHAS KRISHNA NAGAR EAST DELHI 110051 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAMSUL HAQ

NAME CHANGE

I PUNDEV MISHRA S/O KISHUN MISHRA R/O KAMALNATH NAGAR WARD NO 23 BETTIAH WEST CHAMPARAN BIHAR 845438 HAVE CHANGED MY NAME TO UMAKANT MISHRA S/O KISHUN MISHRA

NAME CHANGE

I, Chanchal W/O Prem Kumar Garg R/O Flat No-g-46, Ug 1, Dilshad Colony Shahdara 110095 Have Changed My Name to Chanchal Garg for All Future Purposes.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82Cr.PC/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **सोनू, पुत्रः धर्मू निवासीः 265, बनीपुर–2, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **Case Reg. No.13100/2017 U/S 138 NI Act** के तहत एक मामला **थाना रानी बाग, बाहरी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **सोनू** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **सोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **Case Reg. No.13100/2017 U/S 138 NI Act थाना रानी बाग, बाहरी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **सोनू** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए **दिनांक 17.01.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री दिव्या अरोड़ा,
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04,
उत्तर–पश्चिम जिला, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली।

DP/15882/OD/2025
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी साबिर उर्फ बड़ा राजू पुत्र** नत्थू खान, **पताः** छिद्दन का मकान शिव वाटिका बेहटा हाजीपुर जिला गाजियाबाद **उत्तर प्रदेश, FIR No. 81/2009, U/s: 307/186/353/394/ 397/411/ 34 IPC 25/54/59 A.Act पुलिस थानाः नन्द नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साबिर उर्फ बड़ा राजू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साबिर उर्फ बड़ा राजू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **साबिर उर्फ बड़ा राजू FIR No. 81/2009, U/s: 307/186/353/394/ 397/411/ 34 IPC 25/54/59 A.Act पुलिस थानाः नन्द नगरी, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.01.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
भावनी शर्मा
ज्वांइट रजिस्ट्रार
(न्यायिक)
दिल्ली उच्च न्यायालय

DP/15795/NE/2025
(Court Matter)

NAME CHANGE

I, GORAV S/o PERMA DAS R/o HOUSE NO -968, STREET NO-2, MAHALAXMI GARDEN RAILWAY STATION GURGAON HARYANA-122001, I HAVE CHANGED MY NAME TO GAURAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I,REENA W/O ROHIT BHATT R/O G-1158, GROUND FLOOR, SUSHANT LOK PHASE-3, SECTOR-57, GURGAON, HARYANA-122003, HAVE CHANGED MY NAME TO REENA ROHIT BHATT FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

It is for general information that I, JEEVAN JOSHI S/o RAM KUMAR SHARMA, residing at H.NO-K-5/11, GALI NO-5, GANGOTRI VIHAR, WEST GHONDA, GARHI MENDU, DELHI-110053, declare that name of my father and mother has been wrongly written as RAM KUMAR JOSHI and RANI JOSHI in my 10th & 12th Educational Documents and father's name is wrongly written as RAM KUMAR JOSHI in my AADHAR CARD NO- 821347814610 and PAN CARD NO ARGPJ3037M. The actual names of my father and mother are RAM KUMAR SHARMA and RANI, respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE

I hitherto known as Shamsuz Zehra W/O: Mohammad Sualeh BAQRI, R/O 541. Mohalla Sadat, Said Nagli, Amroha Uttar Pradesh-244242,have change my name and shall hereafter be known as SHAMSI ZEHRA.

NAME CHANGE

I Salvi Kalra W/O Armaan Anand R/O. 61/23 Ramjas Road Karol Bagh Delhi-110005 have changed my name to Salvi Anand.

NAME CHANGE

I MANPREET SURI W/O JASPAL SINGH SURI R/O. C-58 UPPER GROUND FLOOR, BLOCK-C, VIKAS PURI, Delhi-110018 have changed my name to MANPREET KAUR SURI .

NAME CHANGE

I, NIKHIL S/o DEEPAK KUMAR GOYAL R/o H.No.132, G/F, Pocket-A-8, Kalkaji, Delhi-110019 have changed my name NIKHIL GOYAL permanently

NAME CHANGE

I, DEEPAK KUMAR S/o Ram Kishan R/o H.No.132, G/F, Pocket-A-8, Kalkaji, Delhi-110019 have changed my name DEEPAK KUMAR GOYAL permanently.

NAME CHANGE

I, POONAM W/o DEEPAK KUMAR GOYAL R/o H.No.132, G/F, Pocket-A-8, Kalkaji, Delhi-110019 have changed my name POONAM GOYAL permanently

NAME CHANGE

I, KISHAN S/o Hari Singh R/o H.No.239, Near Canara Bank, Tilpat, Amarnagar, Faridabad-121003 have changed my name from KISHAN to KISHAN KUMAR permanently

NAME CHANGE

I, Sanju s/o Rama Swami R/o A-350, Wazir Pur, J J Colony, Delhi-110052 have changed my name to Sanju Kumar for all future purposes

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

राष्ट्र को मजबूत और सशक्त करना ही संविधान की मूल भावना : नायब सिंह सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। संविधान दिवस के अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा विधानसभा पहुंचे और वहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर प्रदेशवासियों को संविधान दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सभी के लिए गर्व का दिन है, क्योंकि भारतीय संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समान अवसर, न्याय और गरिमा के साथ आगे बढ़ने का अधिकार प्रदान किया है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि राष्ट्र को मजबूत, सशक्त और एकजुट करना ही संविधान की मूल भावना है और इसी संकल्प के साथ हरियाणा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, सुशासन, सामाजिक न्याय और नागरिकों की भागीदारी लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की आत्मा हैं और

सरकार की नीतियां इन्हीं सिद्धांतों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज संविधान पूरी तरह सुरक्षित है और 'सबका साथ–सबका विकास–सबका विश्वास–सबका प्रयास' संविधान की भावना का सच्चा प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे ने संविधान की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि देशहित और संविधान की गरिमा सबसे ऊपर है।

मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से संविधान में निहित मूल कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य युवाओं के हाथ में है और युवाओं को संविधान की समझ के साथ समाज और देश के प्रति कर्तव्य निर्वहन का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान विधानसभा स्पीकर हरविंदर कल्याण, विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, राजस्व मंत्री विपुल गोयल, खाद्य आपूर्ति राज्यमंत्री राजेश नागर सहित अनेक विधायक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पानीपत में बेसहारा गो-मुक्त हरियाणा के लिए तेज़ होगी कार्रवाई: श्रवण गर्ग

एजेंसी
पानीपत। हरियाणा गौशाला सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने पानीपत जिले की प्रमुख गौशालाओं जिनमें पानीपत, नौल्था, शाहपुर और शिव गौशाला का निरीक्षण कर गौ संरक्षण और गोवंश संवर्धन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गोहाना रोड स्थित मुख्य गौशाला में आयोजित बैठक में उन्होंने जिले की सभी पंजीकृत गौशालाओं के प्रतिनिधियों को जिम्मेदारियां सौंपी तथा उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान का आश्वासन दिया। गर्ग ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य हरियाणा को बेसहारा गो-मुक्त बनाना है और इसके लिए प्रशासन, गौशालाओं व समाज को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गौवंश सड़कों पर न दिखे, इसके लिए सभी गौशालाओं को अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। इसी कड़ी में जिले की पांच गौशालाओं ने 1300 गोवंश रखने की सहमति व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि पंजीकृत गौशालाओं को सरकार अनुदान दे रही है, इसलिए आवारा व बेसहारा गोवंश को आश्रय देना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बनती है। चेयरमैन ने बताया कि पानीपत जिले की गौशालाओं के उत्थान के लिए सरकार द्वारा 2 करोड़ 82 लाख रुपये की राशि जारी की गई है, जो अब तक की सबसे बड़ी सहायता है। उन्होंने गौशाला प्रबंधक समितियों से अपील की कि वे देशी गायों के संवर्धन में योगदान दें, क्योंकि अनेक गौशालाएं 2000 लीटर से अधिक दूध उत्पादन कर रही हैं, जो देसी नस्ल की क्षमता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने शीश मार्ग यात्रा का चंडीगढ़ में किया स्वागत

चंडीगढ़। श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान वर्ष को समर्पित शीश मार्ग यात्रा चंडीगढ़ स्थित सीआरपीएफ कैंपस पहुंची, जहां पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने पवित्र पालकी साहिब को नमन किया। कैंपस आगमन पर सीआरपीएफ यूनिट ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब पर पुष्प वर्षा की और गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का अद्वितीय बलिदान संपूर्ण मानवजाति के लिए मार्गदर्शक है। जिस साहस और तपस्या के साथ उन्होंने धर्म, सत्य और मानवता की रक्षा के लिए अपना शीश समर्पित किया, वह पूरे विश्व के लिए मिसाल है। उन्होंने कहा कि शीश मार्ग यात्रा हमें सांप्रदायिक सद्भाव, भाईचारे, कर्तव्य और साहस के पथ पर चलने की प्रेरणा देती है। हरियाणा सरकार ऐसे आध्यात्मिक और सामाजिक आयोजनों के साथ सदैव खड़ी है। यह यात्रा 24 नवंबर को शीश गंज गुरुद्वारा, नई दिल्ली से प्रारंभ हुई और 26 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब में पवित्र समापन के साथ श्रद्धार्पित होगी। इस यात्रा की अगुवाई बाबा मंजीत सिंह जीरकपुर वाले कर रहे हैं और यह 15वीं शीश मार्ग यात्रा है, जिसमें भारी संख्या में संगत शामिल हो रही है। यात्रा के हरियाणा आगमन पर बडखालसा, तरावड़ी, करनाल, पानीपत, अंबाला सहित अनेक नगरों में भव्य स्वागत हुआ।

हरियाणा के सोनीपत में एक करोड़ 17 लाख में लगी वीआईपी नंबर की बोली

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में गाड़ियों के लिए हुई साप्ताहिक ऑनलाइन नीलामी में वीआईपी नंबर प्लेट एचआर-88-बी-8888 ने इतिहास रच दिया। महज कुछ घंटों की प्रतिस्पर्धात्मक बोली के बाद यह नंबर एक करोड़ 17 लाख में नीलाम हुआ, जो अब तक का देश का सबसे महंगा वाहन नंबर बन गया है। यह नंबर सोनीपत के कुंडली क्षेत्र का है और ब्लॉक किये के बादइसी जिले में पंजीकृत होगा। इस नीलामी में कुल 45 लोगों ने भाग लिया। बुधवार की शाम पांच बजे बोली समाप्त होते-होते कीमत 1.17 करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी, जबकि दोपहर तक बोली 88 लाख रुपये पर थी। हर सप्ताह की तरह इस बार भी नीलामी परिवहन विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आयोजित की गई, परंतु इस बार प्रतिस्पर्धा पहले से कहीं अधिक तीव्र रही। फैंसी नंबर के लिए इच्छुक व्यक्ति को ऑनलाइन पंजीकरण के दौरान लगभग 4500 रुपये की गैर-वापसी योग्य फीस जमा करनी होती है। इसके बाद पांच दिन के भीतर बोली लगानी होती है। यदि बोलीकर्ता द्वारा निर्धारित शुल्क समय पर जमा नहीं कराया जाता, तो उसकी पंजीकरण फीस जब्त हो जाती है और वह नीलामी प्रक्रिया से बाहर हो जाता है।

फरीदाबाद में 25 लाख की लूट के आरोप में तीन काबू

पलवल। फरीदाबाद के बल्लभगढ़ सिटी थाना क्षेत्र में सोमवार देर शाम 25 लाख 33 हजार रुपए की हुई लूट की वारदात का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। क्राइम ब्रांच की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नारियल गांव के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 21 लाख रुपए नकद और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। एसीपी क्राइम वरुण दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 नवंबर की शाम रोहित कंसल नामक युवक सीही रोड गेट, सिंगला धर्मशाला के पास पहुंचा ही था कि बाइक सवार तीन से पांच युवकों ने उसकी स्कूटी को टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद किसी नुकीले हथियार से उसके सिर पर हमला कर कैश से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। यह रकम लोहा व्यापारी जय भगवान की थी। व्यापारी ने यह पैसा अपने सीए नितिन को घर भेजने के लिए दिया था, जिसके बाद नितिन ने अपने असिस्टेंट रोहित को बैग देकर भेजा। जांच में पता चला कि लूट की साजिश व्यापारी के परिचित नवीन भारद्वाज ने रची थी। नवीन की कारोबारी बातचीत अक्सर जय भगवान से होती थी और वह उनके घर भी आता-जाता रहता था। पैसों की आवाजाही की जानकारी होने के कारण उसने अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई।

जिला प्रशासन ने बाल विवाह रोकथाम पर कार्रवाई तेज की: उपायुक्त सारवान

एजेंसी
सोनीपत। उपायुक्त सुशील सारवान ने कहा कि बच्चों का सुरक्षित बचपन, उनकी शिक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप समाज में यह समझ बढ़ी है कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक बुराई है और लोग प्रशासन के साथ खड़े हो रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि पिछले वर्ष जिला प्रशासन को बाल विवाह से जुड़ी 25 शिकायतें मिलीं। इनमें से 13 मामलों में समय पर हस्तक्षेप कर बच्चों को कम उम्र के विवाह से रोका गया। 11 मामलों में पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की, जबकि 1 शिकायत असत्य पाई गई। उन्होंने कहा कि लक्ष्य केवल कार्रवाई करना नहीं बल्कि यह संदेश देना है कि शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर बच्चों का अधिकार हैं और समाज का सहयोग इस दिशा में आवश्यक है। जिला प्रोटेक्शन और बाल विवाह निषेध अधिकारी रजनी गुप्ता ने कहा कि शिकायतें बढ़ना जागरूकता बढ़ने का संकेत है। आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, पंचायत प्रतिनिधियों और नागरिकों से मजबूत सहयोग मिला है।

संविधान दिवस पर अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली कर्तव्यनिष्ठा की शपथ

एजेंसी
सोनीपत। सोनीपत में संविधान दिवस के अवसर पर लघु सचिवालय स्थित सभागार में नगराधीश डॉ. अनमोल ने विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को संविधान की उद्देशिका को सर्वोपरि मानते हुए उसके अनुरूप कार्य करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसके संविधान में निहित है, जिसने देश को प्रभुतासंपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में सशक्त बनाया है। यह संविधान ही हमारी एकता और अखंडता की आधारशिला है। नगराधीश ने बताया कि 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अंगीकृत किया था और 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। संविधान देश का सर्वोच्च विधान है, जो नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जहां संविधान ने हमें अनेक अधिकार दिए हैं, वहीं स्पष्ट रूप से कर्तव्य भी निर्धारित किए हैं। नागरिकों को अधिकारों के साथ अपने भारतीय समाचार विश्लेषण उपकरण राज्य समाचार कर्तव्यों का पालन करना उतना ही आवश्यक है, क्योंकि राष्ट्र के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका होती है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि संविधान निर्माताओं ने जिस भारत का सपना देखा था, उसे साकार करने के लिए हमें जिम्मेदारी, अनुशासन और संवैधानिक मर्यादा के अनुरूप कार्य

करना होगा। देश की एकता और अखंडता बनाए रखना हर नागरिक का मूल दायित्व है तथा इस दिशा में सभी को सतर्क और सक्रिय रहना चाहिए। कार्यक्रम में डीसीपी कुशल सिंह, एसीपी राजदीप मोर, डीआरओ सुशील शर्मा, तहसीलदार कीर्ति दहिया, डीडीपीओ मनीष मलिक सहित अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में मनाया गया जिलास्तरीय संविधान दिवस

एजेंसी
जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सभागार में जिलास्तरीय संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण लाल मिड्ढा के प्रतिनिधि के तौर पर उनके बेटे एवं युवा भाजपा नेता रुद्राक्ष मिड्डा ने शिरकत की। कार्यक्रम में भारत का संविधान नामक लघु फिल्म का प्रसारण भी किया गया तथा उपस्थित लोगों को संविधान संहिता का वाचन भी कराया गया व संविधान की शपथ भी दिलवाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा भाजपा नेता रुद्राक्ष मिड्ढा ने कहा कि संविधान केवल कानूनी किताब नही बल्कि हमारे राष्ट्र की आत्मा है। संविधान हमें एक सूत्र में पिरोता है, हमारे अधिकारों की रक्षा करता है तथा प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्रदान करने की शक्ति देता है। भारतीय संविधान विश्व का

सबसे व्यापक, लोकतांत्रिक और सर्वसमावेशी संविधान है। जो प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और गरिमा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि संविधान न केवल शासन का आधार है बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, विविधता और लोकतांत्रिक मूल्यों का भी प्रतीक है। भारत की विविधता एकता और लोकतांत्रिक मूल्य ही इसे विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति बनाते है। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ मिट्टी का टुकड़ा नही बल्कि 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की साझा धड़कन है। उन्होंने बताया कि संविधान दिवस 26 नवंबर 1949 का वो ऐतिहासिक दिन था, जब डा. भीमराव अंबेडकर और उनकी समर्पित टीम ने हमें ऐसा संविधान दिया, जिसने सदियों की गुलामी, अन्याय और भेदभाव से ऊपर उठ कर इस देश को समानता, न्याय और स्वतंत्रता के पंख दिए।

अंबाला में टांगरी नदी के तल को गहरा करने हेतु मिट्टी निकालने का महत्वपूर्ण कार्य फिर से हुआ शुरू : अनिल विज

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला में टांगरी नदी को गहरा करने के लिए नदी तल से मिट्टी निकालने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य आज फिर से शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कार्य पहले भी शुरू हुआ था, मगर तब कुछ रुकावटे डाल दी गई, लेकिन अब यह शुरू हो गया है।

टांगरी नदी तल को आठ फुट गहरा किया जाएगा और 11 फुट का तटबंध बनाया जाएगा ताकि निचले इलाकों में पानी न आए। विज आज अंबाला के चंदपुरा पुल पर टांगरी नदी तल में प्रारंभ हुए मिट्?टी की खुदाई (डि-सिलटिंग) के कार्य का जायजा ले रहे थे। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद सिंचाई विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि नदी तल में से मिट्?टी निकालने का कार्य तीन एजेंसियों को सौंपा गया है। पहली एजेंसी रामगढ़ माजरा से

जगाधरी रोड टांगरी पुल तक कार्य करेगी, दूसरी एजेंसी जगाधरी रोड से शाहपुर तक और तीसरी एजेंसी गांव शाहपुर से दुराना तक मिट्?टी निकालने का कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि पहली एजेंसी ने रामगढ़ माजरा से जगाधरी रोड तक काम शुरू कर दिया है और शेष एजेंसियां भी जल्द कार्य शुरू करेंगी, जिसके लिए सैम्पलिंग हो रही है। उन्होंने बताया कि नदी तल से मिट्?टी निकालने से आने वाली बाढ़ से होने वाली बर्बादी से बचा जा सकेगा। विज ने बताया कि लगभग तीन माह में कार्य को पूरा खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है।

नदी में रिकार्ड पानी आने के बावजूद नहीं हुआ था ज्यादा नुक्सान

गौरतलब है कि नदी तल को गहरा करने के लिए ऊर्जा मंत्री अनिल विज के प्रयासों से सिंचाई विभाग द्वारा खुदाई का कार्य किया जा रहा है। इस साल बरसातों से पहले यह कार्य किया गया था और बरसातों में इसी बार टांगरी नदी में रिकार्ड 43 हजार क्यूसिक पानी आने के बावजूद आसपास बसी कालोनियों को ज्यादा नुक्सान नहीं हुआ था। अब नदी तल को आठ फुट तक और गहरा किया जा रहा है साथ ही रामपुर-सरसेहड़ी की तरफ बांध को भी पक्का किया जा रहा है जिससे आसपास क्षेत्रों में पानी से बचाव होगा। इस अवसर पर भाजपा नेता जसबीर सिंह जस्सी, भरत कोच्छड़, फकीरचंद सैनी, मदनलाल, संजीव अत्री, गुरपाल माजरा, रवि जाट, विकास चौहान व अन्य मौजूद रहे।

पानीपत रिफाइनरी में संविधान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

एजेंसी
पानीपत। पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में भारत का 76वां संविधान दिवस गरिमा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में एम. एल. डहरिया, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख ने विश्व के सबसे विस्तृत, लिखित और प्रगतिशील भारतीय संविधान की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह देश का सर्वोच्च कानून है, जो न केवल राष्ट्र के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करता है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के अधिकारों, स्वतंत्रता और समानता की रक्षा भी सुनिश्चित करता है। उन्होंने संविधान निर्माण में डॉ. भीमराव अंबेडकर के ऐतिहासिक और अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए

कहा कि बाबा साहेब की दृष्टि और विचार आज भी भारत के विकास, सामाजिक न्याय और प्रगति के पथ को दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों का पालन करना भी प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से ईमानदारी, निष्ठा, अनुशासन और समर्पण की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने संविधान के प्रति पुनः अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अंत में सभी ने संविधान के प्रति विश्ववास सच्ची निष्ठा के साथ शपथ ली।

धान घोटाले की जांच की मांग पर हाई कोर्ट में याचिका दायर करेगी किसान यूनियन : चढूनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में इस साल धान की बुआई व खरीद के बीच हुए फर्जीवाड़े पर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। किसानों ने मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर 28.80 लाख एकड़ में धान का रकबा दिखाया था, जबकि कृषि अधिकारियों ने 30.16 लाख एकड़ में धान का सत्यापन कर दिया। आरोप है कि पोर्टल पर धान के वास्तविक क्षेत्र की तुलना में 1.36 लाख एकड़ अधिक रकबा दिखाकर उत्तर प्रदेश और बिहार से चावल लाकर बड़ा घोटाला किया गया है। भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ने पांच हजार करोड़ के धान घोटाले का दावा करते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच के लिए हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल करने का ऐलान किया है। भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने पोर्टल के आंकड़े साझा करते हुए आरोप लगाया कि कृषि विभाग, मंडी बोर्ड और खरीद एजेंसियों के अधिकारियों की मिलीभगत से धान घोटाले को अंजाम दिया गया है। पोर्टल पर 7 जिलों रोहतक, भिवानी, गुरुग्राम, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, मेवात और चरखी

दादरी में 64,726 एकड़ में धान की रोपाई दिखाई गई है, जबकि इन जिलों में कोई खरीद नहीं की गई। कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह मथाना और मीडिया प्रभारी राकेश कुमार के साथ मीडिया से बात कर रहे गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि फिजिकल वेरिफिकेशन के नाम पर खानापूर्ति की जाती है। जांच के लिए उन्हीं अधिकारियों व कर्मचारियों को लगा दिया जाता है, जिन पर खुद घोटाले में शामिल होने के आरोप हैं। घोटाले की तह तक जाने के लिए धान कुटाई से पहले सीबीआइ से फिजिकल वेरिफिकेशन कराई जानी चाहिए। मंडी प्रशासन ने बिना धान आए गेट पास काट दिए और फर्जी तरीके से ही धान की खरीद दर्शाते हुए सभी दस्तावेज पूरे कर दिए। भाकियू प्रधान ने कहा कि इस बार बाढ़ के कारण धान का उत्पादन 40 लाख टन तक सिमट गया। इसके बावजूद मंडियों में कहां से 62 लाख टन धान आया, इसकी सीबीआइ जांच की जानी चाहिए। फर्जी गेट पास काटकर पूरे घोटाले को अंजाम दिया गया है।

सोनीपत में फर्जी क्लिनिक पर सीएम उड़नदस्ते का छापा,संचालक पर कार्रवाई

एजेंसी
सोनीपत। कुण्डली में प्याऊ मनिहारी स्थित फर्जी क्लिनिक पर दोपहर मुख्यमंत्री उड़न दस्ते और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने छापा मारकर कार्रवाई की। टीम को सूचना मिली थी कि यहां बिना किसी वैध अनुमति और योग्यता के क्लिनिक चलाया जा रहा है तथा बिना पंजीकरण के दवाइयों का उपयोग किया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान टीम में मौजूद अधिकारियों डॉ विनय चौधरी, डॉ रोहित कुमार (चिकित्सा अधिकारी), निरीक्षक वीरेंद्र सिंह (मुख्यमंत्री उड़न दस्ते) और औषधि निरीक्षक संदीप हूडा ने क्लिनिक संचालक श्रीकांत से सभी आवश्यक वैध कागज़ात प्रस्तुत करने को कहा। संचालक द्वारा कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए क्लिनिक में रखी अवैध दवाइयों को कब्जे में ले लिया। टीम द्वारा यह भी पाया गया कि क्लिनिक पर उपयोग में लाई जा रही दवाएं न तो पंजीकृत थी और न ही उनके भंडारण या बिक्री से संबंधित किसी प्रकार का रिकॉर्ड उपलब्ध था। औषधि निरीक्षक ने मौके पर ही दवाओं का विवरण दर्ज किया तथा उन्हें सील कर अपने कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान

कुण्डली पुलिस भी मौजूद रही और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दिया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बिना योग्यता और बिना अनुमति ऐसे क्लिनिक चलाना सीधे तौर पर लोगों की जान के लिए खतरा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना पंजीकरण क्लिनिक चलाने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ड्रेनेज व सीवरेज सुधार के सभी काम 31 मार्च 2026 तक हों पूरे: राव नरबीर सिंह

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जल निकासी से संबंधित सभी सफाई एवं मरम्मत कार्य 31 मार्च 2026 तक हर हाल में पूरे होने चाहिए, ताकि आगामी मानसून सीजन में शहर में जलभराव की समस्या न आए और सुचारू निकासी सुनिश्चित की जा सके। वे गुरुग्राम स्थित लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में अधिकारियों के साथ शहर की ड्रेनेज, सीवरेज और सफाई कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक कर रहे थे।

उद्योग मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम आर्थिक और औद्योगिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण शहर है, इसलिए बुनियादी ढांचे को समयबद्ध तरीके से मजबूत करना प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से कार्य प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग और बेहतर समन्वय बनाए रखने को कहा। समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि नरसिंहपुर प्वाइंट पर जलभराव रोकने के लिए जीएमडीए द्वारा प्रस्तावित कच्ची ड्रेन को पक्का करने की योजना तैयार कर ली गई है। लगभग 7.66 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह ड्रेन 650 मीटर लंबी और 3 मीटर

चौड़ी होगी। कार्य पूरा करने की समयसीमा 3 माह निर्धारित की गई है। इसके साथ ही एनएचएआई इस क्षेत्र में एक नई कलवर्ट का निर्माण करेगी तथा एचएसआईआईडीसी द्वारा भी एक अन्य ड्रेन बनाई जाएगी बहरामपुर से नरसिंहपुर तक ड्रेन की सफाई और कनेक्टिविटी सुधारने के निर्देश भी निगम अधिकारियों को दिए गए। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सर्फेस ड्रेनों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के भी आदेश भी दिए गए। बैठक में राजीव चौक, खांडसा चौक, हीरो होंडा चौक, सुभाष चौक, सेक्टर 22-23, सेक्टर 27-28, शीतला माता रोड, लक्ष्मण विहार-सेक्टर-7 डिवाइडिंग रोड, सुशांत लोक, एंबियंस मॉल, त्यागी वाडा, नूरपुर मोड़ समेत अन्य क्षेत्र की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इन सभी स्थानों पर सुधारात्मक कार्य प्रगति पर हैं।

गढ़ी सांपला किलोई को अपना गढ़ बताने वालों के लद गए दिन : डॉ. अरविंद शर्मा

एजेंसी
रोहतक। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि गढ़ी सांपला किलोई को अपना गढ़ बताने वालों के अब दिन लद गए हैं। आज कांग्रेस का प्रदेश में वजूद सिमटता जा रहा है। कांग्रेस ने जैसे-तैसे करके भानुमति का कुनबा तो जोड़ा, लेकिन उसमें भी आए दिन हो रही जूतम-पैजार को प्रदेश की जनता देख रही है। इससे साफ हो गया है कि कांग्रेसियों को प्रदेश से नहीं, अपने परिवार के हित से मतलब है। सहकारिता मंत्री एवं गढ़ी सांपला किलोई प्रभारी डॉ अरविंद शर्मा गांव टिटौली में कार्यकर्ता के घर पहुंचे और परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर भोजन किया। इस दौरान आसपास के गांवों के ग्रामीणों से भी संवाद करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने उनकी समस्याओं का निदान करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनहितैषी नीतियों का लाभ प्रदेश के हर गांव, हर शहर के लोगों बिना भेदभाव मिल रहा है, जिसकी बदौलत प्रदेश में भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 24 घण्टे सन्त कबीर कुटीर आवास के दरवाजे प्रत्येक हरियाणवीं की तकलीफ दूर करने के लिए खोले और बीते एक साल के अंदर विधानसभा चुनाव में किए गए संकल्पों में 48 संकल्पों को पूरा करके अपने जनसमर्पित इरादों को जाहिर कर दिया। आज गढ़ी सांपला किलोई हलके की जनता भाजपा की केंद्र-प्रदेश सरकार की योजनाओं से न केवल संतुष्ट है, अपितु हर गरीब, वंचित, जरूरतमंद को सामाजिक व आर्थिक संरक्षण से उनका भरोसा भाजपा पर बढ़ा है। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि अब गढ़ी सांपला किलोई हलके को अपना गढ़ बताने वालों के दिन लद गए हैं। उन्होंने कहा कि किसान, युवाओ, महिलाओं और पिछडा वर्ग की भलाई का दम्भ भरने वालों ने हमेशा अपना राजनीतिक उल्लू सीधा किया है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के 90 विधानसभाओं में समान भाव से विकास किया जा रहा है।

मायटीवीएस अफ्रीका और यूरोप के बाजारों में वाणिज्यिक पेशकश पर कर रही विचार

2027 तक 2500 मल्टी-ब्रांड सेवा नेटवर्क बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

नई दिल्ली टीवीएस मोबिलिटी समूह की इकाई मल्टी-ब्रांड आफ्टरमार्केट चेन मायटीवीएस ने कहा है कि वह अपने वैश्विक विस्तार के हिस्से के रूप में अफ्रीका और यूरोप जैसे बाजारों में वाणिज्यिक पेशकश पर विचार कर रही है। मायटीवीएस ने 2027 तक 2,500 मल्टी-ब्रांड सेवा नेटवर्क बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। फिलहाल इसकी संख्या 1200 है। कंपनी यह कवायद तब कर रही है जब उसने 5.2 करोड़ कार सेवा सदस्यता में से 1 करोड़ सक्रिय सेवा सदस्यता हासिल की है। विदेशी योजना कंपनी द्वारा नवंबर की शुरुआत में ट्रांसग्राई समूह के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद आई है, जिसका उद्देश्य संयुक्त अरब अमीरात में वाहन, विमानन और आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्रों को बदलना है। मायटीवीएस के प्रबंध निदेशक ने कहा कि हम जल्द ही अफ्रीका और यूरोप में वाणिज्यिक परिचालन शुरू करेंगे। हमारे लिए अफ्रीका और पश्चिम एशिया फोकस बाजार हैं। कुल मल्टी-ब्रांड सेवा नेटवर्क में से यह पहले से ही केंद्रों के एक बड़े हिस्से में इलेक्ट्रिक सेवाएं प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने सर्विस बाजार में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हमारे पास एक करोड़ सक्रिय सेवा सबस्क्रिप्शन हैं।

एस इंटरनैशनल ने जुटाए 305 करोड़ रुपए, वैश्विक निवेशक में मची होड़

कंपनी के चेयरमैन बोले- हम इस सपने को वैश्विक स्तर पर ले जाने को तैयार

नई दिल्ली खाद्य और पोषण सामग्री क्षेत्र की कंपनी एस इंटरनैशनल लिमिटेड ने डच उद्यमिता विकास बैंक- एफएमओ, स्विट्जरलैंड की निवेश कंपनी- रिस्पॉन्सएबिलिटी, बेल्जियम की निवेश कंपनी- इनकोफिन और फिडलिन वेंचर्स से 305 करोड़ रुपए की रकम जुटाई है। इस पूंजी से आंध्रप्रदेश के कप्पम में नई एकीकृत डेरी सामग्री और पोषण इकाई और परिसर बनाने में मदद मिलेगी। एस इंटरनैशनल के संस्थापक और चेयरमैन संजीव गोयल ने कहा कि यह साझेदारी रकम जुटाने की तुलना से कहीं ज्यादा है, यह उद्देश्य को आगे बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि हमने एक विश्वास के साथ एस को बनाया है कि खाद्य प्रौद्योगिकी में नवाचार से सभी के लिए बेहतर कारोबारी परिणाम और पोषण दोनों को ही बढ़ावा मिले। इस निवेश के साथ हम इस सपने को वैश्विक स्तर पर ले जाने को तैयार हैं। कप्पम की यह इकाई एशिया में पहली बार शुरू की जा रही डेरी पोषण क्षेत्र की अति आधुनिक प्रोसेसिंग तकनीक से सबसे आगे रहेगी। यह आधुनिक विनिर्माण इकाई दुनिया भर में ऐसी कुछ इकाइयों में से एक होगी। यह विशेष रूप से तैयार बेहतर प्रदर्शन करने वाली ऐसी पोषण सामग्री बनाने में सक्षम होगी, जो वैश्विक खाद्य और पोषण ब्रांडों की बदलती जरूरतों को पूरा करेगी। वर्टिकली इंटीग्रेटेड टॉय-टेक स्टार्टअप कंपनी मिराना टॉयज ने एक्सेल, इन्फो एज और रिवरवॉक होल्डिंग्स की भागीदारी के साथ आर्कम वेंचर्स की अगुआई में 57.5 करोड़ रुपए जुटाए हैं। यह रकम सीरीज ए दौर में जुटाई गई। इस रकम का इस्तेमाल नई फैक्टरी बनाने में किया जाएगा, जिसमें इंजेक्शन-मोल्डिंग और डाई-कास्टिंग मशीनें लगाने के साथ-साथ इन-हाउस पैकेजिंग लाइनों की स्थापना शामिल है। इन पहल से कंपनी को देसी और निर्यात की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए मासिक उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। मिराना अंतरराष्ट्रीय वृद्धि तेज करने के लिए अपनी डिजाइन और बिक्री टीमों के विस्तार की भी योजना बना रही है। चूंकि वैश्विक खुदरा बाजार चीन-प्लस-वन रणनीति के तहत आपूर्ति श्रृंखला में विविधता ला रहे हैं, इसलिए भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र रूप में तेजी से उभर रहा है।

तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में तूफानी तेजी, 7 फीसदी उछलकर 515 पर पहुंचा

एयरटेल ने पिछले दिनों सिग्नल उपकरणों की गुणवत्ता पर उठाए थे सवाल

नई दिल्ली

टाटा ग्रुप कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में तूफानी तेजी आई। तेजस नेटवर्क्स के शेयर गुरुवार को 500 रुपए के ऊपर पहुंचे गए। कंपनी के शेयर गुरुवार को बीएसई में 7 फीसदी से ज्यादा उछलकर 515 रुपए पर पहुंच गए। तेजस नेटवर्क्स के शेयर पिछले कुछ महीनों से दबाव में हैं। कंपनी के शेयर मंगलवार को 52 हफ्ते के निचले स्तर 474.50 रुपए पर थे।

52 हफ्ते के उच्चतम स्तर से तेजस नेटवर्क्स के शेयर 66 फीसदी से ज्यादा टूट गए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक टेलिकॉम कंपनी एयरटेल ने पिछले दिनों तेजस नेटवर्क्स के सिग्नल उपकरणों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। तेजस नेटवर्क्स ने इसके जवाब में कहा कि उसके टेलिकॉम उपकरण इंडस्ट्री के जरूरी क्वॉलिटी स्टैंडर्ड्स को पूरा करते हैं। तेजस नेटवर्क्स ने कहा है कि चूंकि, हमारे उपकरण सभी राज्यों की 100,000 साइट्स पर

दूसरे ऑपरेटर्स के इक्विपमेंट के साथ मौजूद हैं और वहां कोई व्यवधान से जुड़े मामले नहीं हैं। ऐसे में केवल एक राज्य में एक बैंड पर यह खराब गुणवत्ता वाले नहीं हो सकते हैं।

हरियाणा में बिका सबसे महंगा वीआईपी नंबर, 1.17 करोड़ की लगी बोली

चंडीगढ़ वीआईपी नंबर प्लेटों की ऑनलाइन नीलामी में रिकॉर्ड टूट गया। यह रिकॉर्ड हरियाणा में टूटा है। फैंसी नंबर एचआर88बी8888 ने बोली के दौरान 1.17 करोड़ रुपए का आंकड़ा छू लिया। यह अब तक का देश का सबसे महंगा नंबर है। ये नंबर चरखी दादरी के बाढ़ड़ा का है। इस नंबर के लिए कुल 45 लोगों ने आवेदन किया था। बोली खत्म होते-होते शाम हो गई और कीमत 1.17 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो अब तक का सबसे महंगा वाहन नंबर बन गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 4500 रुपए में वीआईपी नंबर के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होता है, जिसमें अलग-अलग लोग अलग-अलग नंबर के लिए ऑनलाइन बोली लगाते हैं और इसके लिए पांच दिन का समय होता है। दिन के अंदर नंबर ब्लॉक करना होता है और बोली लगाई हुई फीस कटवानी होती है। अगर फीस नहीं कटवाते तो 4500 रुपए ब्लॉक हो जाते हैं। वह रिफंड नहीं होते और वह बोली से बाहर हो जाता है।

विशाखापत्तनम में बनेगा एआई सक्षम 1 गीगावॉट कर आधुनिक डेटा सेंटर

2030 तक पांच साल की अवधि में करीब 11 अरब डॉलर का निवेश होगा

नई दिल्ली ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम- डिजिटल कनेक्शन ने गुरुवार को आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में एआई सक्षम 1 गीगावॉट वाला अति आधुनिक डेटा सेंटर बनाने की घोषणा की। इस पर 2030 तक पांच साल की अवधि में करीब 11 अरब डॉलर का निवेश होगा। इससे ठीक एक महीने पहले गूगल ने विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर के निवेश से वैश्विक स्तर का एआई संचालित डेटा सेंटर बनाने की योजनाओं के बारे में बताया था। गूगल का अमेरिका के बाहर यह अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह डेटा सेंटर 400 एकड़ भू-क्षेत्र पर फैला होगा। 14 नवंबर को रिलायंस ने घोषणा की थी कि वह पूरी तरह से मॉड्यूलर, भविष्य के लिहाज से तैयार 1 गीगावॉट का एआई डेटा सेंटर बनाएगी और यह दुनिया के सबसे आधुनिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू), टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (टीपीयू) और एआई प्रोसेसर को होस्ट करने के लिहाज से बनाया जाएगा। इस समझौते पर विशाखापत्तनम में सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 के पहले दिन सीएम चंद्रबाबू नायडू, आईटी और उद्योग मंत्री नारा लोकेश तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक पीएमएस प्रसाद की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए थे। कंपनी के मुताबिक उसके डेटा सेंटर एआई वर्कलोड की निरंतर मदद के लिए बनाए गए हैं, जो हाइपरस्केलर और उद्यमों को भविष्य के लिहाज से तैयार सिस्टम, दमदार सबस्टेशन, प्रचुर बिजली और रैक डेंसिटी के साथ अगले दशक के नवाचारों को संचालित करने में मदद करेंगे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 110 अंक ऊपर आया, निफ्टी 26,215 पर पहुंचा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल एशियाई और अन्य बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 110.87 अंक करीब 0.13 फीसदी बढ़कर 85,720.38 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान ये 86,055.86 का नये शीर्ष स्तर पर पहुंचा था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 10.25 अंक की हल्की बढ़त के साथ 26,215.55 पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के दौरान यह अपने पुराने शीर्ष स्तर 26,277 को तोड़कर 26,310.45 के नये उच्च स्तर पर पहुंचा। आज निफ्टी बैंक भी 59,866.60 के नये उच्च स्तर पर पहुंचा। यह कारोबार के अंत में 209.25 अंक करीब 0.35 फीसदी की तेजी के साथ 59,737.30 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, एचयूएल, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, एलएंडटी, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, सन फार्मा और एनटीपीसी गेनर्स थे। मारुति सुजुकी, इटरनल (जोमैटो), अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, टाटा स्टील, टीसीएस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, बीईएल, एक्सिस बैंक और एमएंडएम के शेयर गिरे।

वहीं लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 51 अंक की हल्की तेजी के साथ 61,113 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 95 अंक फिसलकर 17,876 पर बंद हुआ। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा, कमोडिटीज, कंजम्पशन और पीएसई बढ़त पर बंद हुए। वहीं, प्राइवेट बैंक, आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी औ सर्विसेज के शेयर नीचे आये।

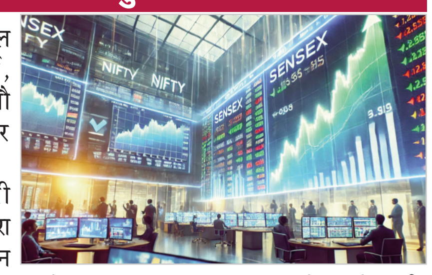

आज कारोबारी सत्र उतार-चढ़ाव भरा रहा। दिन के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी ने नया उच्चतम स्तर बनाया पर इसके बाद बाजार नीचे आने लगा।

वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त पर हुथी। शुरुआती कारोबार में वित्तीय सेवा, धातु और वाहन क्षेत्र में खरीदारी दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स 268.37 अंक उछलकर 85,877.88 स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 72.40 अंक बढ़कर 26,277.70 स्तर पर था। निफ्टी बैंक 213.85 अंक करीब 0.36 फीसदी की बढ़त के साथ 59,741.90 स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 119.55 अंक ऊपर आकर 61,181.25 स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.90 अंक या 0.16 फीसदी की तेजी के साथ 17,999.75 स्तर पर था। एशियाई बाजारों में भी तेजी देखी गई, खासकर जापान का निकेटी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी ऊपर आकर खुले। एसएंडपी 500 0.69 फीसदी और तकनीकी शेयरों वाला नैस्डैक 0.82 फीसदी बढ़ा। बाजार में यह बढ़त ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से प्रेरित रही। विदेशी मुद्रा बाजार में भी बढ़त रही है।

2026 के आखिर तक 30,000 पर पहुंचेगा निफ्टी

इक्विटी बाजार के लिए मजबूत सहारा साबित होगी

नई दिल्ली

ग्लोबल निवेश बैंकिंग दिग्गज जेपी मॉर्गन ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर अपना रुख और मजबूत कर दिया है। कंपनी ने भारत के बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स का बेस-केस लक्ष्य बढ़ाकर 2026 के आखिर तक 30,000 कर दिया है। हाल की रिपोर्ट में जेपी मॉर्गन ने कहा कि स्थिर राजकोषीय और मौद्रिक नीति, घरेलू मांग में मजबूती और बेहतर होते आर्थिक संकेतक भारतीय इक्विटी बाजार के लिए मजबूत सहारा साबित होंगी।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीद और विदेशी पूंजी प्रवाह से अनुकूल वैश्विक रुझानों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को अपने-अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 416.67 अंक उछलकर 86,026.18 अंक के नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 27 सितंबर 2024 को यह 85,978.25 अंक पर पहुंचा था। एनएसई निफ्टी 101.65 अंक की बढ़त के साथ 26,306.95 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी ने इससे पहले 27 सितंबर 2024 को कारोबार में 26,277 अंक के उच्च स्तर

को छुआ था। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा फायदे में रहे।

सर्दी परिधानों के खुदरा विक्रेता को तीसरी तिमाही में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली परिधानों के खुदरा विक्रेता चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद की जा रही हैं क्योंकि सर्दियों के कपड़ों की बिक्री बढ़ने लगी है। परिधान ब्रांड ग्लोबल रिपब्लिक के सह-संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी ने हाल में रिटेल इंडिया समिट ऐंड एक्सपो (राइज) के मौके कहा कि इस साल मनोबल काफी ज्यादा है क्योंकि सर्दी पहले आ गई। यह सीजन ज्यादा जोरदार होने की उम्मीद है। इसलिए आने वाले महीने में मांग बढ़ने की उम्मीद है। हमें दो अंकों की वृद्धि हासिल होने की काफी उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक 27 नवंबर से 3 दिसंबर के बीच देश के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहने के आसार हैं, पूर्वोत्तर भारत और पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को छोड़कर, जहां इस सप्ताह तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहने की संभावना है। इसका मतलब यह है कि परिधानों के खुदरा विक्रेताओं के लिए नवंबर से जनवरी का समय पिछले साल की तुलना में ज्यादा जोरदार रहेगा। लैकोस्टे इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी ने कहा कि इस साल मौसम ने हमें अच्छे सीजन की उम्मीद जगाई है। कड़ी ठंड पड़ने वाली है और हम नवंबर से दो अंकों की अच्छी वृद्धि की उम्मीद की जा रही है।

अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर मचा रहे धमाल.......लगातार दूसरे दिन 5 प्रतिशत का उछाल

मुंबई

अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में लगातार धमाल मचा रहे है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर दूसरे दिन गुरुवार को बीएसई में 5 प्रतिशत उछलकर 166.95 रुपये पर पहुंचे है। कंपनी के शेयर बुधवार को भी 5 प्रतिशत के अपर सर्किट के साथ 159 रुपये पर बंद हुए थे। इससे पहले, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर लगातार 6 दिन लुढ़के हैं। कंपनी के शेयर मंगलवार 25 नवंबर को 52 हफ्ते के नए निचले स्तर 149.85 रुपये पर जा पहुंचे थे। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 425 रुपये है।

अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर बीते 6 माह में 45 प्रतिशत से अधिक टूट गए है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 27 मई 2025 को 306.85 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 27 नवंबर 2025 को 166.95 रुपये पर जा पहुंचे हैं। बीते एक महीने में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में 25 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दिखाई दी है। वहीं, इस साल अब तक अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर 47 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई से 60 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए हैं। वहीं रिलायंस पावर के शेयरों में भी

लगातार दूसरे दिन तेजी रही है। रिलायंस पावर के शेयर गुरुवार को 3 प्रतिशत की तेजी के साथ 40.79 रुपये पर जा पहुंचे हैं। रिलायंस पावर के शेयर बुधवार को 5 प्रतिशत से अधिक के उछाल के साथ बीएसई में 39.47 रुपये पर बंद हुए थे। अनिल अंबानी की पावर कंपनी के शेयर पिछले छह महीने में 20 प्रतिशत से अधिक टूट गए हैं। बीते एक महीने में कंपनी के शेयरों में करीब 9 प्रतिशत की गिरावट आई है। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 76.49 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 31.30 रुपये है।

आईएमएफ ने रुपए की विनिमय दर व्यवस्था के लिए 'फ्लोटिंग' लेबल फिर किया तय

रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा में कम हस्तक्षेप का दिया हवाला

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने रुपए की विनिमय दर व्यवस्था के लिए 'फ्लोटिंग' लेबल को फिर से तय किया है। इसको लेकर समय में रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा में कम हस्तक्षेप का हवाला दिया है। 2023 में आईएमएफ ने फ्लोटिंग तमगे को हटा दिया था और भारत की वास्तविक विनिमय दर नीति को 'स्थिर व्यवस्था' बताया था जिससे संकेत मिलता है कि केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में बहुत ज्यादा और बार-बार हस्तक्षेप कर रहा था।

आईएमएफ द्वारा अपने बोर्ड को प्रस्तुत 'भारत पर 2025 की स्टाफ रिपोर्ट' में कहा गया है कि रुपये की विनिमय दर अंतरबैंक बाजार में तय की जाती है जहां आरबीआई अक्सर हस्तक्षेप करता है। आरबीआई अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करता है। भारत की विनिमय दर व्यवस्था फ्लोटिंग है और इसकी वास्तविक विनिमय दर व्यवस्था को क्रॉल जैसी व्यवस्था के रूप में वर्गीकृत किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में आईएमएफ के मुताबिक क्रॉल-जैसी व्यवस्था का तात्पर्य किसी देश और उसके व्यापारिक भागीदारों के बीच मुद्रास्फीति के अंतर को दर्शाने के लिए मुद्रा में छोटे, क्रमिक समायोजन से है। स्थिर व्यवस्था एक ऐसी प्रणाली को संदर्भित करती है जहां केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप के जरिए किसी मुद्रा की हाजिर बाजार दर को लंबी अवधि, आम तौर पर छह महीने या उससे ज्यादा के लिए एक संकुचित दायरे में रखा जाता है।

2026 में समग्र विज्ञापन उद्योग में होगी मामूली बढ़ोतरी

नई दिल्ली

। इस साल की पहली छमाही में धीमी वृद्धि और फीके वाले खेलों पर बैन के बाद उद्योग के अधिकारियों को लगता है कि 2026 में समग्र विज्ञापन उद्योग में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। यह एक अंक में सीमित होगी और इसे डिजिटल श्रेणी से बल मिलेगा। हालांकि डिजिटल श्रेणी के दो अंकों में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है क्योंकि इसका योगदान बढ़ रहा है और अब कुल विज्ञापन खर्च में करीब आधा योगदान देता है।

मीडिया रिपोर्ट में उद्योग के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह तब हो रहा है जब देश में 45 फीसदी कॉरपोरेट फर्म विज्ञापन के लिए डिजिटल को प्राथमिकता देती हैं। इस साल फरवरी में डेंत्सु ईएम डिजिटल रिपोर्ट 2025 के मुताबिक भारत के विज्ञापन उद्योग को 2025 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया था। इस साल के आखिर तक 1.1 लाख रुपए के बाजार आकार तक पहुंचने की उम्मीद थी और इसका प्रमुख नेतृत्व डिजिटल श्रेणी द्वारा किए जाने की बात कही गई थी।

हवास की कंपनी पाइवट रूट्स के संस्थापक और मुख्य कार्य अधिकारी शिबू शिवानंदन ने कहा कि कुल विज्ञापन खर्च में करीब

46 फीसदी हिस्सेदारी डिजिटल श्रेणी के होने की उम्मीद है और अनुमान जताया है कि यह 12 से 14 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है।

हवास प्ले के सीओओ ने बताया कि 2025 में अधिकांश वृद्धि डिजिटल-प्रथम श्रेणियों जैसे वित्तीय प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स और सीधे उपभोक्ता आधारित रोजमर्रा के सामान वाले ब्रांडों में देखी जाएगी। अगले साल लीनियर टीवी, ओओएच, रेडियो, प्रिंट जैसे पारंपरिक श्रेणियों के निम्न से मध्य एक अंकों में बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा, टीवी और आउटडोर विज्ञापन श्रेणी उच्च-प्रभाव वाले कार्यक्रमों और क्षेत्रीय पहुंच से लाभान्वित होते रहेंगी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि 2026 में इस साल के मुकाबले में थोड़ा बेहतर होगा, जिसका नेतृत्व ज्यादा आत्मविश्वासपूर्ण उपभोग वातावरण और सामग्री, खेल और डिजिटल पारिस्थितिकी प्रणालियों में बढ़े हुए ब्रांड खेल द्वारा किया जाएगा।

यह साल उद्योग के लिए मध्य-एक अंकों की वृद्धि के साथ समाप्त होगा।

30 नवंबर तक ये जरुरी काम कर लें.....केंद्र सरकार के वे कर्मचारी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार के वे कर्मचारी जो नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) से यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) में स्विच होना चाहते हैं, उन्हें 30 नवंबर तक अपना विकल्प चुनना जरूरी है। अंतिम तारीख अब कुछ ही दिनों में आने वाली है, इसकारण वित्त मंत्रालय ने सभी पात्र कर्मचारियों और सेवानिवृत्त लोगों से निर्धारित समय सीमा से पहले आवेदन दाखिल करने की अपील की है। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जो भी कर्मचारी या पेंशनर यूपीएस के तहत मिलने वाले लाभ पाना चाहते हैं, वे 30 नवंबर 2025 से पहले अपना अनुरोध अवश्य जमा करें। यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम, जिसे जनवरी 2025 में अधिसूचित किया था, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एनपीएस का एक नया विकल्प है। इस 1 अप्रैल 2025 से लागू किया गया है। यूपीएस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह महंगाई से जुड़ी हुई गारंटीड पेंशन प्रदान करता है। यह एक कॉन्ट्रिब्यूटरी स्कीम है, जिसमें कर्मचारी को अपने बेसिक पे + डीए का 10 प्रतिशत योगदान देना होगा, जबकि नियोक्ता यानी केंद्र सरकार 18.5 प्रतिशत योगदान देगी। यह व्यवस्था एनपीएस की तुलना में अधिक स्थिर और पूर्वानुमेय पेंशन का वादा करती है। क्या यूपीएस, एनपीएस का हिस्सा है?

हां। यूपीएस पूरी तरह नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के ढांचे के भीतर संचालित होने वाली स्कीम है। इसे पीएफआरडीए द्वारा विनियमित किया जाता है और यह सेवा में मौजूद तथा कुछ शर्तों को पूरा करने वाले सेवानिवृत्त दोनों के लिए उपलब्ध है। यूपीएस के तहत कर्मचारियों को अंतिम 12 महीनों के औसत बेसिक पे का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलता है, बशर्ते कर्मचारी ने कम से कम 25 वर्ष की सेवा पूरी की हो।

2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में विश्व का स्वागत करने को तैयार भारत का नया युग

कांतिलाल मांडोत

कॉमनवेल्थ मूवमेंट के अगले सौ वर्षों की नींव 2030 के इस आयोजन से शुरू होगी। यह केवल खेलों का मंच नहीं, बल्कि एकता, मित्रता, सम्मान, शांति और प्रगति का वैश्विक संदेश है। दुनिया भर के खिलाड़ी, समुदाय और संस्कृतियाँ एक मंच पर आएंगी और यह आयोजन बताएगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने, समाजों को प्रेरित करने और मानवता को आगे बढ़ाने का माध्यम भी है। भारत, अपनी युवा ऊर्जा और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ, इस आंदोलन को नई दिशा देने के लिए तैयार है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद को मिलना न केवल भारत के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि विकसित भारत की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम भी है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली की बैठक के अंत में यह घोषणा आधिकारिक रूप से मुहरबंद हुई, और 26 नवम्बर 2025 को अंतिम सहमति बनने के साथ ही भारत ने विश्व खेल मंच पर एक नया मील का पत्थर स्थापित कर दिया। यह अवसर केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि भारत की युवा ऊर्जा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक विकास मॉडल और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का सामूहिक प्रदर्शन भी होगा।

अहमदाबाद, जिसे भारत के सबसे प्रगति?शील और योजनाबद्ध शहरों में गिना जाता है, अब विश्व खेल संस्कृति का केंद्र बनने जा रहा है। 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स, कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी होंगे। इस तरह यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अगले सौ वर्षों की नींव रखने वाला ऐतिहासिक क्षण बन जाएगा। भारत के लिए यह जिम्मेदारी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ऐसे समय में विश्व मंच पर उभर रही शक्ति के रूप में पहचान बना चुका है।आर्थिक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत, तकनीकी नवाचार और खेल प्रतिभा आदि सबका संगम इस आयोजन में उजागर होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का अहमदाबाद में होना शहर और राज्य दोनों के विकास की कहानी को एक नई धार देगा। सबसे पहले, शहरी विकास को लेकर अहमदाबाद में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिलेंगे। आधुनिक खेल अधोसंरचना, विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक परिवहन सुविधाएँ, खिलाड़ियों और पर्यटकों के लिए विशेष आवास व्यवस्था, पर्यावरण-अनुकूल शहरी मॉडल और डिजिटल स्मार्ट व्यवस्थाएँ सब मिलकर अहमदाबाद को एक ग्लोबल स्पोर्ट्स सिटी में बदल देंगी। यह विकास केवल खेलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर के रोजमर्रा के जीवन में स्थायी बदलाव लाएगा। नई सड़कें, नए कनेक्टिविटी कॉरिडोर, सुरक्षित ट्रैफिक सिस्टम, हरित क्षेत्र और शहरी सौंदर्यीकरण की योजनाएँ शहर को अगले स्तर पर ले जाएँगी।

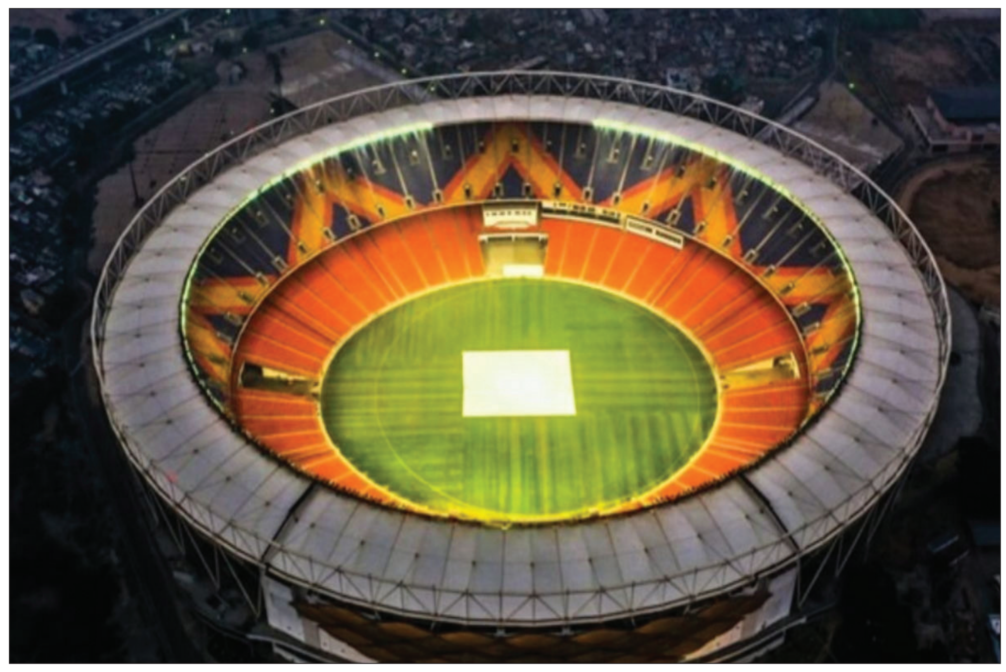

रोजगार के लिहाज से यह आयोजन युवाओं के लिए अवसरों की एक नई दुनिया खोलेगा। निर्माण क्षेत्र, होटल उद्योग, पर्यटन, परिवहन, तकनीकी सेवाएँ, सुरक्षा, स्वास्थ्य, मीडिया, इवेंट मैनेजमेंट और खेल प्रशिक्षण हर क्षेत्र में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह आयोजन गुजरात के युवा कौशल और उद्यमिता को अंतरराष्ट्रीय मंच देगा, जिससे राज्य का आर्थिक परिदृश्य और मजबूत होगा। भारतीय खेल उद्योग, जो पहले से ही तेजी से उभर रहा है, इस आयोजन के माध्यम से और भी सशक्त होगा।

पर्यटन में वृद्धि कॉमनवेल्थ गेम्स का सबसे बड़ा प्रभावों में से एक होगा। दुनिया भर से लाखों पर्यटक, खिलाड़ी, अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और खेल प्रेमी अहमदाबाद का रुख करेंगे। इसके साथ ही, गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरास जैसे साबरमती आश्रम, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, कच्छ रण, मोढेरा सूर्य मंदिर, दांडी, पाटन की रानी की वाव, द्वारका और सौराष्ट्र का तटीय सौंदर्य-वैश्विक स्तर पर नई पहचान पाएंगे। यह आयोजन केवल अहमदाबाद ही नहीं, पूरे गुजरात को विश्व पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाएगा। कला, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यंजन, लोकनृत्य और सांस्कृतिक उत्सवों को भी इस अवसर पर वैश्विक मंच मिलेगा।

भारतीय संस्कृति और सभ्यता को प्रोत्साहन देने के लिए भी 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स ऐतिहासिक सिद्ध होंगे। भारत की अतिथि देवो भवकी परंपरा दुनिया के सामने बड़े पैमाने पर प्रदर्शित होगी। उद्घाटन और समापन समारोहों में भारत की समृद्ध विरासत, आधुनिक आकांक्षाएँ और विविधता की भावना का संगम दिखेगा। दुनिया भारत को केवल एक खेल राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सभ्यता और मानवीय मूल्यों के केंद्र के रूप में देखेगी। कॉमनवेल्थ के 72 देशों की मित्रता, सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का उत्सव अहमदाबाद में साकार होगा।

केंद्र सरकार, राज्य सरकार और कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सामूहिक भूमिका इस आयोजन की सफलता की कुंजी होगी। केंद्र सरकार का विकसित भारत 2047 का संकल्प वैश्विक आयोजनों के माध्यम से मजबूत हो रहा है। राज्य सरकार की सक्रियता और सुशासन मॉडल इस आयोजन के लिए आधार तैयार करेंगे, जबकि कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया खेल आयोजन की तकनीकी, संचालनात्मक और अंतरराष्ट्रीय मानकों की जिम्मेदारी निभाएगी। यह त्रिकोणिक समन्वय भारत की हासिल की जा चुकी प्रतिष्ठा और भविष्य की संभावनाओं को और विस्तृत करेगा।

कॉमनवेल्थ मूवमेंट के अगले सौ वर्षों की नींव 2030 के इस आयोजन से शुरू होगी। यह केवल खेलों का मंच नहीं, बल्कि एकता, मित्रता, सम्मान, शांति और प्रगति का वैश्विक संदेश है। दुनिया भर के खिलाड़ी, समुदाय और संस्कृतियाँ एक मंच पर आएंगी और यह आयोजन बताएगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने, समाजों को प्रेरित करने और मानवता को आगे बढ़ाने का माध्यम भी है। भारत, अपनी युवा ऊर्जा और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ, इस आंदोलन को नई दिशा देने के लिए तैयार है।

2030 का अहमदाबाद ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और जुनून से भरा शहर दिखाई देगा।दुनिया का स्वागत करेगा। यह आयोजन भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और वैश्विक भूमिका को स्थापित करेगा। यह साबित करेगा कि भारत केवल भविष्य की शक्ति नहीं, बल्कि वर्तमान का नेतृत्वकर्ता देश भी है। गुजरात और भारत के लिए यह सदी का अवसर है।जहाँ अतीत की गौरवशाली परंपराएँ, वर्तमान की चुनौतियाँ और भविष्य के सुनहरे सपने एक साथ मिलकर नया इतिहास रचेंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030, इसीलिए, केवल खेलों का आयोजन नहीं बल्कि Sbse के विकसित होने की कहानी का सबसे उज्ज्वल अध्याय बनने जा रहा है।

संपादकीय

गवई गए, सूर्य कांत आए!

भूषण गवई सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। मुख्य न्यायाधीश के रूप में गवई से जनता को बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की तरह ये भी बड़ी-बड़ी बातें करते हुए रिटायर हो गए। मुख्य न्यायाधीश गवई ने इस दौरान संविधान पर भाषण दिए। अपने एक भाषण में उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कहते थे, 'न्यायपालिका स्वतंत्र होनी चाहिए। पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश में जो हुआ, वह सबने देखा है। भारत के भीतर और बाहर कुछ समस्याएं होने के बावजूद, देश अखंड है। यह संविधान की देन है।' हालांकि, गवई की कही हर बात सही है, लेकिन आज हमारे देश में क्या स्थिति है? संविधान पर भाषण देना आसान है। क्या देश वास्तव में संविधान के अनुसार चलाया जा रहा है? आज भारतीय न्यायपालिका पर सरकारी दबाव है और उसी के अनुसार, संविधान को ताक पर रखकर सरकार द्वारा अपनी इच्छानुसार निर्णय लिए जा रहे हैं, यह एक ऐसा तथ्य है जिससे गवई इनकार नहीं कर सकते। भारत के लोकतंत्र पर कई तरह से हमले हो रहे हैं, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए क्या किया है? एक ईमानदार, गंभीर, सक्षम और निडर न्यायाधीश ही लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार होता है। यह आधार ही आज ढह गया है। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने स्वयं स्वीकार किया था कि महाराष्ट्र में एक असंवैधानिक, अवैध सरकार स्थापित की गई थी। चंद्रचूड़ ने स्वयं कहा था कि दलबदल विरोधी अधिनियम की धारा 10 का उल्लंघन हुआ था, लेकिन उन्होंने दलबदल करनेवालों को दंडित नहीं किया। चंद्रचूड़ ने भी अपनी राय व्यक्त की थी कि राज्यपाल का व्यवहार गलत था, लेकिन इससे क्या फायदा हुआ? शिवसेना का चुनाव चिह्न और पार्टी एक अवैध गुट को सौंपने का चुनाव आयोग का पैष्ठसला मूर्खतापूर्ण ही है और शिवसेना इसके खिलाफ संविधान के तहत न्याय पाने के लिए तीन साल से सुप्रीम कोर्ट में खड़ी है, लेकिन चंद्रचूड़ से लेकर गवई तक सिर्फ तारीखों का खेल चलता रहा। इसे

सरकारी दबाव- नहीं तो और क्या कह सकते हैं? अब जस्टिस गवई की जगह जस्टिस सूर्यकांत की नियुक्ति हो गई है। राव गए और पंत के आने से न्यायपालिका पर क्या असर पड़ेगा? ये मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत महोदय ही शिवसेना पार्टी और चुनाव चिह्न के मालिकाना हक के मुद्दे पर सुनवाई बार-बार टालते रहे और अब उन्होंने इसे जनवरी के अंत तक टाल दिया है। एक तरफ संविधान की रक्षा की बात करना और दूसरी तरफ इसके खिलाफ काम करना। अमित शाह के दबाव में चुनाव आयोग ने शिवसेना और चुनाव चिह्न शिंदे गुट को दे दिया और फिर सुप्रीम कोर्ट पर सरकार का दबाव है कि वह इस मामले में शिवसेना को न्याय न दे और तारीखों का खेल जारी रखे। प्रधानमंत्री जस्टिस चंद्रचूड़ के घर भगवान की पूजा करने जाते हैं और उनकी आरती उतारी जाती है। जस्टिस गवई ने भाषण तो खूब दिए, लेकिन उनमें डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जैसी निर्भीकता नहीं दिखी। सरकार ने कई राजनीतिक कार्यकताओं को सालों तक जेल में ठूंस रखा। अदालत पर दबाव डाला गया कि सजा पूरी होने के बाद भी उन्हें जमानत न दी जाए। भाजपा और संघ परिवार के लोगों को सीधे उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्त किया गया।

चिंतन-मनन

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी।

साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली मिलावट से कैसे मिले छुटकारा

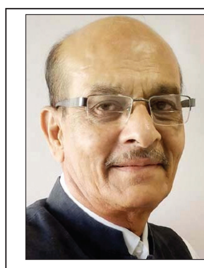

सनत जैन

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से परिपूर्ण देश में भोजन महज पोषण का स्रोत नहीं, बल्कि संस्कृति और परंपरा का आधार भी है। यहां खास तरह के खान-पान लोगों की पहचान भी होती हैं, जो कि आस्था से भी जुड़ जाते हैं। बावजूद इसके आज इस मजबूत आधार को लगातार नुक्सान पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। यह कहते हुए अफसोस होता है कि आज खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर और भयावह महामारी का रूप ले चुकी है। दूध, मसाले, मिठाइयाँ, तेल और यहां तक कि रोजमर्रा के उपयोग में आने वाली सामान्य वस्तुएँ भी मिलावट से मुक्त नहीं रहीं। दुर्भाग्य की बात यह है कि अब भुना हुआ चना, जो सदियों से पौष्टिक और सस्ता स्नैक माना जाता रहा है भी इस जहरीले खेल का शिकार हो गया है। हाल ही में यह तथ्य सामने आया है, कि बाजार में बिकने वाले चमकीले पीले भुने हुए चनों में औरामाइन नामक घातक इंडस्ट्रियल केमिकल की मिलावट की जा रही है। यह खुलासा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि हमारे खाद्य सुरक्षा ढांचे की कमजोरियों को भी उजागर करता है। दरअसल औरामाइन वह रसायन है जिसका प्रयोग कपड़ा, चमड़ा और कागज जैसे उद्योगों में किया जाता है, पर खाद्य पदार्थों में इसका उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर रिसर्च एजेंसी (आईएआरसी) इसे संभावित कार्सिनोजन के रूप में वर्गीकृत कर चुकी है। लगातार सेवन करने पर यह लिवर, किडनी और ब्लैडर में कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ा देता है, साथ ही नर्वस सिस्टम और अन्य अंगों पर भी गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि मिलावट करने वाले इसका इस्तेमाल चने को आकर्षक दिखाने एवं मुनाफाखोरी के लिए कर रहे हैं। इसमें दो-राय नहीं कि चने का चमकीला रंग और कुरकुरेपन का अहसास उपभोक्ताओं को लुभाता है। वे नहीं जानते कि वो खाने के लिए क्या ले जा रहे हैं, अनजाने में जहर को खाद्य पदार्थ समझकर खुद भी खाते हैं और औरों को भी परोसते हैं। चने में हो रही मिलावट को सिद्ध करने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाया गया है, कि गर्म पानी में चने डालते ही पानी पूरी तरह पीला हो जाता है। इस दावे में यदि थोड़ी भी सच्चाई है तो यह वाकई बहुत ज्यादा चिंता की बात है, क्योंकि भुने चने का सेवन सभी वर्ग के अधिकांश लोग करते हैं। इस संबंध में राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी द्वारा स्वास्थ्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री को लिखी गई चिट्ठी इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करती है। उन्होंने राष्ट्रीय हेल्थ अलर्ट जारी करने, व्यापक जांच अभियान चलाने और दोषियों को कठोर दंड देने की मांग भी की है।

यहां यह समझ लिया जाना चाहिए कि यह मिलावट केवल फूड सेफ्टी एक्ट का उल्लंघन नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। ऐसे अपराध को किसी भी स्थिति में क्षम्य नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसे में सवाल यही उठता है कि मिलावट रुपी इस समस्या की जड़ कहाँ है, और इससे छुटकारा कैसे मिलेगा? दरअसल पहले तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि खाद्य सुरक्षा केवल सरकार या किसी एजेंसी विशेष की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति व समूह का दायित्व है। जहां तक सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी की बात है तो इसके लिए उन्हें ज्यादा सजग होने की आवश्यकता है। सरकार के साथ ही एफएसएसएआई और राज्य स्तरीय खाद्य सुरक्षा विभागों को अचानक निरीक्षण, नमूना परीक्षण और दोषियों पर त्वरित कानूनी कार्रवाई को और अधिक सख्ती से लागू करना होगा। यह भी सच है कि आज भी देश में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी है, जिससे बड़े पैमाने पर निगरानी करना कठिन हो जाता है। इस दिशा में संसाधनों और जनशक्ति में वृद्धि अत्यावश्यक है। इसमें उपभोक्ताओं की जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। लोगों को यह समझना होगा कि अत्याधिक चमकीले रंग, तेज गंध या असामान्य रूपझ्ररूपांतर रखने वाले खाद्य पदार्थों से सतर्क रहें। इसके अलावा हमें शिकायत प्रणाली को मजबूत और सरल बनाना होगा। हर नागरिक को यह अधिकार और आत्मविश्वास होना चाहिए कि वह संदिग्ध खाद्य पदार्थों की शिकायत एफएसएसएआई, स्थानीय प्रशासन या उपभोक्ता फोरम में दर्ज करा सके। मिलावटखोरी के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और दंड से नहीं जीती जा सकती है, बल्कि मिलावट रुपी राक्षस को नैतिकता और जिम्मेदारी के दम पर हराया जा सकता है। जब तक समाज में ईमानदारी और उपभोक्ता स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित नहीं होगी, तब तक कोई भी कानून पूर्ण प्रभावी सिद्ध नहीं हो सकेगा। अब वाकई वह समय आ गया है, जबकि मिलावट को सामान्य मानने की प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा। भोजन में जहर की अनुमति नहीं दी जा सकती, न बाजार में, न नीतियों में और न ही हमारी उदासीनता में। मानव स्वास्थ्य के साथ किया जाने वाला यह खिलवाड़ का खेल अब बंद होना ही चाहिए।

भारत-कनाडा के रिश्तों में नई गर्माहट बड़े बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

भारत और कनाडा के रिश्तों पर पड़ी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है और दोनों देशों के बीच एक नए विश्वास, सहयोग और साझेदारी का वातावरण आकार ले रहा है। वैश्विक राजनीति के बदलते स्वरूप, व्यापारिक हितों और तकनीकी साझेदारियों की बढ़ती जरूरतों ने दोनों देशों को पुनः संवाद और सहयोग की राह पर लौटने के लिए प्रेरित किया है। जून से शुरू हुआ यह सकारात्मक बदलाव अब व्यापक रूप में दिखाई देने लगा है, जिसका संकेत हाल ही में की गई द्विपक्षीय बैठकों, उच्चस्तरीय संपर्कों और आर्थिक सहयोग की घोषणाओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य एवं कनाड़ा द्वारा अब नागरिकता के बंद दरवाजे खोलने की घोषणा इस परिवर्तन की गहराई और व्यापकता को रेखांकित करती है। यह लक्ष्य केवल व्यापार बढ़ाने का संकल्प मात्र नहीं है बल्कि यह उस नये दौर की प्रतीकात्मक दस्तक है जिसकी ओर दोनों देश बढ़ रहे हैं और इससे दोनों देशों को फायदा होगा।

पिछले कुछ समय में भारत और कनाडा के रिश्तों में जिस तरह तनाव और अविश्वास ने जगह बनाई थी, वह दोनों देशों के लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जन-आधारित संबंधों के विपरीत था। खालिस्तान मुद्दे पर कनाडा में बढ़ती गतिविधियों, राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और न्यायिक प्रक्रियाओं ने दोनों देशों के रिश्तों में गहरी खटास पैदा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच दूरी सार्वजनिक रूप से दिखाई देती थी और कूटनीतिक संवाद लगभग ठहर-सा गया था। जस्टिन ट्रूडो ने राजनीतिक दबाव एवं स्वार्थ के चलते भारत से ऐतिहासिक संबंधों को धुंधलाया, जिसका खामियाजा उन्होंने भुगता भी है। लेकिन अब नई सरकार के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने नये जोश, आत्मीयता एवं संवेदनाओं के साथ भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों, व्यापारिक अवसरों के विस्तार और नई आर्थिक-रणनीतिक जरूरतों ने दोनों पक्षों को यह अहसास कराया कि रिश्तों का ठहराव किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं है। इसी समझ ने दोनों देशों को संवाद के नये पुल बनाने और पुराने अवरोधों को पीछे छोड़ने की दिशा में आगे बढ़ाया।

नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी की जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई। यह मुलाकात भले ही मुख्य सत्रों के इतर हुई, लेकिन उसका संदेश अत्यंत गहरा और दूरगामी था। यहां दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और टेक्नोलॉजी इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। भारत और कनाड़ा के पास डिफेंस, स्पेस, क्रिटिकल मिनरल्स, एनर्जी और एजुकेशन समस्त कई क्षेत्रों में सहयोग एवं सहमति बढ़ाने के मौके हैं। यह सहमति केवल औपचारिकता नहीं बल्कि रिश्तों को एक नए मोड़ पर लाने का संकेत थी। कनाडा एक उभरती हुई टेक्नोलॉजी शक्ति है और भारत विश्व की सबसे बड़ी तकनीकी प्रतिभा का केंद्र बन चुका है। ऐसे में दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, स्टार्टअप्स, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं जिनकी दिशा अब खोली जा रही है। वैसे भी भारत के स्टूडेंट्स के लिये अब भी कनाड़ा सबसे पसंदीदा जगहों में एक हैं। कनाडा अपने नागरिकता कानून में भी बदलाव करने जा रहा है, उससे भी भारतीयों को फायदा होने की व्यापक संभावनाएं है।

पीयूष गोयल के वक्तव्य में दिखती आर्थिक साझेदारी की दृष्टि इस बात का परिचायक है कि भारत और कनाडा अब केवल राजनीतिक संवाद से आगे बढ़कर व्यावहारिक सहयोग के नए आधार बना रहे हैं। 50 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य बेहद महत्वाकांक्षी है, लेकिन यह उन आर्थिक संभावनाओं का वास्तविक अनुमान भी है जो दोनों देशों की नीतियों, संसाधनों और क्षमताओं में मौजूद है। भारत कनाडा के लिए एक विशाल बाजार है और कनाडा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा, खनिज, कृषि और तकनीकी साझेदार। इसी परस्पर निर्भरता और जरूरत ने दोनों देशों को फिर से एक-दूसरे की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। अब जरूरी है कि विभिन्न स्तरों पर बातचीत जारी रखते हुए जल्द समझौते तक पहुंचा जाये।

हाल के वर्षों में दुनिया बहुध्रूवीय स्वरूप की ओर बढ़ रही है। अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और पश्चिम एशिया जैसे शक्ति केंद्रों के बीच उभर रही नई अनिश्चितताओं ने मध्यम और उभरती शक्तियों को नए साझेदार तलाशने के लिए विवश किया है। भारत और कनाडा इस वैश्विक संरचना में ऐसे दो देश हैं जिनके पास जनसांख्यिकीय शक्ति, आर्थिक संसाधन, शिक्षा-तकनीक की क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा आधार मौजूद है। ऐसे में इन दोनों का साथ आना न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए आवश्यक है बल्कि एक नई वैश्विक संरचना के निर्माण में भी उपयोगी हो सकता है। यह संरचना सहयोग, नवाचार, जलवायु न्याय, हरित तकनीकों और स्थायी विकास पर आधारित हो सकती है। कनाडा में भारतीय मूल की बड़ी आबादी दोनों देशों के रिश्तों को मानवीय और सामाजिक आधार भी देती है। जब भी रिश्तों में तनाव आया, प्रवासी भारतीय समुदाय उसके बीच पुल की तरह खड़ा दिखाई दिया है। यही समुदाय आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक रिश्तों को नई दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। यह समुदाय न केवल कनाडा के आर्थिक विकास का हिस्सा है बल्कि भारत-कनाडा संबंधों की गहरी कड़ी भी है। यही कारण है कि दोनों सरकारों ने इस सामाजिक संबंध को और मजबूत करने का प्रयास शुरू किया है जिससे गलतफहमियाँ कम हों, लोगों के बीच भरोसा बढ़े और राजनीतिक विवादों का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर सीमित रहे।

वर्तमान दौर में भारत की वैश्विक छवि एक निर्णायक, प्रभावशाली और विश्व-हितैषी शक्ति के रूप में उभर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक शैली, वैश्विक मंचों पर सक्रियता और विकास-शांति आधारित विदेश नीति ने भारत की स्थिति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। दूसरी ओर कनाडा भी एक स्थिर लोकतंत्र और बहुसांस्कृतिक देश के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। दोनों देशों की यह समान सोच और नई वैश्विक चुनौतियों के प्रति साझा दृष्टिकोण अब आपसी सहयोग के लिए अधिक अनुकूल अवसर पैदा कर रहा है। समीक्षा के इस चरण में यह स्पष्ट है कि भारत-कनाडा संबंधों में आया यह सकारात्मक मोड़ केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं बल्कि गहरे आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक हितों पर आधारित है। मार्क कार्नी सरकार को भी यह समझ आ रही है कि भारत जैसे मजबूत साझेदार से दूरी कनाडा की आर्थिक और वैश्विक भूमिका के लिए सही नहीं। वहीं भारत भी उन देशों के साथ संबंधों का विस्तार चाहता है जो तकनीक, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और नवाचार के क्षेत्रों में मूल्यवान साझेदारी दे सकते हैं। यही वजह है कि दोनों देश अब नयी समझ विकसित करते हुए एक ऐसे दौर की ओर बढ़ रहे हैं जिसमें संवाद, सहयोग और परस्पर सम्मान केंद्रीय भूमिका निभाएंगे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत और कनाडा के रिश्तों में शुरू हुई यह नई गर्माहट एक बड़े बदलाव का संकेत है। यह बदलाव न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देगा बल्कि वैश्विक शांति, नई तकनीक, हरित विकास और सामाजिक सौहार्द की दिशा में भी नई संभावनाएँ खोलेगा। दोनों देश यदि इसी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते रहे तो यह केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती नहीं देगा, बल्कि एक नई विश्व संरचना के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

मानवाधिकार समूहों ने की ट्रंप प्रशासन की आलोचना

बैंकॉक, एजेंसी। मानवाधिकार समूहों ने ट्रंप प्रशासन के म्यांमार के नागरिकों के लिए निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा समाप्त करने के फैसले की आलोचना की है। अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने सोमवार को घोषणा करते हुए कहा कि म्यांमार में शासन और स्थिरता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि सैन्य सरकार मुक्त और निष्पक्ष चुनाव कराने की तैयारी कर रही है तथा सफल युद्धविराम समझौते हुए हैं। इस आधार पर उन्होंने दावा किया कि नागरिकों के लिए अपने देश लौटना सुरक्षित है। हालांकि, सैन्य प्रमुख मिन आंग हलाइंग ने 2021 में आंग सान सू ची की लोकतांत्रिक सरकार को अपदस्थ किया था और सू ची अभी जेल में हैं।

अफगानों की वापसी से आर्थिक संकट की चेतावनी

काबुल, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने अफगान लोगों, विशेष रूप से निर्वासित प्रवासियों की आर्थिक संकट पर एक नई रिपोर्ट में चिंता जताई, पड़ोसी देशों से 23 लाख अफगान प्रवासियों की वापसी ने अफगानिस्तान पुनर्निर्माण प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। स्पष्ट है कि हमें ऐसे समाधानों की जरूरत है जो सहयोगात्मक, क्षेत्र-आधारित और समुदायों में निहित हों।

नाइजीरिया : केब्बी से किडनैप की गई सभी 24 स्कूली लड़कियों को बचाया

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के केब्बी राज्य में सोमवार (17 नवंबर) तड़के हथियारबंद हमलावरों ने गर्ल्स स्कूल पर हमला कर उप-प्रधानाचार्य की हत्या कर दी और 24 छात्राओं का अपहरण कर लिया। जिसके बाद अब नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने मंगलवार (25 नवंबर) को बताया कि स्कूल से हथियारबंद हमलावरों ने जिन 24 स्कूली लड़कियों को किडनैप किया था, उन सभी को बचा लिया गया है। लड़कियों को 17 नवंबर को किडनैप किया गया था, और उस समय पुलिस ने कहा था कि 25 को ले जाया गया है, लेकिन मंगलवार को एक बयान में राष्ट्रपति के हवाले से कहा गया कि किडनैप की गई सभी 24 लड़कियों को बचा लिया गया है। हालांकि बचाव अभियान के बारे में कोई अधिक जानकारी साझा नहीं की गई। बता दें कि केब्बी में हुआ हमला नाइजीरिया में हाल ही में हुए बड़े पैमाने पर किडनैपिंग के मामलों में से एक था।

पेरिस : लूव्र म्यूजियम में चोरी के मामले में 4 और आरोपी गिरफ्तार

पेरिस , एजेंसी। पेरिस के अभियोजक ने मंगलवार को चार और गिरफ्तारियों की जानकारी की है। यह गिरफ्तारी अक्टूबर में लूव्र म्यूजियम में हुई उस चौंकाने वाली चोरी के सिलसिले में हुई है, जिसमें एक गैंग ने 10.2 करोड़ डॉलर के गहने चोरी किए थे। पड़ताल को लीड कर रही अभियोजक लॉरे बेकुओ ने कहा कि हिरासत में लिए गए दो पुरुष और दो महिलाएं पेरिस इलाके के हैं और उनकी उम्र 31 से 40 साल के बीच है। उनके बयान में यह नहीं बताया गया कि 19 अक्टूबर की चोरी में उन पर क्या भूमिका होने का शक है। पुलिस उनसे 96 घंटे तक पूछताछ कर सकती है। फ्रेंच मीडिया की रिपोर्ट है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक, 39 साल का आदमी जिसे पुलिस सर्विस पहले से जानती है, माना जा रहा है कि वह उस टीम का चौथा सदस्य है जिसने दिनदहाड़े इस बड़ी लूट को अंजाम दिया और वह ऑबरविलियर्स का रहने वाला है, जो पेरिस के उत्तर में एक सबअर्ब है, जिससे दूसरे संदिग्धों के कनेक्शन हैं।

सीरिया : हजारों अलावी लोगों ने सरकार के भेदभाव के खिलाफ प्रदर्शन किया

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में अल्पसंख्यक अलावी समुदाय के हजारों लोगों ने मंगलवार को देश के मध्य और तटीय इलाकों में सरकार द्वारा कथित भेदभाव के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की गोलीबारी में एक व्यक्ति के घायल होने की जानकारी विपक्षी निगरानी समूह ने दी, जबकि सरकारी मीडिया का कहना है कि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों की रक्षा की। मंगलवार का प्रदर्शन लताकिया, टार्टस और केंद्रीय शहर होम्स सहित 42 स्थानों पर हुआ। यह विरोध उस घटना के बाद शुरू हुआ, जिसमें एक बेदुईन दंपति की हत्या के बाद होम्स में बेदुईन समुदाय के लोगों ने अलावी बहुल इलाके पर हमला कर दिया था। यह विरोध ऐसे समय में हुआ है, जब पिछले साल दिसंबर में राष्ट्रपति बशर अल-असद को इस्लामी समूह 'हयात तहरीर अल-शाम' के नेतृत्व वाले विद्रोहियों द्वारा सत्ता से हटाए जाने के बाद देश में कई बार सांप्रदायिक झड़पें हो चुकी हैं। असद, जो स्वयं अलावी समुदाय से हैं, रूस भाग गए थे।

कौन होगा संयुक्त राष्ट्र का नया प्रमुख? कई बड़े नाम हैं दावेदार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा पांच साल का कार्यकाल अगले साल समाप्त हो रहा है। जिसके बाद नए महासचिव को चुनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में संयुक्त राष्ट्र महासचिव का पद बेहद अहम होता है। ऐसे में कई बड़े नाम इस पद की रेस में शामिल हैं। तो आइए जानते हैं कि कैसे संयुक्त राष्ट्र महासचिव का चुनाव होता है और इसका क्या पूरी प्रक्रिया होती है?

कब शुरू होगी प्रक्रिया : संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से मंगलवार से शुरू हो गई है। मंगलवार को 15 सदस्यों वाली संयुक्त सुरक्षा परिषद और 193 देशों की महासभा के अध्यक्ष ने एक संयुक्त पत्र जारी किया है। जिसमें संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों देशों से अगले महासचिव के लिए नाम मांगे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद का उम्मीदवार संयुक्त राष्ट्र सदस्य देश का होना चाहिए। आमतौर पर यह पद क्षेत्रवार बदलता रहता है। मतलब मौजूदा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस साल 2016 में चुने गए थे और वे पुर्तगाल यानी पूर्वी यूरोप के उम्मीदवार थे। अब यह पद किसी लैटिन अमेरिकी नेता को दिया जा सकता है। हालांकि कुछ राजनयिक अन्य क्षेत्रों से भी उम्मीदवारों के नाम दे सकते हैं।

क्या है चुनाव की प्रक्रिया : नए महासचिव की चुनाव प्रक्रिया कई महीनों तक चलेगी, जिसमें कई राउंड की वोटिंग होगी। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अगले साल के आखिर में 10वें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव के लिए 193 सदस्यों वाली महासभा को आधिकारिक तौर पर एक उम्मीदवार के नाम की सिफारिश करेगी। सुरक्षा परिषद एक गुप्त मतदान करेगी, जिसे स्ट्रॉ पोल कहा जाता है। स्ट्रॉ पोल में हर उम्मीदवार के लिए काउंसिल मेंबर को ये विकल्प दिए जाते हैं: प्रेरित करना, हतोत्साहित करना या कोई राय नहीं। आखिर में, सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों- अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस - को एक उम्मीदवार के नाम पर सहमत होना होगा। सुरक्षा परिषद में स्ट्रॉ पोल में स्थायी सदस्य देशों के लिए के लिए और 10 चुने हुए सदस्यों के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्र होते हैं। साल 2016 में जब गुटेरेस का चुनाव किया गया था तो सुरक्षा परिषद को सहमति पर पहुंचने के लिए छह बार स्ट्रॉ पोल कराया गया था। स्टॉ पोल के बाद सुरक्षा परिषद बंद दरवाजे के पीछे एक प्रस्ताव पास कर नए महासचिव के नाम पर मुहर लगाती है। प्रस्ताव को पारित होने के लिए पक्ष में नौ वोट और किसी वीटो की जरूरत नहीं होती। कौन बन सकता है अगला यूएन महासचिव

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बनने की रेस में कई बड़े नाम शामिल हैं। हालांकि कुछ नामों की चर्चा सबसे ज्यादा है, जो निम्न हैं- मिशेल बैचलेट-चिली: लैटिन अमेरिकी देश चिली की तरफ से पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट का नाम प्रस्तावित किया जाएगा। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिस ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा कि बैचलेट चिली की पहली महिला राष्ट्रपति थीं और वे दक्षिण अमेरिकी देशों के अध्यक्ष पद पर भी रह चुकी हैं। बैचलेट साल 2018-2022 के बीच संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त और उससे पहले यूएन वुमन की कार्यकारी अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। रेबेका ग्रिनस्पान-कोस्टा रिका: कोस्टा रिका की तरफ से पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिनस्पान के नाम को प्रस्तावित किया जा सकता है। राष्ट्रपति रोड्रिगो शावेज ने इसकी जानकारी दी। 69 वर्षीय ग्रिनस्पैन अभी संयुक्त राष्ट्र कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलेपमेंट के महासचिव पद पर सेवाएं दे रहे हैं। राफेल ग्रोसी- अर्जेंटीना: अर्जेंटीना की तरफ से राफेल ग्रोसी का नाम प्रस्तावित किया जा सकता है। ग्रोसी, अर्जेंटीना के पूर्व राजनयिक हैं और फिलहाल इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के महानिदेशक पद पर हैं।

रिपोर्ट का दावा- काश पटेल को एफबीआई निदेशक पद से हटाएंगे ट्रंप, व्हाइट हाउस ने किया खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक रिपोर्ट के हवाले से दावा किया जा रहा है कि एफबीआई निदेशक के रूप में काश पटेल का भविष्य सवालों के घेरे में है। रिपोर्ट में इस मामले से परिचित तीन लोगों के हवाले से बताया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आगामी महीनों में उन्हें हटाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस की ओर से इस रिपोर्ट को तुरंत खारिज कर दिया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक्स पर लिखा कि यह खबर पूरी तरह से मनगढ़ंत है। उन्होंने कहा कि जब यह शीर्षक प्रकाशित हुआ, तब वह ओवल ऑफिस में थीं, जहां ट्रंप पटेल और उनकी कानून प्रवर्तन टीम के साथ बैठक कर रहे थे।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप अपने वरिष्ठ सहयोगी पटेल के बारे में नकारात्मक सुर्खियों की लहर से परेशान हो गए हैं और उन्हें हटाने पर चर्चा शुरू कर दी है। कैरोलिन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति इस कहानी पर हंसे और पटेल के नेतृत्व में विश्वास दिखाने के लिए उनके साथ फोटो खिंचवाई।

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ट्रंप ने सहयोगियों को बताया है कि वह एफबीआई निदेशक पद के लिए शीर्ष एफबीआई अधिकारी एंड्रयू बेली के नाम पर विचार कर रहे हैं। दो सूत्रों ने पटेल को बहुत ही कमजोर स्थिति में बताया था। सूत्रों ने कहा था कि उनका हटना पहले से कहीं ज्यादा नजदीक दिख रहा है। हालांकि व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया सामने आने के बाद इस मामले का पटाक्षेप होता दिख रहा है।

पटेल को कई सप्ताह से ब्यूरो संसाधनों के प्रबंधन के संबंध में जांच का सामना करना पड़ रहा है। इनमें उनकी प्रेमिका की सुरक्षा व्यवस्था, सरकारी जेट के इस्तेमाल और ट्रंप के वफादार साथियों के साथ आंतरिक टकराव के बारे में सवाल शामिल हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक रिपोर्ट में बताया था कि उन्होंने कई निजी यात्राओं के लिए सरकारी विमान का इस्तेमाल किया था। इसमें टेक्सास के एक लग्जरी रिसॉर्ट और टेनेसी में अपनी प्रेमिका के घर की यात्रा भी शामिल थी।

इथियोपिया में ज्वालामुखी का प्रकोप थमा

अदीस अबाबा, एजेंसी। उत्तरी इथियोपिया के लंबे समय से निष्क्रिय रहे हेली गुब्बी ज्वालामुखी में पिछले सप्ताहांत हुए विस्फोट के बाद अब ज्वालामुखीय गतिविधि कम हो गई है। इस विस्फोट ने आसपास के इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया और राख के बादल उड़ान मार्गों में फैल जाने के कारण कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। अफार क्षेत्र के अफदेरा जिले के गांव राख की मोटी परत से ढक गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार लोग खांसी की समस्या से जूझ रहे हैं और पशुधन के लिए पानी और घास पूरी तरह राख से ढक गई है। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद कई एयरलाइंस ने प्रभावित रूटों पर उड़ानें रद्द कर दीं। मौसम विभाग के अनुसार राख के बादल देर शाम तक साफ होने की संभावना है। भारत की एयर इंडिया ने सोमवार और मंगलवार को 11 उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल थीं। एयरलाइन ने बताया कि भारतीय विमानन नियामक के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्रों से गुजरने वाले विमानों की जांच की जा रही है। भारत की अकासा एयर ने भी जेद्दा, कुवैत और अबू धाबी जैसी मध्य पूर्व की उड़ानों पर रोक लगाई। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से कम से कम सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मंगलवार को रद्द हुईं, जबकि एक अधिकारी के अनुसार दर्जन भर उड़ानें देरी से रवाना हुईं। मौसम विभाग ने बताया कि 8 से 15 किलोमीटर की ऊंचाई और हवा की गति 100 से 150 किमी प्रति घंटा होने के कारण राख का यह गुबार बड़ा खतरा नहीं बना। यह गुबार अब चीन की ओर बढ़ गया है।

इंडोनेशिया: मूसलाधार बारिश ने मचाई भीषण तबाही, सुमात्रा द्वीप पर बाढ़-भूस्खलन से 10 की मौत, कई लापता

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई और भूस्खलन में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लापता हो गए। पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पिछले हफ्ते हुई मानसूनी बारिश की वजह से नदियों के बांध टूट गए। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी गांवों में कीचड़ भर गया, चट्टानें और पेड़ गिर गए, जिससे भारी तबाही हुई। इन घटनाओं के बाद बचाव दल उत्तरी सुमात्रा प्रांत के छह क्षेत्रों में प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बयान के अनुसार बचावकर्मियों ने बुधवार तक सबसे ज्यादा प्रभावित सिबोल्गा शहर से कम से कम पांच शव बरामद किए हैं। साथ ही तीन घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया है। पड़ोसी जिले मध्य तपनौली में भूस्खलन की चपेट में आकर कई

घर तबाह हो गए, जिसमें कम से कम चार लोगों का एक परिवार मारा गया और बाढ़ से लगभग 2,000 घर और इमारतें जलमग्न हो गईं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण पेड़ों के उखड़ने से दक्षिण तपनौली जिले में एक ग्रामीण की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। मंडेलिंग नटाल जिले में एक पुल नष्ट हो गया और 470 घर जलमग्न हो गए। बयान में कहा गया है कि नियास द्वीप में कीचड़ और मलबे की वजह से एक मुख्य सड़क बाधित हो गई है।

सिबोलगा के पुलिस प्रमुख एडी इंगंटा ने कहा कि आपातकालीन आश्रय स्थल स्थापित कर दिए गए हैं और अधिकारियों ने उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों से तत्काल घर खाली करने का आग्रह किया है। पहाड़ी शहर में छह भूस्खलनों में 17 घर और एक कैफे ध्वस्त होने के बाद उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि लगातार बारिश से और ज्यादा भूस्खलन हो सकता है। इंगंटा ने कहा कि खराब मौसम और भूस्खलन के कारण बचाव अभियान में रुकावट आई है। उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों के कठिन परिथितियों से जूझने के कारण पहुंच सीमित बनी हुई है। राष्ट्रीय आपदा एजेंसी ने इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा के दो इलाकों में 10 दिनों के अभियान के बाद राहत कार्यों की मंगलवार को आधिकारिक समाप्ति का एलान किया था। कुछ ही घंटों बाद सुमात्रा द्वीप पर बारिश की वजह से बाढ़ और भूस्खलन का कहर देखने को मिला। वहीं, मध्य जावा के सिलाकैप और बंजारनेगारा जिलों में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में दबे लोगों की तलाश के लिए 1,000 से ज्यादा बचावकर्मियों को तैनात किया गया था। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 38 लोगों की मौत हो गई थी।

संयुक्त राष्ट्र की चौंकाने वाली रिपोर्ट: दुनिया में हर 10वें मिनट एक महिला की हत्या, हर दिन 137 महिलाओं की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुनिया भर में लगभग हर 10 मिनट में किसी महिला या लड़की की हत्या उसके साथी या परिवार के सदस्य द्वारा कर दी जाती है।

यह औसतन हर दिन 137 हत्याएं बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) और यूएन विमेन की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि फेमिसाइड (महिलाओं की लैंगिक आधार पर हत्या) अब भी लाखों महिलाओं और लड़कियों की जान ले रहा है और इस पर रोक लगाने में कोई ठोस प्रगति नहीं दिख रही।

यूएनओडीसी के कार्यकारी निदेशक जॉन ब्रांडोलिनो ने कहा, दुनिया की बहुत बड़ी संख्या में महिलाओं और लड़कियों के लिए घर आज भी खतरनाक और कई बार जानलेवा जगह बना हुआ है। उन्होंने फेमिसाइड रोकने के लिए बेहतर रोकथाम उपायों और प्रभावी न्यायिक व्यवस्था की जरूरत पर जोर दिया। यूएन विमेन की नीति प्रभाग निदेशक सारा हेंड्रिक्स ने ऑनलाइन हिंसा की बढ़ती भूमिका पर चिंता जताई। उनके अनुसार, डिजिटल हिंसा कई बार ऑनलाइन से आगे बढ़कर वास्तविक दुनिया में पहुंचती है और चरम रूप में हत्या जैसी घटनाओं का कारण बन सकती है।

पिछले साल 83 हजार महिलाओं की हुई हत्या : रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष 83,000 महिलाओं और लड़कियों की जानबूझकर हत्या की गई, जिनमें से 60 फीसदी यानी 50,000 की हत्या उनके अंतरंग साथी या परिवार के सदस्यों ने की। इसके मुकाबले पुरुषों की हत्या के सिर्फ 11 फीसदी मामलों में ही उनके साथी या परिजन शामिल थे। हालांकि 2024 में करीबी द्वारा हुई 50,000 हत्याएं, 2023 के अनुमान (51,100) से थोड़ी कम हैं, लेकिन रिपोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह कमी वास्तविक गिरावट नहीं है, बल्कि देशों से उपलब्ध आंकड़ों में अंतर की वजह से है।

अफ्रीका में हत्या की दर सबसे ज्यादा : रिपोर्ट में बताया गया कि अंतरंग साथी या परिवार के सदस्य द्वारा की गई फेमिसाइड की सबसे ज्यादा दर अफ्रीका (प्रति 1 लाख महिलाओं पर 3) में दर्ज की गई। इसके बाद अमेरिका (1.5), ओशिआनिया (1.4), एशिया (0.7) और यूरोप (0.5) का स्थान रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि घर के बाहर होने वाली फेमिसाइड की घटनाओं के बारे में अभी भी पर्याप्त डाटा उपलब्ध नहीं है।

शेख हसीना की सजा के खिलाफ अवामी लीग का हल्लाबोल, 30 नवंबर तक देशव्यापी आंदोलन शुरू

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की बेदखल पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को दी गई मृत्युदंड की सजा के खिलाफ उनकी पार्टी अवामी लीग ने मंगलवार (25 नवंबर) को 30 नवंबर तक देशभर में विरोध प्रदर्शन और 'प्रतिरोध मार्च' निकालने का एलान किया है। पार्टी ने इस सजा को 'अवैध ट्राइब्यूनल का अवैध फैसला' बताते हुए इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है।

17 नवंबर को सुनाई थी फांसी की सजा : 17 नवंबर को बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT-BD) ने 78 वर्षीय हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में फांसी की सजा सुनाई थी। दोनों नेताओं का मुकदमा अनुपस्थिति में चला। हसीना फिलहाल भारत में हैं, जबकि कमाल के भी भारत में छिपे होने की आशंका है।

अंतरिम सरकार की साजिश दिया करार : अवामी लीग ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि यह फैसला मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार की साजिश है, ताकि हसीना और उनकी पार्टी को अगले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित चुनाव से दूर रखा जा सके। पार्टी ने 'अवैध ट्राइब्यूनल के अवैध फैसले' को अस्वीकार करते हुए यूनुस के इस्तीफे की मांग की और देश के सभी जिलों और उपजिलाओं में 30 नवंबर तक प्रदर्शन और प्रतिरोध रैलियां आयोजित करने की घोषणा की। अवामी लीग ने कहा कि यह फैसला 'तमाशा' है, जिसे जनता 'तिरस्कार के साथ खारिज कर चुकी है।

पूरे देश में कड़े आंदोलन का एलान : अवामी लीग ने दावा किया कि वह जमीनी कार्यकर्ताओं और राजनीतिक संगठनों के साथ मिलकर 'राष्ट्रविरोधी साजिशों' का मुकाबला करेगी और किसी भी कीमत पर 'मुक्ति संग्राम समर्थक ताकतों को चुनाव से बाहर करने की कोशिशों' को नाकाम करेगी। बयान में कहा गया कि बांग्लादेश में साजिश के जरिए चुनाव नहीं होने दिया जाएगा। किसी भी कीमत पर इसका विरोध किया जाएगा। अवामी लीग ने चेतावनी दी कि जल्द ही पूरे देश में कड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले साल 5 अगस्त को 'जुलाई विद्रोह' नाम का छात्रों के नेतृत्व वाले हिंसक विरोध प्रदर्शन में शेख हसीना की अवामी लीग सरकार गिरा दी गई थी।

चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में ताइवान, राष्ट्रपति पेश करेंगे 40 अरब का अतिरिक्त रक्षा बजट

ताइपे, एजेंसी। ताइवान ने चीन की आक्रामकता को मुंहतोड़ जवाब देनी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने वाशिंगटन पोस्ट के एक लेख में कहा कि देश अपनी रक्षा के दृढ़ संकल्प को दर्शाने के लिए 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त रक्षा बजट पेश करेगा। इस बजट में जरूरी नए अमेरिकी हथियारों की खरीद की योजना भी शामिल है।

राष्ट्रपति चिंग-ते के इस बयान से चीन को मिर्ची लगना तय है। बीते पांच वर्षों में चीन ने ताइवान को अपने देश का हिस्सा बताने के दावों को पुख्ता करने के लिए ताइपे पर सैन्य और राजनीतिक दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, ताइवान इसे दृढ़ता से खारिज करता रहा है। ताइवान को वाशिंगटन से अपनी रक्षा पर ज्यादा खर्च करने के लिए भी गुजारिश करनी पड़ रही है, जो यूरोप पर अमेरिका के दबाव को दर्शाता है। इस साल अगस्त महीने में लाई ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि 2030 तक रक्षा व्यय सकल घरेलू उत्पाद के 5 फीसदी तक पहुंच जाएगा।

उन्होंने मंगलवार को प्रकाशित लेख में कहा, 'यह ऐतिहासिक पैकेज न केवल अमेरिका से महत्वपूर्ण नए हथियारों की खरीद को वित्तपोषित करेगा, बल्कि ताइवान की विषम क्षमताओं को भी व्यापक रूप से बढ़ाएगा।' उन्होंने लिखा कि ऐसा करने में हमारा लक्ष्य बीजिंग की ओर से बल प्रयोग के संबंध में फैसले लेने में ज्यादा

लागत और अनिश्चितताएं डालकर निवारण को मजबूत करना है।

लाई ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह अतिरिक्त रक्षा व्यय का प्रस्ताव देंगे , लेकिन उन्होंने इसका ब्यौरा नहीं दिया था। उनके कार्यालय ने बताया कि लाई बुधवार सुबह वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के बाद रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू के साथ एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे। 2026 तक सरकार रक्षा खर्च को 949.5 अरब ताइवान डॉलर (30.25 अरब डॉलर) तक पहुंचाने का प्रस्ताव कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह जीडीपी के 3.32 फीसदी के बराबर है, जो 2009 के बाद पहली बार 3 फीसदी की सीमा को पार कर गया है। औपचारिक राजनयिक संबंधों के अभाव के बावजूद अमेरिका कानून के मुताबिक ताइवान को आत्मरक्षा के साधन मुहैया कराने के लिए बाध्य है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से उनके प्रशासन ने अब तक ताइवान को केवल एक नए हथियार की बिक्री को मंजूरी दी है। जो लड़ाकू जेट और अन्य विमान भागों के लिए 330 मिलियन डॉलर का पैकेज है, जिसकी घोषणा इस महीने की शुरुआत में की गई थी। लाई ने लिखा, 'हम राष्ट्रपति ट्रंप के आभारी हैं कि उन्होंने दुनिया भर में अमेरिकी नेतृत्व के महत्व को स्पष्ट कर दिया है। ट्रंप प्रशासन की ताकत के जरिए शांति की कोशिशों की वजह से आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय ज्यादा सुरक्षित है।' चीन की ओर से अलगाववादी घोषित किए जाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने चीन के साथ वार्ता करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। लाई ने लिखा, 'हम इस समझ के साथ कि हमारा लोकतंत्र और स्वतंत्रता समझौता-योग्य नहीं है, दोनों देशों के बीच संवाद के अवसरों की तलाश जारी रखेंगे।

लटकते पेट को सपाट कर देंगे पोषण से भरे ये 3 फ्रूट्स और ये एक योग

क्या आपका वजन बढ़ गया है, और अब उसे कम करना चाहते/चाहती हैं? ठीक है, तो इसके लिए आपको सबसे पहले ये देखना होगा कि आपका बॉडी मास इंडेक्स या बीएमआई क्या है। भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मानकों के अनुसार सामान्य बीएमआई 23 से कम है, ओवरवेट 23 से ज्यादा है और 25 से ज्यादा बीएमआई वालों को मोटापे की श्रेणी में रखा गया है। अगर आपकी बीएमआई रेट सामान्य से अधिक है तो आपको इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। आपको अपना वजन कम करने के लिए प्रयास करना चाहिए। इसके लिए हम आपकी मदद कर सकते हैं।

वजन को कम करने के लिए सबसे पहले आपको अपने खानपान पर ध्यान देने की जरूरत है। आपको यह ध्यान रखना होगा कि आप कितनी मात्रा में कैलोरी ले रहे हैं। अगर आप अत्यधिक कैलोरी वाले फूड्स का सेवन करते हैं तो यह आपका वजन बढ़ाते हैं। ऐसे में आप अपने ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में हेल्दी फूड को शामिल करें। सुबह के नाश्ते में अंकुरित अनाज, ड्राई फ्रूट्स, पोहा, उत्तपम और फलों का सेवन जरूर करें। सुबह खाली पेट गुनगुना पानी या नींबू पानी शहद के साथ जरूर पिएं। लंच में भी दाल और सब्जी का सेवन करें। रोटी और चावल कम मात्रा में लें। दिन में स्नैक्स के तौर पर फल खाएं। रात का खाना हल्का रखें तले-भुने और जंक फूड से दूरी बनाएं। इसके अलावा यहां हम आपको 3 ऐसे फलों के बारे में बता रहे हैं जो आपका वजन कम करने में मदद करेंगे।

1. सेब

कैलोरी में कम और फाइबर से भरपूर होने के कारण सेब आपको प्रभावी रूप से वजन कम करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं वे तृप्ति भी बढ़ा सकते हैं और आपको अधिक खाने से भी रोक सकते हैं। एकेडमी ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स के जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, सेब फैट बर्न करने और भूख को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए भी जाना जाता है।

2. चकोतरा

विटामिन सी ये युक्त चकोतरा आपको एक वर्कआउट सेशन के वसा को कम करने में काफी मदद कर सकता है। इसके साथ ही, कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण, यह आपके रक्त में काफी धीरे-धीरे शर्करा छोड़ता है और वजन कम करने में मदद करता है। फूड साइंस और न्यूट्रीशन में प्रकाशित शोध के अनुसार, ग्रेपफ्रूट्स खाने से इंसुलिन नामक फैट-स्टोरेज हार्मोन के स्तर को कम किया जा सकता है। इसके अलावा, पानी से भरा हुआ, ग्रेपफ्रूट्स आपको लंबे समय तक तृप्त रख सकता है।

3. बेरीज

एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होने के कारण बेरीज सूजन को रोकता है, जो पहले से ही वजन बढ़ाने के साथ जुड़ा हुआ है। इतना ही नहीं यह आपके पेट को भी भरा रखता है। इसलिए आपको अधिक खाने से रोक सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बेरीज आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर और रक्तचाप को कम करने में भी काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

उत्तान पादासन

उत्तान पादासन बहुत ही आसान और अच्छा योगासन है। इसे करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल मैट पर लेट जाएं। दोनों हथेलियों को जांघों के बराबर में रखें। अब दोनों पैरों के घुटनों, एड़ियों और अंगूठों को मिलाएं और टांगों को सीधी रेखा में तानकर रखें। अब सांस लेते हुए दोनों पैरों को 45 डिग्री पर ले जाएं। शुरुआत में ऐसा करना काफी दर्द भरा हो सकता है, लेकिन, धीरे-धीरे ये सही हो जाएगा। जैसे-जैसे पैर ऊपर उठते जाएं इसे 90 डिग्री तक ले जा सकते हैं। इस योगासन को करने से पहले स्ट्रैचिंग व्यायाम जरूर कर लें। यह योग आपकी कमर, कुल्हों और जांघों की चर्बी को खत्म करने में मदद करेगा। इसके और भी कई फायदे हैं।

रेसिपी

सूजी पास्ता

सामग्री

- सूजी: 1 कप
- 1 टमाटर
- 11/2 शिमला मिर्च
- 1 गाजर
- 1 प्याज
- टोमैटो सॉस: 1 टेबलस्पून
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- हल्दी: 1/2 टीस्पून
- तेल
- पानी: 1 कप
- चाट मसाला: 1/2 टीस्पून
- हरा धनिया: 2 टेबलस्पून
- नमक: स्वाद के अनुसार
- सजावट के लिए धनियापत्ती

विधि

एक बर्तन में सूजी लें। इसमें नमक और 2 चम्मच तेल मिक्स कर लें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंद लें और 10-15 मिनट रख दें। तय समय बाद देखेंगे तो सूजी फूल चुकी होगी, इसमें थोड़ा तेल डालकर हाथेलियों से मसल लें। अब आटे से छोटी-छोटी लोई तोड़कर मनचाहे आकार में डिजाइन दे दें। इसी तरह सारी लोई को पास्ता के डिजाइन में बना लें। अब एक बड़ी छलनी के ऊपर तेल लगाकर सारे पास्ता को रख दें। मीडियम आंच पर पैन में पानी गर्म होने रख दें। इस पर पास्ता वाली छलनी ढककर 15-20 मिनट रख दें। यानी हमें सूजी के पास्ता को स्टीम करना है। तय समय बाद गैस बंद कर दें और देखें कि सूजी के पास्ता पक चुके हैं। इन्हें निकालकर अलग रख दें। अब प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर, गाजर और हरा धनिया बारीक काट लें। मीडियम आंच पर पैन में तेल गर्म करें। इसमें प्याज डालकर भून लें। अब शिमला मिर्च, टमाटर, गाजर डालकर हल्का भून लें। अब टोमैटो सॉस डालकर 1-2 मिनट तक पका लें। इसमें हल्दी पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर मसाले को पका लें। अब पास्ता डालकर मिक्स कर लें। आंच बंद कर दें और धनियापत्ती से गार्निश कर लें। तैयार है स्वादिष्ट सूजी पास्ता।

हल्दी के लड्डू

सामग्री

- कच्ची हल्दी: 500 ग्राम
- गुड़: 500 ग्राम
- बारीक कटे (बादाम, काजू, किशमिश और पिस्ता): 1 कटोरी
- देसी घी: 2 टेबलस्पून

विधि

हल्दी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले हल्दी की गांठ को छील लें। हल्दी को कद्दूकस कर लें। आप चाहें तो बारीक पीस भी सकते हैं। इसके बाद पैन में एक चम्मच घी गर्म करें और इसमें हल्दी डालकर 4-5 मिनट तक चलाते हुए भून लें। जब हल्दी का पानी सूख जाए तो इसमें एक और चम्मच घी डालें। साथ ही बारीक कटे मेवे भी डालकर भून लें। पैन को आंच से उतार लें और इसें गुड़ को कद्दूकस करके मिला लें। गुड़ डालने के बाद तुरंत अच्छी तरह मिलाएं लड्डू तैयार करते जाएं। सारे मिश्रण से लड्डू तैयार कर एयरटाइट डिब्बे में रख लें। रात को एक लड्डू खाने के बाद एक गिलास दूध पीने से ठंड में काफी लाभ मिलता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2660

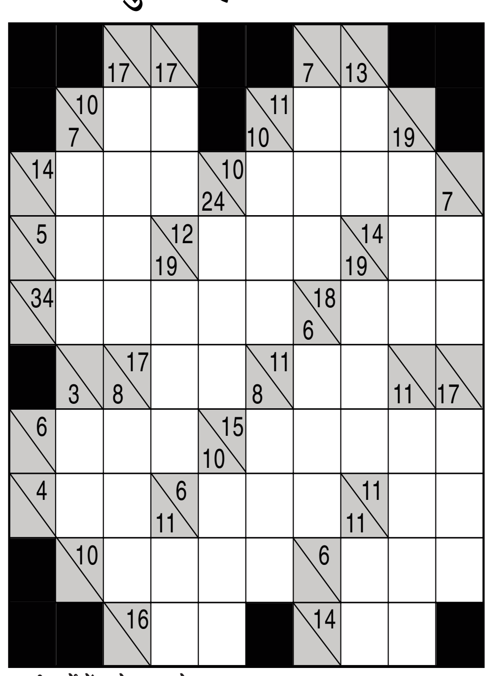

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

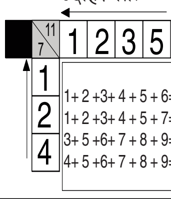

काकुरो - 2659 का हल

हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से), "सुनाओ दोस्त क्या हाल है?"

हरीश, "बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ."

राज, "मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है."

□ □ □

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उसकी साली शोखी से बोली, "जीजा जी, दीदी कैसी लगी?"

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, "मीडियम फास्ट."

□ □ □

विजय लक्ष्मी (शारदा से), "मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?" शारदा, "वह कैसे."

विजय लक्ष्मी, "मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया."

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2660

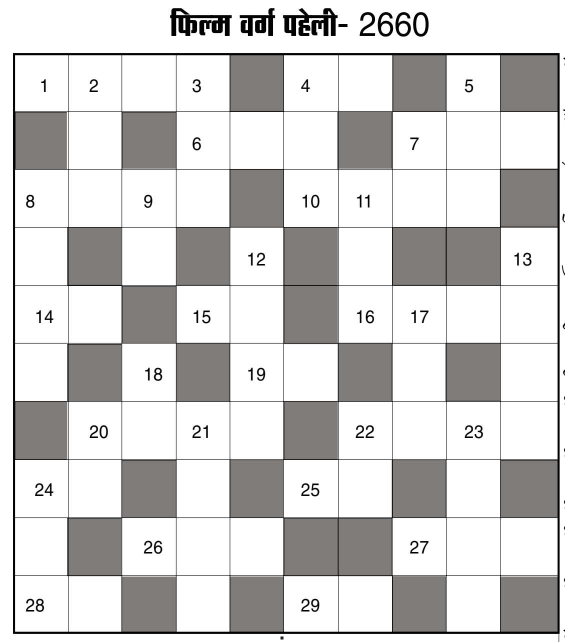

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2659

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	रा
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			रा	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		औ	
क		ग	ब	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

सूडोकु -2660

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2659 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 2660

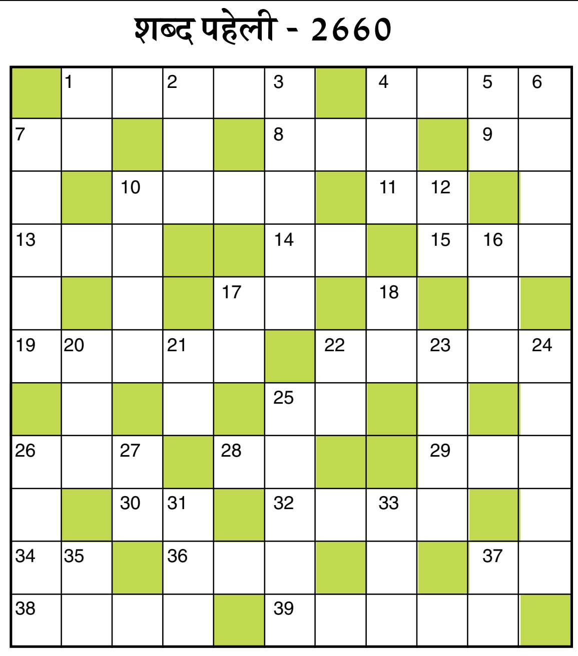

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -2659 का हल

	ग	र	ज	ना		र	स	ही	न	
गु			वा		ढ		हा			ग
जा		म	नी	षा	को	ई	रा	ला		र
र	ट	ना			स			य	म	ज
ना		ना		क	ला	म		क	ल	
	र		गै	र		ह	स्त		ना	
	क	वि		वा	द	क		सु		स
क	म	रा			श			ब	से	रा
प		म	न	मो	ह	न	सिं	ह		बो
ट			क		रा		गा			र
	म	त	ल	ब		ल	र	ज	ना	

लोकतंत्र और चुनावों के अंतरराष्ट्रीय संस्थान की अध्यक्षता करेंगे सीईसी ज्ञानेश कुमार

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार वर्ष 2026 के लिए अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान (अंतरराष्ट्रीय आईडीईए) के अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। वे 3 दिसंबर को स्टॉकहोम, स्वीडन में आयोजित होने वाली सदस्य देशों की परिषद की बैठक में आईआईडीईए के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेंगे। चुनाव आयोग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार अध्यक्ष के रूप में वे वर्ष 2026 के दौरान परिषद की सभी बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। अंतरराष्ट्रीय आईडीईए, 1995 में स्थापित, एक अंतर-सरकारी संगठन है जो विश्वभर में लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में इसमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका और उरुग्वे सहित 35 देश हैं। अमेरिका और जापान इसमें पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हैं। यह संगठन समावेशी, लचीली और जवाबदेह लोकतंत्रों को बढ़ावा देता है। भारत आईआईडीईए का एक संस्थापक सदस्य है, जिसने संगठन के शासन, लोकतांत्रिक विमर्श और संस्थागत पहलों में निरंतर योगदान दिया है। अध्यक्ष के रूप में ज्ञानेश कुमार आईआईडीईए के वैश्विक एजेंडे को आकार देने के लिए विश्व के सबसे बड़े चुनावों के संचालन के देश के अद्वितीय अनुभव का उपयोग करेंगे।

इस वर्ष खरीफ फसलों का उत्पादन 38.70 लाख टन बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ की फसलों के उत्पादन का प्रथम अग्रिम अनुमान जारी कर दिया है। इसके अनुसार, खरीफ की प्रमुख फसलों के उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि का अनुमान है, कुल खाद्यान्न उत्पादन 38.70 लाख टन बढ़कर 1733.30 लाख टन अनुमानित हैं। खरीफ चावल व मक्का के अच्छे उत्पादन की उम्मीद है। शिवराज सिंह ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में निरंतर सकारात्मक प्रगति हो रही हैं। उन्होंने कहा कि देश में कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा ने फसलों को प्रभावित किया, लेकिन ज्यादातर क्षेत्रों को अच्छे मानसून से काफी लाभ हुआ है, इससे कुल मिलाकर फसलों की अच्छी वृद्धि हुई है। शिवराज सिंह ने कहा कि प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार, वर्ष 2025-26 के दौरान खरीफ चावल उत्पादन 1245.04 लाख टन अनुमानित है, जो गत वर्ष के खरीफ चावल उत्पादन से 17.32 लाख टन ज्यादा है। खरीफ मक्का का उत्पादन 283.03 लाख टन अनुमानित है, जो गत वर्ष के खरीफ मक्का उत्पादन से 34.95 लाख टन अधिक है। मोटा अनाज 414.14 लाख टन और कुल खरीफ दलहन उत्पादन 74.13 लाख टन अनुमानित है, जिसमें तूर 35.97 लाख टन, उड़द 12.05 लाख टन तथा मूंग 17.20 लाख टन का उत्पादन अनुमानित है। 2025-26 के दौरान देश में कुल खरीफ तिलहन का उत्पादन 275.63 लाख टन अनुमानित है। इसमें 110.93 लाख टन मूंगफली का उत्पादन शामिल है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.81 लाख टन अधिक है और सोयाबीन उत्पादन 142.66 लाख टन अनुमानित है।

कर्नाटक से रानी अब्बक्का के शौर्य व साहस का संदेश लेकर कलश यात्रा पहुंची अभाविप के अधिवेशन स्थल

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन स्थल पहुंचने पर रानी अब्बक्का की 500वीं जन्म शताब्दी के अवसर पर उनकी जन्मस्थली कर्नाटक से चली रानी अब्बक्का कलश यात्रा का स्वागत किया गया। इसे अधिवेशन स्थल भगवान बिरसा मुंडा नगर में स्थापित किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि यह यात्रा रानी अब्बक्का के अदम्य साहस एवं शौर्य का परिचायक है, जो देशभर से आए युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगी। यह यात्रा शैक्षणिक सांस्कृतिक और सामुदायिक सहभागिता का एक उत्कृष्ट संतुलन स्थापित करेगी। इस पवित्र जल कलश को अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो (डॉ) राजशरण शाही को सौंपा गया। बाद में इस कलश को प्रांगण में स्थापित किया गया। उल्लेखनीय है कि रानी अब्बक्का के जन्म प्रदेश कर्नाटक से शुरू हुई यह कलश यात्रा गुरुवार को देहरादून पहुंची है। इस यात्रा के दौरान 20 विश्वविद्यालयों, 210 महाविद्यालयों व अन्य स्थानों से होते हुए 3000 किलोमीटर से अधिक दूरी तय की। इस पवित्र जल कलश को राष्ट्रीय अधिवेशन के मुख्य आकर्षण केंद्र रानी अब्बक्का प्रदर्शनी में रखा जाएगा।

आईसीएआर ने धान की दो नई किस्मों के परीक्षणों में पक्षपात के आरोपों का किया खंडन

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने कहा है कि पूसा डीएसटी -1 और डीआरआर धन 100 कमला नाम की अनुवांशिक तौर पर बदली गई धान किस्मों के परीक्षण में किसी तरह का पक्षपात नहीं हुआ है। आईसीएआर ने बुधवार को एक बयान में कहा कि ये दोनों धान की किस्में अपने लक्ष्य वाले क्षेत्रों में बेहतर उपज देती हैं और कठिन परिस्थितियों (सूखा या तनाव) को ज्यादा अच्छी तरह सहन करती हैं। ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन राइस (एआईसीआरपीआर) के तहत देश के धान वैज्ञानिक अपनी नई विकसित किस्मों को कई जगहों पर टेस्ट कराने के लिए भेजते हैं। इन किस्मों को अपने पास आने के बाद इसे ब्लाइंड-कोड कर दिया जाता है, यानी किस्म किसने बनाई है और कहां से आई है इसकी जानकारी नहीं बताई जाती। इसके बाद इन्हें देशभर में लगभग 100 केंद्रों पर 2-3 साल तक अलग-अलग जगहों पर उगाकर टेस्ट किया जाता है। हर साल इस प्रक्रिया में 1200 से ज्यादा नई धान की लाइन का परीक्षण होता है। यह सिस्टम 1965 से चल रहा है और अब तक 1,750 से ज्यादा धान की किस्में और संकर किस्में इसके जरिए ।

संविधान नागरिक के स्वप्नों और आकांक्षाओं का दर्पण है: गजेन्द्र सिंह शेखावत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि संविधान देश के प्रत्येक नागरिक के स्वप्नों और आकांक्षाओं का दर्पण है। शेखावत ने यह बात 'संविधान दिवस' के अवसर पर कही। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में भारतीय संविधान के निर्माण के ऐतिहासिक 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित वर्ष भर के कार्यक्रमों का आज भव्य समापन और विचार-विमर्श आयोजित किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने संविधान सभा में 'महिला सदस्यों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करने वाली एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसका शीर्षक नींव : भारतीय संविधान की महिला शिल्पी था। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य देश की बहादुर महिलाओं में से उन 15 महिलाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जिन्होंने

संविधान बनाने के दौरान अपना योगदान दिया था। संस्कृति मंत्री शेखावत ने कहा, संविधान केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का संकल्प है। संविधान ने पूरे देश को एक सूत्र में पिरोया है। उन्होंने कहा कि संविधान सभा की बहसों को समझे बिना संविधान की आत्मा को नहीं समझा जा सकता। मंत्री ने बताया कि भारत की विविध भाषाएँ, संस्कृतियाँ और हजारों वर्षों का ज्ञान तथा कुंभ जैसे सांस्कृतिक उदाहरण ही देश की एकता का आधार हैं, जिसके आधुनिक स्तंभ हमारा संविधान, राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान और समानता के अधिकार हैं। उन्होंने संविधान सभा की पंद्रह महिला सदस्यों के असाधारण योगदान को रेखांकित किया, जिनमें सरोजिनी नायडू, सुचेता कृपलानी, विजयलक्ष्मी पंडित, राजकुमारी अमृत कौर, अम्मू स्वामीनाथन, रेणुका रे, बेगम कुदसिया एजाज रसूल, दक्षायणी वेलायुधन, दुर्गाबाई देशमुख, हंसा मेहता, कमला चौधरी, लीला राय, मालती चौधरी, पूर्णिमा बनर्जी, और एनी मस्करेन शामिल थी। उन्होंने कहा कि ये महिलाएँ संख्या में भले कम थीं, पर अपने विचार, साहस और दृष्टि में अद्वितीय थीं। उन्होंने सभी से संविधान की भावना से गहराई से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि वर्षभर चला कार्यक्रम का समापन एक विराम नहीं, बल्कि संवैधानिक चेतना को आगे बढ़ाने की निरंतर प्रेरणा है। केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कहा, संविधान को केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं, बल्कि राष्ट्र के जीवन-मूल्यों का आधार है।

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में 20 लाख रुपये के इनामी नक्सली दंपती ने किया

एजेंसी

खैरागढ़/रायपुर। नक्सल विरोधी अभियान में छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में 20 लाख रुपये के इनामी नक्सली दंपती ने हथियार छोड़कर पुलिस अधीक्षक के सामने आज आत्मसमर्पण कर दिया। छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति-2025 तथा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर दोनों ने समाज से जुड़कर नए जीवन की शुरुआत करने का निर्णय लिया। खैरागढ़ जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार आत्मसमर्पण करने वालों में 14 लाख का इनामी हार्डकोर नक्सली धनुष उर्फ मुन्ना (25 वर्ष) और उसकी पत्नी 6 लाख की इनामी महिला नक्सली रोनी उर्फ तुले (25 वर्ष) शामिल हैं। दोनों माओवादी संगठन के माड़ डिवीजन और एमएमसी जोन से जुड़े कैडर थे और लंबे समय से टाण्डा-मलाजखण्ड इलाके में सक्रिय थे। रोनी, जहां एमएमसी जोन प्रभारी और सीसी मेम्बर रामदेर के साथ पार्टी सदस्य के रूप में काम कर चुकी है। दोनों छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की सीमाओं वाले क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियों में शामिल रहे।

शिक्षा, समाज परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, विभाजनकारी शक्तियां और बांग्लादेशी घुसपैठ पर होंगे प्रस्ताव

एजेंसी

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही ने कहा कि अभाविप की केंद्रीय कार्यसमिति बैठक कई मायनों में अहम है। बैठक में प्रतिनिधियों ने महत्वपूर्ण शैक्षिक व समाजिक विषयों पर चिंतन व मंथन होगा और शिक्षा, समाज परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, विभाजनकारी शक्तियां और बांग्लादेशी घुसपैठ रोकने के प्रस्तावो पर चर्चा होगी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की एक-दिवसीय केंद्रीय कार्यसमिति बैठक देवभूमि उत्तराखण्ड के देहरादून में सम्पन्न हुई। बैठक का उद्घाटन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेंद्र सिंह सोलंकी व राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने देहरादून के परेड ग्राउंड पर बसाए गए 'भगवान बिरसा मुंडा नगर' के 'स्वर्गीय राधेश्याम बैठक कक्ष' में किया। इस बैठक में देशभर से कुल 107 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। इस एक-दिवसीय केन्द्रीय कार्यसमिति बैठक में शिक्षा, समाज से जुड़े विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई, साथ ही अभाविप के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रस्तुत किए जाने वाले कुल पांच प्रस्तावों पर विमर्श हुआ। देशभर के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों, शिक्षाविदों व प्रमुख हितधारकों से प्राप्त सुझावों के अनुसार शिक्षा, समाज परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, विभाजनकारी शक्तियां और बांग्लादेशी घुसपैठ जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर इस बैठक में वृहद संवाद हुआ, जिन्हें आगामी 28 से 30 नवंबर को होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित किया जाएगा। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने देशभर के शैक्षिक संस्थानों में अभाविप के जीते हुए विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों छात्रसंघो की जानकारी भी प्रस्तुत की गई। बैठक में सम्मिलित हुए अभाविप के विभिन्न आयाम व गतिविधियों के संयोजकों ने देशभर में किए जा रहे विशेष कार्यक्रमों का उल्लेख भी बैठक में साझा किया। अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक कल, दिनांक 27 नवंबर को देहरादून के इसी परेड ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। अभाविप द्वारा भगवान बिरसा मुंडा जी के जन्म की 150वीं वर्षगांठ पर उनकी जन्मस्थली उलिहातु (झारखण्ड) से निकाली गई भगवान बिरसा संदेश यात्रा एवं महारानी अब्बक्का की जन्म की 500वीं वर्षगांठ पर उनके जन्मस्थली कर्नाटक से महारानी अब्बक्का कलश यात्रा कल अधिवेशन स्थल पहुंचेगी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही ने कहा कि, अभाविप की केंद्रीय कार्यसमिति बैठक कई मायनों में अहम है, इस बैठक में प्रतिनिधियों ने महत्वपूर्ण शैक्षिक तथा समाजिक विषयों पर चिंतन व मंथन किया। अभाविप सदैव ही संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्षरत रही है, भारतीय मूल्य ही विकसित भारत की राह प्रशस्त करेंगे।

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में 7 दिसंबर को पांच लाख लोग करेंगे सामूहिक गीता पाठ

एजेंसी

कोलकाता। महानगर कोलकाता एक ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है। आगामी 7 दिसंबर को ब्रिगेड परेड ग्राउंड पर इस बार लगभग 5 लाख लोगों के सामूहिक गीता पाठ का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी सनातन संस्कृति संसद की ओर से रविन्द्र सदन में आयोजित पत्रकार वार्ता में घोषणा की। इस दौरान गौरवानन्द महाराज, प्रदीप्तानन्द महाराज और निर्गुणानन्द ब्रह्मचारी उपस्थित थे। आयोजकों ने बताया कि यह विशाल कार्यक्रम 7 दिसम्बर को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होगा जिसके लिए प्रशासनिक तैयारियां तेजी से चल रही हैं। आयोजन पूरी तरह धार्मिक और सामाजिक सद्भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इसे किसी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि से नहीं जोड़ा गया है। आयोजन में बिहार, असम, ओडिशा सहित अन्य राज्यों से भी लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही पड़ोसी देश नेपाल और बांग्लादेश से भी संत तथा गीता पाठ प्रेमियों को आमंत्रण भेजा गया है।

स्वामी प्रदीप्तानन्द ने कहा कि गीता आज घर-घर का ग्रंथ बन चुकी है और युवा पीढ़ी को नैतिकता की राह पर वापस लाने में इसके संदेश अत्यंत उपयोगी हैं। स्वामी निर्गुणानन्द ने कहा कि गीता पाठ भारतीय परम्परा का अभिन्न हिस्सा है और इसे युवाओं तक पहुंचाना समय की मांग है। उन्होंने बताया कि एक दिसम्बर को कोलकाता के दही घाट से एक हजार कलश लेकर यात्रा निकलेगी। मण्डप निर्माण से पहले भूमि पूजन किया जाएगा। पार्थ सारथि, चैतन्य और शंकराचार्य नामक तीन मंचों पर क्रमशः प्रथम, नवम और 18वां अध्याय का पाठ होगा। इस बार सामूहिक गीता पाठ के लिए समान ड्रेस कोड लागू किया गया है। महिलाओं के लिए लाल किनारी वाली साड़ी और हाथ में शंख रखा जाएगा जबकि पुरुषों के लिए

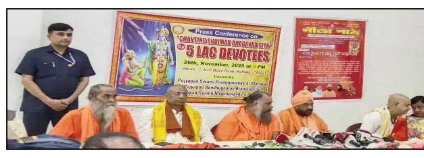

पंजाबी धोती निर्धारित किया गया है। किसी प्रकार का पंजीकरण नहीं होगा और हर इच्छुक व्यक्ति आयोजन में शामिल हो सकेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानन्द जी महाराज करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में पद्मभूषण साध्वी ऋतंभरा उपस्थित रहेंगी। इसके साथ ही योगऋषि रामदेव बाबा, धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज विशेष आमंत्रित अतिथि होंगे। आयोजकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ ही विशेष रूप से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आमंत्रित करने की घोषणा की है। आयोजकों ने बताया कि इस बार पांच लाख गीता की प्रतियां हिंदी और बंगला भाषा में निःशुल्क वितरित करने की योजना है। प्रशासनिक अनुमति की सभी प्रक्रियाएं अंतिम चरण में हैं और आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं।

भारत को आत्मनिर्भर बनने के लिए ग्रीन इकोनॉमी के रास्ते पर चलना होगा : सीईईडब्ल्यू

एजेंसी

नई दिल्ली। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के नए अध्ययन 'बिल्डिंग अ ग्रीन इकोनॉमी फॉर विकसित भारत' से यह तथ्य सामने आया है कि भारत 2047 तक सालाना 1.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (97.7 लाख करोड़ रुपये) की ग्रीन मार्केट की संभावनाएं खोल सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर यह अपनी तरह का पहला आकलन है, जो ऊर्जागत परिवर्तन (एनर्जी ट्रांजिशन), सर्कुलर इकोनॉमी और बायो-इकोनॉमी व प्रकृति-आधारित समाधानों (नेचर बेस्ड सॉल्यूशंस) में 36 ग्रीन वैल्यू चेन्स को चिन्हित करता है। ये संयुक्त रूप से विकसित भारत की यात्रा के लिए एक परिभाषित हरित आर्थिक अवसरों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस रिपोर्ट पर आयोजित डायलॉग में ग्रीन इकोनॉमी काउंसिल

(जीईसी) का शुभारंभ किया गया। सीईईडब्ल्यू के इस अध्ययन में चिन्हित मूल्य श्रृंखलाएं बताती हैं कि ये खरबों डॉलर के अवसर कहां पर मौजूद हैं। भूमि जैसी बाधाओं को दूर करने के लिए नीतिगत स्थिरता और निवेश को जोखिम मुक्त बनाने के लिए अब मिश्रित वित्त के उपाय आवश्यक हैं। समग्र-सरकार दृष्टिकोण के साथ, भारत ग्रीन फ्रंटियर वाले विकास मॉडल के संचालन के लिए आवश्यक पूंजी को जुटा सकता है। रिपोर्ट लॉन्च के अवसर पर पूर्व जी20 शेरपा, नीति आयोग के पूर्व सीईओ और जीईसी के अध्यक्ष अमिताभ कांत ने कहा, जिस तरह से भारत 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ रहा है, हम पश्चिम के विकास मॉडल का अनुसरण नहीं कर सकते है। हमारे अधिकांश बुनियादी ढांचे का निर्माण अभी बाकी है, इसलिए हमारे पास शहरों, उद्योगों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सर्कुलैरिटी, स्वच्छ ऊर्जा और बायोइकोनॉमी के आस-पास निर्माण करने का एक अनूठा अवसर मौजूद है। जिस तरह डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने भारत को तकनीकी रूप से आगे बढ़ने में सक्षम बनाया है, - सात वर्षों में वह हासिल किया जो दशकों में हो पाता - हमें अब ग्रीन इकोनॉमी में एक छलांग लगानी चाहिए। जहां दुनिया का अधिकांश हिस्सा पुरानी प्रणालियों में फंसा हुआ है, सर्कुलर और संसाधन-कुशल वैल्यू चेन्स पर निर्मित एक विकसित भारत एक नये विकास मार्ग को परिभाषित कर सकता है और हरित विकास के लिए एक वैश्विक बेंचमार्क स्थापित कर सकता है।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया तीन दिवसीय प्रवास पर पहुंचे मप्र, मुख्यमंत्री से की मुलाकात

एजेंसी

भोपाल। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मध्य प्रदेश के तीन दिवसीय प्रवास पर पहुंचे है। उन्होंने बुधवार देर शाम भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया का स्वागत किया। इस दौरान उनके बीच विकास कार्यों को लेकर चर्चा हुई। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया रात्रि 11:30 बजे गुना पहुंचेंगे और यहां सर्किट हाऊस गुना में रात्रि विश्राम करेगें। वे गुरुवार, 27 नवम्बर को सुबह 10:00 बजे जनर्सपर्क कार्यालय पर आमजन की समस्याएं सुनेगें। जिसके पश्चात केद्रीय मंत्री सिंधिया दोपहर 12:15 बजे बमोरी के मूँडरा हनुमान पहुचंकर विद्युत सबस्टेशन का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगें। दोपहर 2:30 बजे केन्द्रीय मंत्री सिंधिया गुना में सिंगवासा पर रेल्वे ओवर ब्रिज का भूमिपूजन करेगें।जिसके पश्चात केन्द्रीय मंत्री सिंधिया शिवपुरी जिले का भ्रमण कर रात्रि विश्राम सर्किट हाऊस गुना में करेंगे। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया अगले दिन 28 नवंबर को सुबह 11:10 बजे श्यामा प्रसाद मुखर्जी खेल प्रशाल गुना में सांसद महोत्सव एवं दिव्यांगजनों को ट्रायसाईकिल वितरित करेंगे। जिसके पश्चात केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ग्राम कोन्कर में ब्रिज भूमिपूजन करेगें। कार्यक्रम पश्चात केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ईसागढ भ्रमण कर रात्रि विश्राम सर्किट हाऊस गुना में करेंगे। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया 29 नवम्बर को होटल राजश्री में व्यापारियों के साथ बैठक करेंगे। जिसके पश्चात सिंधिया दोपहर 01 बजे पत्रकार भवन उदघाटन करेंगे। शाम 04:45 बजे केन्द्रीय मंत्री सिंधिया जिज्जी की पंचायत उदघाटन कर इन्दौर के लिये प्रस्थान करेंगे।

बिहार चुनावों में बंपर जीत के बाद जेपी नड्डा के घर रात्रि भोज, आगे की रणनीति पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार चुनाव में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिली सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर विशेष रात्रि भोज का आयोजन किया गया। इस भोज में बिहार जीत में अहम भूमिका निभाने वाले नेता शामिल हुए। खासतौर पर गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार इस भोज में कई राज्यों में होने वाले चुनावों को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। गृह मंत्री ने सभी नेताओं को जीत की बधाई देते हुए आगे के चुनावों में जुट जाने को कहा। इस बैठक में उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य, मोहित बेनीवाल, बिहार क्षेत्रिय संगठन मंत्री नागेंद्र, बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और मंत्री सम्राट चौधरी पहुंचे। इनके अलावा भाजपा के महासचिव तरुण चुग, दुष्यंत गौतम, विजय सिन्हा, नरोत्तम मिश्रा, सिद्धार्थनाथ सिंह, नित्यानंद राय, के साथ अन्य राज्यों के नेताओं को भी बुलाया गया।

बैठक के बाद बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने एक्स

पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि आज राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा के सरकारी आवास पर आयोजित अभिनन्दन समारोह में सम्मिलित हुआ।

समारोह के दौरान गृह मंत्री अमित शाह जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा जी एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी. एल. संतोष जी का संगठन की कार्यशैली, भविष्य की राष्ट्रीय रणनीति तथा आने वाले समय में जनकल्याण केंद्रित अभियानों को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी निष्ठा, परिश्रम और समर्पण के साथ जुड़े सभी गणमान्य जन एवं कार्यकर्ताओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। सबके समर्पित प्रयास, अनुशासन और एकजुट कार्यशैली से ही संगठन निरंतर मजबूत हो रहा है और अपने लक्ष्यों की ओर तेज गति से अग्रसर है।

सिपन कुमार गर्ग ने किया टीएचडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार ग्रहणे

एजेंसी

ऋषिकेश। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सिपन कुमार गर्ग ने ऋषिकेश मुख्यालय में ग्रहण किया है। वर्तमान में वे टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक (वित्त) के पद पर कार्यरत हैं। सिपन गर्ग को विद्युत क्षेत्र में वित्त, लेखा,कराधान और वाणिज्यिक कार्यों में 24 वर्ष से अधिक का अनुभव है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में अपनी नियुक्ति से पूर्व वेने एनटीपीसी लिमिटेड की सहायक कंपनियों अरावली पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड में बतौर मुख्य वित्त अधिकारी के रूप में कार्य किया है। वे एनटीपीसी के कॉर्पोरेट लेखा समूह और कोलडैम हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में भी प्रमुख भूमिका में रह चुके हैं।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में अदालत में 7000 पन्नों का 6वां पूरक आरोपपत्र पेश

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हुए कथित 3200 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में आज महत्वपूर्ण कार्रवाई हुई है। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा एवं एन्टी करप्शन ब्यूरो की रायपुर की विशेष अदालत में पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास समेत कारोबारी नीतेश पुरोहित, यश पुरोहित, अतुल सिंह सहित कुल 6 आरोपितों के खिलाफ आज 6वां आरोपपत्र पेश कर दिया गया। इस प्रकरण में अब तक कुल 50 आरोपितों के विरुद्ध चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया जा चुका है और मामले की विवेचना जारी है।

जांच एजेंसी ने अदालत में 7000 पन्नों का 6वां पूरक आरोपपत्र पेश किया जिसमें सभी आरोपितों की भूमिका, वित्तीय लेनदेन और कथित अनियमितताओं का विवरण शामिल है।आरोपपत्र के अनुसार आरोपित तत्कालीन आबकारी आयुक्त एवं सचिव (आबकारी) निरंजन दास ने लगभग तीन वर्ष की अपनी पदस्थापना अवधि में आबकारी नीति एवं अधिनियम में बदलाव, विभागीय

टेंडरों में हेरफेर, विशेष व्यक्तियों और सक्रिय सिंडिकेट को लाभ पहुंचाने वाली व्यवस्थाएं जानबूझकर की, ताकि पूर्व आइएएस अनिल टुटेजा एवं अनवर ढेबर के संरक्षण वाले सिंडिकेट को अवैध कमीशन उगाही में सीधा लाभ मिल सके। ईओडब्ल्यू ने पाया है कि बदले में निरंजन दास को प्रतिमाह 50 लाख रुपये तक की हिस्सेदारी मिलती थी। उनकी पदस्थापना अवधि के वित्तीय लेन-देन के विश्लेषण से कम से कम 16 करोड़ रुपये की अवैध आय अर्जित की है। यह राशि उनके और उनके स्वजनों के नाम पर अचल संपत्तियों में निवेश किए जाने के प्रमाण भी सामने आए हैं। आगे की जांच में यह रकम और भी अधिक होने की संभावना जताई गई है।जांच में राजफाश हुआ कि विदेशी मदिरा पर शराब प्रदाता कंपनियों से जबरन कमीशन उगाही के उद्देश्य से बनाई गई दोषपूर्ण एफएल-10ए लाइसेंसी प्रणाली के कारण राज्य शासन को करीब 530 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इससे आरोपित अतुल सिंह और मुकेश मनचंदा पर यह आरोप सिद्ध हुआ कि इन्होंने सिंडिकेट और कंपनियों के बीच बिचौलिए की भूमिका निभाई और कमीशन की बड़ी रकम सिंडिकेट तक पहुंचाई। इसके अलावा, ओम साई बेवरेजेस प्रालि को भी करीब 114 करोड़ रुपये का अवैध लाभ मिलने के प्रमाण मिले हैं। कारोबारी अनवर ढेबर के करीबी सहयोगी नितेश पुरोहित और उसके पुत्र यश पुरोहित ने हवाला के जरिए एक हजार करोड़ रुपये की गड़बड़ी की है । ईओडब्ल्यू की जांच के अनुसार, दोनों ने अपने होटल गिरिराज, जेल रोड, रायपुर में शराब घोटाले से वसूली गई रकम इकट्ठा करने, छुपाने, प्रबंधन और रकम को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का काम किया। जांच में उजागर हुआ कि अनवर ढेबर का करीबी होटल वेलिंग्टन कोर्ट का मैनेजर चावड़ा सिंडिकेट की बड़ी रकम को शीर्ष व्यक्तियों तक पहुंचाता था।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 41 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण, 1.19 करोड़ का था इनाम

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 41 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन पर एक करोड़ 19 लाख रुपये का इनाम घोषित था। जिन 41 माओवादियों का आत्मसमर्पण हुआ है, उनमें साउथ सब जोनल ब्यूरो के 39 माओवादी हैं, जबकि तेलंगाना स्टेट कमेटी, धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा डिवीजन के माओवादी शामिल हैं।बीजापुर पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति माओवादियों को आकर्षित कर रही है। आत्मसमर्पण करने वालों के परिजन भी चाहते हैं कि वे सामान्य जीवन जियें और समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें। उन्होंने कहा कि माओवादी भ्रामक और हिंसक विचारधाराओं को त्यागकर निर्भय होकर समाज की मुख्यधारा में लौटें। शासन की 'पूना मारगेम' नीति उनके भविष्य को सुरक्षित, सम्मानजनक और स्वावलंबी बनाने के लिए हर संभव सुविधा प्रदान कर रही है।राज्य शासन की व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति तथा शांति, संवाद एवं विकास पर आधारित सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप बुधवार

को 41 माओवादियों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। इसमें 12 महिला कैडर और 29 पुरुष कैडर शामिल हैं, जिन्होंने सशस्त्र और हिंसक विचारधारा से स्वयं को अलग कर शांति और प्रगति के मार्ग को अपनाया है। इन 41 कैडरों में पीएलजीए बटालियन न.01 एवं अलग-अलग कंपनी के 05 सदस्य, एसीएम- 03, प्लाटून एवं एरिया कमेटी पार्टी सदस्य- 11, पीएलजीए सदस्य- 02, मिलिशिया प्लाटून कमाण्डर- 04, मिलिशिया प्लाटून डिप्टी कमांडर- 01, मिलिशिया प्लाटून सदस्य- 06, अलग-अलग आरपीसी के जनताना सरकार अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य, डीएकेएमएस, केएएमएस अध्यक्ष/सदस्य- 09 सदस्य शामिल हैं। बीजापुर में एक जनवरी 2025 से अब तक माओवादी घटना में शामिल 528 माओवादी गिरफ्तार हुए, 560 माओवादी मुख्यधारा में लौटे एवं जिले में अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 144 माओवादी मारे गए है। 01 जनवरी 2024 से अब तक 790 माओवादी मुख्यधारा में लौटे, 1031 माओवादी गिरफ्तार हुए, 202 माओवादी अलग-अलग मुठभेड़ में मारे गये।

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी में दीप्ति को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा

सोफी को गुजरात ने 2 करोड़ रुपये में शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) 2026 के लिए यहां हुई पहली मेगा में कुल 277 खिलाड़ी शामिल हुईं। इसमें 194 भारतीय और 83 विदेशी खिलाड़ी शामिल हुईं। इसमें इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में ज जबकि ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। दीप्ति शर्मा को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन को गुजरात जायंट्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा। अमेलिया को 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस ने अपने साथ जोड़ा। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली को नहीं मिला खरीदार। इस मैगा नीलामी में अधिक से अधिक 73 खिलाड़ियों को ही खरीदा जा सकेगा। इसमें पांच टीमों में 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी के लिए ही स्लॉट है। हर फ्रेंजाइजी अपने स्क्वॉड में कम से कम 15 और ज्यादा से ज्यादा 18 प्लेयर ही शामिल कर सकती है।

इससे पहले टीमों ने कुल 17 खिलाड़ियों को रिटेन किया था, जिनमें 7 विदेशी और 3 अनकैप्ड हैं। ऐसे में टीमें अपने 2025 स्क्वॉड के खिलाड़ियों को वापस पाने के लिए राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का इस्तेमाल कर सकती हैं। जिन फ्रेंचाइजी ने कम खिलाड़ियों को रिटेन किया, उसके पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए मोटी रकम है। हर टीम का पर्स 15 करोड़ रुपये, जिसमें रिटेंशन भी शामिल है। मुम्बई और दिल्ली आरटीएम इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी क्योंकि उन्होंने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है

यूपी वॉरियर्स : दीप्ति शर्मा ,सोफी और लैनिंग

स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा यूपी वॉरियर्स में ही रहेंगी। उन्हें यूपी ने 3.2 करोड़ में लिया है। डीसी ने दीप्ति में दिलचस्पी दिखाई लेकिन यूपी ने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर बाजी मार ली। वह महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

इंग्लैंड की सोफी को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में खरीदा है। यूपी ने आरटीएम ऑप्शन से सोफी को खरीदा। वहीं यूपी ने ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। लैनिंग का आधारमूल्य 50 लाख था। वह पिछले तीन सीजन दिल्ली के लिए खेलीं।

मुंबई इंडियंस : अमेलिया केर

अमेलिया केर 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस के साथ बनी रहेंगी। न्यूज़लैंड की ऑलराउंडर के लिए मुंबई और यूपी वॉरियर्स के बीच बिडिंग वॉर देखने को मिली। गुजरात जायंट्स ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को 60 लाख रुपये में लिया है।

गुजरात जायंट्स : सोफी डिवाइन

न्यूजीलैंड की दिग्गज प्लेयर सोफी डिवाइन गुजरात जायंट्स का हिस्सा बन गई हैं।

उन्हें जीजी ने दो करोड़ रुपये में खरीदा। दिल्ली ने 1.9 करोड़ तक की बोली लगाई लेकिन बाजी जीजी ने मारी। उनका बेस ब्राइस 50 लाख था।

वहीं 50 लाख रुपये आधार मूल्य वाली ऑस्ट्रेलिकया की दिग्गज खिलाड़ी एलिसा हीली को कोई खरीदार नहीं मिला।

शुभमन बोले, टीम और मजबूत होकर उभरेगी

शांत समुद्र नहीं तूफान ही रास्ता दिखाता है

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने दक्षिण साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार पर निराशा जतायी है। शुभमन इस सीरीज के पहले टेस्ट में गर्दन में आई जकड़न के बाद बाहर हो गये थे। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। भारतीय टीम सीरीज के दोनो ही मैच हार गयी है। दूसरे टेस्ट में उसे 408 रनों से बड़ी हार मिली। शुभमन ने कहा है कि इस बार के बाद टीम और मजबूत होकर उभरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रन जबकि दूसरे में 408 रनों से हारी थी। इस हार से टीम के प्रदर्शन के साथ ही गंभीर की कोचिंग पर भी सवाल उठे हैं। वहीं शुभमन ने सोशल मीडिया में टीम के बचाव में लिखा, ''शांत समुद्र आपको रास्ता दिखाना नहीं सिखाता, बल्कि तूफान ही मजबूत बनाता है। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे, एक-दूसरे के लिए संघर्ष करते हुए आगे बढ़ते हुए मजबूत बनेंगे।'' एक साल के अंतराल में भारतीय टीम को को घरेलू टेस्ट सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 3-0 और अब दक्षिण अफ्रीका से 2-0 की हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से ही गंभीर आलोचकों के निशाने पर हैं और प्रशंसक उन्हें हटाने की मांग करते दिख रहे हैं। इससे भारतीय टीम की अपनी धरती पर अजेय रहने की छवि भी टूटी है।

गावस्कर ने गंभीर का बचाव किया, बोले हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा है कि उनके ही मार्गदर्शन में चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में जीत मिली थी। गंभीर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम को मिली हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। इसका कारण है कि उसे पिछले साल न्यूजीलैंड और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इन हालातों में जहां अधिकतार लोग गंभीर के विरोध में हैं और उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। वहीं गावस्कर का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली शर्मनाक हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार हैं। गावस्कर का कहना है कि आप जब हारते हैं, तभी कोच को दोष देते हैं, लेकिन जीत के लिए उसे उतना श्रेय नहीं मिलता।

गावस्कर ने कहा कि भारतीय कोच की आलोचना लोग शीघ्र करने लगते हैं पर सफलता के समय उन्हें श्रेय नहीं देते। गावस्कर ने कहा, ÷वह एक कोच हैं। कोच एक टीम तैयार कर सकता है पर मैदान पर कोच नहीं खिलाड़ियों को प्रदर्शन करना होता है। अब, जो लोग कोच से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं तो मैं उनसे पूछता हूं कि जब भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत था तो आपने क्या किया था? क्या आपने उन्हें श्रेय दिया था?

उन्होंने साथ ही कहा, क्या आपने तब ऐसा कहा था? जो आप अब उनको निकालने की मांग कर रहे हैं–क्या आपने तब कहा था कि उन्हें एक लंबा अनुबंध नहीं दिया जाना चाहिए। जब कोई टीम अच्छा नहीं करती, तभी आप कोच को भला-बुरा कहते हैं। गावस्कर के अनुसार तीनों प्रारुपों में कोचिंग करना आसान नहीं है।

घरेलू खिलाड़ियों को मिलेगा मौका, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भारतीय टीम में हो सकता है बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है।

करुण नायर इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है।

इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एक पूर्व चयनकर्ता से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'लोग अभिमन्यु और सरफराज को नहीं चुनने के लिए अजीत और उनकी समिति को दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या मुख्य कोच (गौतम गंभीर) और नए कप्तान (शुभमन गिल) को उनकी क्षमता पर भरोसा है। अगर नहीं, तो अकेले अजीत क्या करेंगे।' लेकिन संभवतः अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा, 'एक बात स्पष्ट कर दूं कि कपिल देव अंतिम विश्वस्तरीय ऑलराउंडर थे और टेस्ट स्तर पर अंतिम सक्षम ऑलराउंडर मनोज प्रभाकर थे जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में आगाज कर सकते थे। जहां तक हार्दिक पांड्या का सवाल है तो उनका शरीर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है।'

उन्होंने कहा, ''लेकिन नितीश रेड्डी टुकड़ों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह ज़्यादा से ज़्यादा टी20 खेल सकते हैं, वनडे नहीं और गौतम को यह बात समझने की जरूरत है।' रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है। उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान समय में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है।

टी20 विश्वकप फाइनल ऑस्ट्रेलिया से खेलकर जीतना चाहते हैं सूर्यकुमार

मुंबई । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम 2026 विश्वकप में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। सूर्यकुमार 2024 में विश्वकप विजेता भारतीय टीम में शामिल थे हालांकि तब टीम की कप्तानी रोहित शर्मा के पास थी। ऐसे में अब सूर्यकुमार अपनी कप्तानी में टीम को खिताब जिताने के इरादे से उतरेंगे। सूर्यकुमार चाहते हैं कि इस टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से हो जिसमें उसे हराकर अहमदाबाद के मैदान पर 2023 एकदिवसीय विश्वकप की हार का बदला लिया जा सके। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ ग्रुप बी में जगह मिली है। भारत ने पिछले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी उन्हें चार विकेट से हराया था पर ये अलग मैदान थे। भारतीय खिलाड़ी चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया को उसी उसी मैदान पर हरायें जिसपर उसे 10 मैच जीतने के बाद फाइनल में हार मिली थी। जब सूर्या से पूछा गया कि अगले साल के टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबले में वह किस टीम का सामना करना चाहेंगे तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, ''अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में।''वहीं भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी सूर्या की बात का समर्थन किया, जिनकी टीम ने हाल ही के विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद खिताब जीता था। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया ही एकमात्र टीम है जिसे हम हराना चाहते हैं, क्योंकि यह वह गेम है जो आपके साथ रहता है।''

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद अश्विन का ऋषभ पंत पर तीखा तंज : जब तक जिम्मेदारी नहीं लेंगे, कुछ नहीं बदलेगा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऋषभ पंत की बल्लेबाजी कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका खेल और डिफेंस शानदार है। हालाँकि, उन्होंने पंत के लापरवाह शॉट चयन पर भी निराशा व्यक्त की, जिसके कारण अक्सर उन्हें आउट होना पड़ता है। अश्विन का मानना है कि पंत एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और उनमें महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की क्षमता है, लेकिन उन्हें अधिक ज़िम्मेदारी लेने और अपने शॉट्स के साथ अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। यह बात भारत को दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से 408 रनों से मिली शर्मनाक हार के बाद आई है, जिसके परिणामस्वरूप श्रृंखला 0-2 से हार गई। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर कहा कि जब ऋषभ पंत बल्लेबाजी करते थे तो ड्रेसिंग रूम में मेरी धड़कनें तेज़ हो जाती थीं। उनका खेल और डिफेंस शानदार है, इसलिए मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि वह ऐसे शॉट क्यों खेलते हैं। मैं अब भी कहूँगा कि वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, और जिस दिन वह ज़िम्मेदारी लेंगे, चीजें बदलने लगेंगी। मैं उनके एक्स-फैक्टर से इनकार नहीं करता। नाथन एस्टल ने एक बार क्राइस्टचर्च में 200 के करीब रन बनाए थे। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन उसके बाद वह हर टेस्ट में एक जैसा नहीं खेला। इसी तरह, बल्लेबाज़ हर बार एक जैसा नहीं खेल सकते। मैंने ड्रेसिंग रूम में भी कहा है, लेकिन जब तक उसे इसका एहसास नहीं होगा, यह बदल नहीं सकता। अगर आप आज कप्तान हैं, तो 10 दूसरे आपके नक्शेकदम पर चलेंगे। इसलिए ज़िम्मेदारी ज़रूरी है। पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत के कार्यवाहक कप्तान थे क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण मैच से बाहर हो गए थे। पंत का प्रोटियाज़ टेस्ट सीरीज़ में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उन्होंने चार पारियों में सिर्फ़ 49 रन बनाए।

सुल्तान अजलान शाह कपः रोमांचक मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 4-3 से हराया

इपोह (मलेशिया) (एजेंसी)। सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम ने मेजबान मलेशिया को 4-3 के रोमांचक मुकाबले में मात देकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। भारत के लिए सेल्वम कार्थी (7'), सुखजीत सिंह (21'), अमित रोहिदास (39') और कप्तान संजय (53') ने गोल किए। वहीं मलेशिया के लिए फैजल सारी (13'), फितरी सारी (36') और कप्तान मरहान जलील (45') ने गोल दागे।

इस जीत के साथ भारत तीन मैचों में छह अंकों के साथ अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत ने पहला मुकाबला कोरिया के खिलाफ जीता था, जबकि दूसरे मैच में बेल्जियम से हार मिली थी।

पहला हाफः तेज शुरुआत, फिर मलेशिया की बराबरी

भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और शुरुआती मिनटों में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लगातार दबाव का फायदा टीम को 7वें मिनट में मिला जब सुखजीत के बेहतरीन मूव पर सेल्वम कार्थी ने आसान टैप-इन से गोल किया। हालांकि, पहले क्वार्टर के अंत में यशदीप सिवाच की गलती से मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे फैजल सारी ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरा क्वार्टरः भारत ने फिर बनाई बढ़त

21वें मिनट में अभिषेक के शॉट को रिबाउंड पर नियंत्रित करते हुए सुखजीत सिंह ने भारत के लिए दूसरा गोल किया। भारत को बढ़त बढ़ाने के अवसर मिले, लेकिन मलेशिया की डिफेंस ने और गोल नहीं होने दिया। हाफ टाइम तक भारत 2-1 से आगे रहा।

तीसरा क्वार्टरः दोनों टीमों का कड़ा संघर्ष

तीसरे क्वार्टर में शुरुआत भारत के पेनल्टी कॉर्नर से हुई, लेकिन टीम मौके को भुना नहीं पाई। इसके बाद 34वें मिनट में जुगराज सिंह को ग्रीन कार्ड मिला, जिसका फायदा उठाते हुए मलेशिया ने फितरी सारी की मदद से 2-2 की बराबरी कर ली। कुछ देर बाद भारत की ओर से अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर जोरदार हिट लगाकर स्कोर 3-2 कर दिया। क्वार्टर के आखिरी मिनट में सेल्वम कार्थी येलो कार्ड से बाहर हुए और मलेशिया ने खिलाड़ियों की संख्या का फायदा उठाते हुए कप्तान मरहान जलील के जरिए मैच को फिर बराबरी पर ला दिया (3-3)।

आखिरी क्वार्टरः कप्तान संजय बने हीरो

अंतिम क्वार्टर में मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर था। भारतीय गोलकीपर पवन ने एक कठिन शॉट रोककर स्कोर को बराबरी पर बनाए रखा। 53वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे कप्तान संजय ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर भारत को चौथी बार बढ़त दिलाई (4-3)।

आखिरी मिनटों में मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और पवन के शानदार बचाव ने जीत सुनिश्चित कर दी। भारत ने मुकाबला 4-3 से अपने नाम किया।

अगला मुकाबला

भारत अपना अगला सुल्तान अजलान शाह कप 2025 मैच गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

सिराज का एयर इंडिया एक्सप्रेस पर फूटा गुस्सा : 'सबसे घटिया एयरलाइन अनुभव', 4 घंटे की देरी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारत के तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज ने एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में हुई देरी पर अपनी निराशा और हताशा व्यक्त की है। उन्होंने इसे एयरलाइन की ओर से संचार और अपडेट की कमी के कारण सबसे खराब एयरलाइन अनुभव बताया है। दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रनों से शर्मनाक हार के बाद सिराज गुवाहाटी से हैदराबाद लौट रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप दो मैचों की श्रृंखला 0-2 से हार गई। पिछले साल न्यूज़ीलैंड से 3-0 की हार के बाद, यह भारत का घरेलू मैदान पर दूसरा क्लीन स्वीप है। सिराज ने बुधवार शाम को उड़ान में हुई देरी पर नाराज़गी जताई, जो शाम 7.25 बजे उड़ान भरने वाली थी। उन्होंने एयरलाइन की संचार की कमी को उजागर किया। एक एक्स पोस्ट में, सिराज ने लिखा कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या IX 2884 को 7.25 पर उड़ान भरनी थी, लेकिन एयरलाइन की ओर से कोई सूचना नहीं मिली है और बार-बार संपर्क करने के बाद भी उन्होंने बिना किसी उचित कारण के उड़ान में देरी कर दी है। यह वास्तव में निराशाजनक है और हर यात्री की यही आम शिकायत है। उड़ान में 4 घंटे की देरी हुई और अभी तक कोई अपडेट नहीं मिलने से हम फंस गए हैं। एयरलाइन का सबसे खराब अनुभव। मैं वास्तव में किसी को भी इस उड़ान से जाने की सलाह नहीं दूंगा अगर वे कोई स्टैंड नहीं ले सकते। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गुरुवार को बताया कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली उसकी उड़ान (IX 2884) अप्रत्याशित परिचालन कारणों से रद्द कर दी गई है। यह स्पष्टीकरण तब आया जब सिराज ने सार्वजनिक रूप से एयरलाइन पर गुवाहाटी से उड़ान में देरी और इस संबंध में संचार की कमी का आरोप लगाया। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सिराज के X पोस्ट के जवाब में कहा कि हमें आपको यह बताते हुए खेद हो रहा है कि अप्रत्याशित परिचालन कारणों से उड़ान रद्द कर दी गई है। हवाई अड्डे पर हमारी टीम सभी मेहमानों को आवश्यक व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से सहायता कर रही है। हम समझते हैं कि यह स्थिति कितनी कठिन है, और हम आपके धैर्य और समझ की सराहना करते हैं। कृपया आश्वस्त रहें कि हमारी टीम आपको अपडेट देती रहेगी और हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

कमिंस को दूसरे और हेलवुड को तीसरे टेस्ट में उतार सकता है ऑस्ट्रेलिया : रिपोर्ट

ब्रिसबेन । यहां इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां 4 दिसंबर से शुरु हो रहे दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट की तैयारियां जारी है। इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस को उतार सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार तेज गेंदबाज कमिंस के आने से मेजबान टीम का गेंदबाजी आक्रमक और मजबूत होगा। कमिंस अब फिट हैं और अभ्यास सत्र में जमकर गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्हें दूसरे एशेज टेस्ट से पहले गुलाबी गेंद से अभ्यास करते देखा गया, जो एक दिन-रात का मैच होगा. वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड भी अभ्यास सत्र में उतर गये हैं पर उनके तीसरे टेस्ट में उतरने की संभावना है। हेजलवुड को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर रखा गया था। हेज़लवुड को सिडनी के क्रिकेट सेंट्रल में नेट्स पर लाल गेंद से गेंदबाजी करते देखा गया। ऐसे में ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट मैच के लिए उनके खेलने की संभावना कम है पर माना जा रहा है कि वह एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि टीम को उम्मीद है कि हेज़लवुड मौजूदा एशेज सीरीज़ के बाद के मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। मैकडॉनल्ड ने कहा, 'मुझे पता है कि वह सीरीज़ के दौरान किसी न किसी समय उपलब्ध रहेंगे। हमें अभी थोड़ा सा शुरुआती पुनर्वास करना है जिससे यह तय किया जा सके कि वह सीरीज़ में कहाँ खेल सकते हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह सीरीज़ में कुछ हिस्सा लेंगे। कोच मैकडॉनल्ड ने कहा कि कमिंस का रिहैब पूरा होने के करीब हैं।

पंत का 'सॉरी' संदेश, टीम इंडिया के शर्मनाक प्रदर्शन पर फैंस से मांगी माफी, वापसी का लिया संकल्प

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टीम इंडिया के 0-2 से हारने के बाद, ऋषभ पंत ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश पोस्ट करके प्रशंसकों से माफ़ी मांगी। पंत ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि हमने पिछले दो हफ्तों में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, हम हमेशा उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करना चाहते हैं और अरबों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। माफ़ कीजिए, इस बार हम उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए, लेकिन खेल आपको एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, सीखना, ढलना और आगे बढ़ना सिखाता है।

ऋषभ पंत ने आगे लिखा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है और हम एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में मज़बूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और खुद को फिर से तैयार करेंगे। आपके अटूट समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद! जय हिंद। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे।

पंत ने चार पारियों में 12.25 की खराब औसत से सिर्फ 49 रन बनाए। केएल राहुल 30 नवंबर से रांची में शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में टीम इंडिया की अगुवाई करेंगे। राहुल कप्तानी संभालेंगे क्योंकि भारत अपने नियुक्त एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल के बिना होगा। 26 वर्षीय खिलाड़ी को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन चोट लगी थी और पहली पारी में सिर्फ तीन गेंदों का सामना करने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। वह दूसरे टेस्ट के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए हैं और मुंबई में उनका मूल्यांकन जारी रहेगा।

राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता टीम महिला टीम से मुलाकात कर जीत की बधाई दी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष में नेता राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात कर उसे जीत की बधाई देने के साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। राहुल के दिल्ली स्थित निवास 10 जनपथ में विश्वकप विजेता टीम पहुंची थी। इस मौके पर राहुल ने खिलाड़ियों के धैर्य और खेल कौशल को भी सराहा। भारतीय टीम ने रविवार को कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में नेपाल को 7 विकेट से हराया था। इस मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट पर 114 रन बनाए थे। इसके बाद ये लक्ष्य भारतीय टीम ने 12.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने इस विश्व कप ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल और अमेरिका को हराकर खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 9 विकेट से जबरदस्त जीत दर्ज की थी। इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अपने सभी 7 मैच जीते।भारतीय टीम जब खिताब जीतकर भारत लौटी, तो बेंगलुरु एयरपोर्ट पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। भारतीय टीम की कप्तान दीपिका ने विश्व कप खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए कहा था, हमें देश को खिताब जिताकर बेहद खुशी है। पूरी टीम ने एकसाथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है खिलाड़ियों ने अपनी जिंदगी में काफी मेहनत की है। यह हमारे लिए गर्व का अवसर है।

टीवी पर काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा अनुभव है

टीवी हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है। छोटे पर्दे ने न सिर्फ हमें मनोरंजन दिया है, बल्कि हमारी सोच, हमारी भावनाओं और हमारे रिश्तों को समझने का तरीका भी बदल दिया है। वर्ल्ड टेलीविजन डे पर आईएएनएस से बात करते हुए टीवी एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे यह माध्यम उनके जीवन और करियर दोनों में एक अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना सिर्फ एक नौकरी नहीं है, बल्कि यह उन्हें सीखने, बढ़ने और दर्शकों के साथ गहरे भावनात्मक रूप से जुड़ने का जरिया भी देता है। इंटरव्यू में अमनदीप ने कहा कि टीवी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। उन्होंने कहा, टीवी सिर्फ करियर बनाने का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसने मुझे अपनी आवाज और मकसद खोजने में मदद की है। इसके जरिए मैं लोगों के साथ जुड़ पाती हूं और अपनी कहानियों के माध्यम से भावनाओं और अनुभवों को साझा कर सकती हूं। टीवी मेरे लिए दर्शकों से जुड़ने वाला एक पुल है, जहां कहानी और भावनाएं सीधे लोगों तक पहुंचती हैं।

उन्होंने आगे कहा, टीवी पर काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा अनुभव है। एक्टिंग हमेशा से मेरा शौक रहा है और हर दिन नए किरदार में ढलना मुझे अंदर से बेहद खुशी देता है। हर प्रोजेक्ट मेरे लिए एक नए सफर जैसा होता है, जो मेरे जीवन, संघर्ष और खुद को समझने का मौका देता है। टीवी ने सिखाया कि कैसे कठिनाइयों का सामना किया जाता है और जीवन के हर अनुभव से सीख ली जाती है। अमनदीप ने नागिन 6 के अनुभव को साझा करते हुए कहा, टीवी पर काम करने का सबसे खास हिस्सा है रोजाना का रूटीन और दर्शकों के साथ जुड़ाव। जब मैं किसी डेली सोप में काम करती हूं, तो मेरा किरदार समय के साथ विकसित होता है और मुझे व्यक्तिगत रूप से भी सीखने का मौका मिलता है। दर्शकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया मुझे खुशी देती है और यह अनुभव दर्शकों के बीच एक खास रिश्ता बनाता है।

बॉयफ्रेंड राहुल मोदी की फिल्म में काम करेंगी श्रद्धा कपूर

अपनी सादगी से फैंस के दिलों पर राज करने वालीं श्रद्धा कपूर जहां इन दिनों पैर में फैक्चर के कारण घर पर आराम फरमा रही हैं, वहीं उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसके बाद उनके दीवानों की बांछे खिल गई हैं। स्त्री एक्ट्रेस ने कंफर्म किया है कि उनकी अगली फिल्म कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ होगी। राहुल मोदी एक राइटर और फिल्ममेकर हैं। श्रद्धा बीते दिनों फिल्म ईथा की शूटिंग के दौरान घायल हो गईं। वह लावणी डांस सीक्वेंस शूट कर रही थीं, जबकि उनका पैर फैक्चर हो गया। एक्ट्रेस ने हेल्थ अपडेट भी दिया है। बताया है कि सेहत में सुधार है। श्रद्धा ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि ईथा के बाद वह राहुल मोदी की एक फिल्म में दिखेंगी, जो स्टार्टअप्स की दुनिया की कहानी होगी। श्रद्धा ने कहा कि फिल्म में उनका रोल बहुत चैलेंजिंग है।

शहीद विजय सालस्कर की बायोपिक करेंगी प्रोड्यूस

श्रद्धा कपूर ने ये भी बताया कि वह बतौर प्रोड्यूसर सुपर फैट स्टूडियो के साथ दो फिल्में को-प्रोड्यूस करने वाली हैं। इनमें से एक फिल्म जाबांज पुलिस अफसर एक पुलिसवाले विजय सालस्कर की कहानी होगी, जो 26/11 हमलों में शहीद हो गए थे। इसे अखिव अली डायरेक्ट करेंगे। विजय सालस्कर ने दगड़ी चॉल में अरुण गवली के गैंग के कई गुंडों का एनकाउंटर किया था।

एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी कर ली है पूरी

श्रद्धा कपूर ने एक और खुलासा किया कि उन्होंने एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। उन्होंने कहा, मैंने एक फिल्म की शूटिंग पहले ही कर ली है। इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, इसलिए मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकती। लेकिन जल्द ही इसको लेकर ऐलान होगा।

स्टार्टअप कल्चर पर आधारित होगी श्रद्धा-राहुल की फिल्म

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि इस प्रोजेक्ट के बाद वह अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी की फिल्म कर रही हैं। उन्होंने कहा, उसके बाद मैं राहुल की फिल्म कर रही हूं। उसके बारे में बिंदास बात कर सकती हूं। यह स्टार्टअप की दुनिया की फिल्म है। यह हसल कल्चर यानी बिजनस की दुनिया में मची हलचल और उसकी एनर्जी पर आधारित है। मेरे लिए एकदम नया किस्म का रोल है जो बहुत ज्यादा चैलेंजिंग है।

कौन हैं, कहां से हैं राहुल मोदी?

राहुल मोदी और श्रद्धा कपूर ने कभी खुलकर अपने रिश्ते पर मुहर नहीं लगाई है, लेकिन एक्ट्रेस ने कई बार फैंस को अपने रिश्ते को लेकर हिंट दिया है। राहुल मोदी एक राइटर और फिल्ममेकर हैं। वह प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी, और तू झूठी मैं मक्कार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। राहुल मोदी मुंबई से ही हैं। उन्होंने लव रंजन की 2011 में रिलीज प्यार का पंचनामा के सेट पर बतौर इंटर्न करियर की शुरुआत की थी।

जान-बूझकर चुन रही हैं कम फिल्में

एक विलेन फेम एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वह करियर के इस पड़ाव पर सिर्फ वैसे रोल ही चुन रही हैं, जो उन्हें एक एक्टर के तौर पर आगे बढ़ाए। श्रद्धा ने कहा, अभी मैं जान-बूझकर यही तय कर रही हूं कि मुझे इस टाइप के रोल ही करने हैं, जहां पर मैं एक एक्टर के तौर पर बहुत ज्यादा चैलेंज होती हूं और एक एक्टिव कैरेक्टर प्ले करती हूं। इसलिए बहुत सोच समझकर स्क्रिप्ट्स पढ़ रही हूं।

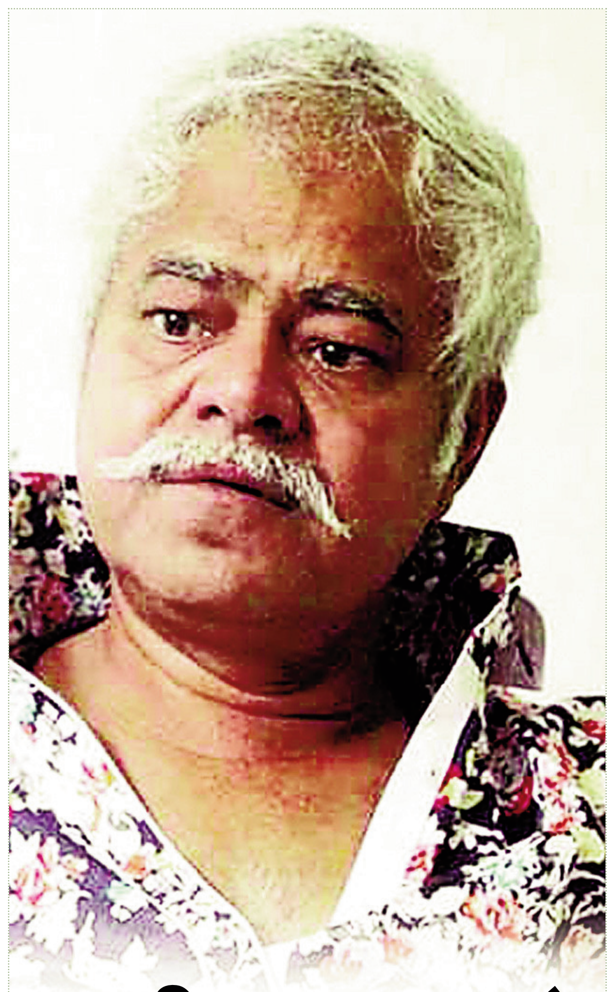

नीना गुप्ता से सीखते और अनुभव लेते हैं संजय मिश्रा

इन दिनों बॉलीवुड की कई जानी मानी हस्तियां 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में पहुंच रही हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार संजय मिश्रा भी फेस्टिवल में पहुंचे। यहां उन्होंने अपकमिंग फिल्म वध 2 की स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया। इस बीच उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपनी साथी कलाकार नीना गुप्ता की तारीफ की।

संजय मिश्रा ने नीना गुप्ता के बारे में कहा उनके साथ काम करके सीखने का मौका मिलता है और अनुभव मिलता है। नीना गुप्ता मेरी सीनियर हैं और आज भी मैं उनसे बहुत कुछ सीखता हूं। नीना गुप्ता स्वास्थ्य कारणों की वजह से फिल्म फेस्टिवल में नहीं आ सकीं। इस पर संजय मिश्रा ने कहा आज नहीं आ पाईं, उनकी तबियत थोड़ी खराब है वर्ना वह भी आपके पास होतीं।

अगले साल रिलीज होगी फिल्म

मिश्रा का मानना है कि ऐसी फिल्म के साथ लौटना उनके लिए इमोशनल है। यह फिल्म उन लोगों के माहौल को दिखाती है जो अजीब हालात का सामना करते हैं। फिल्म अगले साल 6 फरवरी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या है वध 2 की कहानी

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में वध 2 की स्क्रीनिंग हुई। इस फिल्म के निर्देशक जसपाल सिंह संधू हैं। इसके निर्माता लव रंजन और अंकुर गर्ग हैं। इस फिल्म में एक मिडिल क्लास जोड़े की कहानी दिखाई गई है। उनका बेटा उन्हें छोड़कर अमेरिका में बस जाता है। वह दोनों लोन की वजह से परेशान हो जाते हैं।

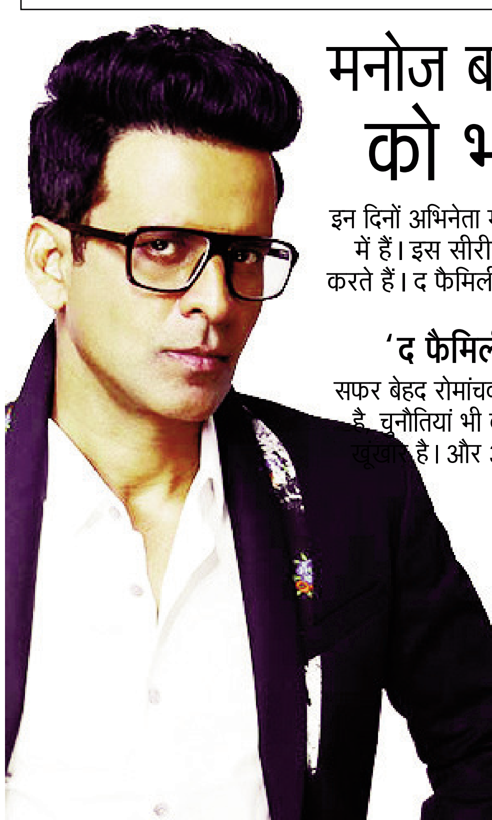

मनोज बाजपेयी ने 'फैमिली मैन' को भी बताया गेम चेंजर

इन दिनों अभिनेता मनोज बाजपेयी सीरीज द फैमिली मैन 3 को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह श्रीकांत तिवारी नाम के स्पेशल एजेंट का रोल करते हैं। द फैमिली मैन सीरीज ने वेब सीरीज की दुनिया में एक गेम चेंजर का काम किया है।

'द फैमिली मैन 3' का सफर कितना रोमांचक रहा?

सफर बेहद रोमांचक रहा। इस बार 'द फैमिली मैन' सिर्फ स्केल में बड़ा नहीं है, चुनौतियां भी कहीं ज्यादा बड़ी हैं। इस बार जो दुश्मन है वो भी बड़ा और खूंखार है। और अगर उसमें जयदीप अहलावत और निमरत कौर जैसे नाम जुड़े हों, तो समझ सकते हैं कि ये ऐसे ही नहीं आए हैं।

क्या आप मानते हैं कि फैमिली मैन ने कहीं न कहीं गेमचेंजर का काम किया?

यकीनन, इसने पूरी मनोरंजन की दुनिया को उलट-पुलट करके रख दिया था। इसने ओटीटी को बहुत बड़ी पहचान दी और ऑडियंस को बताया कि थिएटर के अलावा भी एक मीडियम है जो आपका मनोरंजन कर सकता है। उसके बाद जब दूसरा सीजन आया.. वो तो बहुत ही बड़ा था। तब से मनोरंजन की पूरी परिभाषा ही बदल गई हमारे यहां पर।

क्या आपकी असल ज़िंदगी में कभी ऐसा वक्त आया जब काम से पहले परिवार को चुनना पड़ा हो?

परिवार और मेरा काम कभी एक-दूसरे के आड़े नहीं आते। इसका पूरा श्रेय मेरी पत्नी को जाता है। अगर वह कुछ चाहती हैं और मैं खाली होता हूं, तो मैं समय देने की पूरी कोशिश करता हूं।

मैं बार-बार नेगेटिव किरदार नहीं करना चाहता था

एक्टर जयदीप अहलावत ने द फैमिली मैन में नेगेटिव किरदार निभाया है और उनका सामना मनोज बाजपेयी से हुआ है। सीरीज में उनके अभिनय की काफी तारीफ हो रही है। नेगेटिव किरदार निभाने पर उनकी कैसी छवि बन गई थी इस पर उन्होंने बात की है। बातचीत में जयदीप अहलावत ने बताया एक समय ऐसा भी था जब मुझे कई ऑफर ठुकराने पड़े थे। यह मौका कमांडो में काम करने के बाद आया था। मुझे कई अजीब तरह के नेगेटिव किरदार के ऑफर आने लगे थे। फिल्म में मैंने जो किरदार किया था वह थोड़ा अजीब और अलग था। हर कोई मुझे अजीब तरह के नेगेटिव रोल ऑफर करता। यह परेशान करने वाला था। अगर आप कुछ अलग करते हैं तो आपके पास आने वाली हर दूसरी स्क्रिप्ट वैसी ही होती है। मैं ऐसे रोल क्यों करूं। मैं बार-बार वही किरदार नहीं करना चाहता। जयदीप ने आगे बताया कि उन्होंने कुछ फिल्मों और शोज में काम किया तब उनकी छवि में बदलाव हुआ।

मेरी फिल्मों में हमेशा सोशल लेयर रहती है

फिल्ममेकर कबीर खान गोवा के पणजी में चल रहे 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में पहुंचे। इवेंट के दौरान उन्होंने बातचीत में अपने प्रोजेक्ट्स और सलमान खान के साथ काम करने को लेकर जैसे कई मुद्दों पर बात की। कबीर खान ने अपनी फिल्म चंदू चैंपियन के लीड एक्टर कार्तिक आर्यन को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, कार्तिक ने इस फिल्म के लिए जिस लेवल की मेहनत की, वैसी मेहनत बहुत कम एक्टर करते हैं। डेढ़ साल तक उन्होंने खुद को पूरी तरह रोल के हवाले कर दिया। बॉक्सिंग सीखी, स्विमिंग सीखी, और सबसे मुश्किल बिना पैरों के स्विमिंग सीखना भी। उन्होंने अपने शरीर को 37 प्रतिशत फैट से घटाकर सिर्फ 7 प्रतिशत तक लाया। ये किसी आम कलाकार के बस की बात नहीं।

जब उनसे पूछा गया कि कार्तिक आर्यन, जिनकी पहचान प्यार का पंचनामा और लुका छुपी जैसी हल्की-फुल्की फिल्मों के किरदारों से रही है, उन्हें चंदू चैंपियन जैसे गंभीर और चुनौतीपूर्ण रोल के लिए क्यों चुना गया, तो इस पर कबीर खान ने बताया कि उनके करियर की खासियत यही रही है कि वे हमेशा कलाकारों को उनकी सहज छवि से बाहर निकालते हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने न्यूयॉर्क में कैटरीना कैफ को लिया, तो वो उनके करियर का सबसे अलग रोल था। फिल्म काबुल एक्सप्रेस में जॉन अब्राहम, 83 में रणवीर सिंह और बजरंगी भाईजान में सलमान खान इन सबने अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए। अब कार्तिक ने भी वैसा ही किया है। मेरे लिए यही सिनेमा का असली मजा है किसी एक्टर के अंदर वो रॉ मटीरियल देखना और उसे नए किरदार में ढाल देना। आने वाले प्रोजेक्ट्स पर कबीर खान ने बताया कि वे अगले महीने एक नई फिल्म की घोषणा करने वाले हैं। उन्होंने कहा, ये कहानी बहुत दिलचस्प है और इसे बेहद अलग अंदाज में बनाया जा रहा है। अभी ज्यादा नहीं बता सकता, लेकिन ये मेरे अब तक के काम से थोड़ी हटकर होगी।

जब कबीर खान से पूछा गया कि उनकी फिल्मों में हमेशा सामाजिक या राजनीतिक परत देखने को मिलती है क्या वे कभी इससे अलग दिशा में, जैसे कॉमेडी या एक्शन जॉनर में कुछ नया करने का सोचते हैं?

इस पर उन्होंने कहा, मेरी फिल्मों में हमेशा एक सोशल या पॉलिटिकल लेयर रहती है, क्योंकि मुझे वैसा सिनेमा देखना पसंद है, इसलिए मैं वैसा ही बनाता हूं, लेकिन अगर किसी कहानी में बजरंगी भाईजान जैसी कॉमेडी होगी, तो वह अपने आप आ जाएगी और अगर कहानी में एक था टाइगर या फैंटम जैसा एक्शन होगा, तो वो भी आएगा। मैं कभी जॉनर के हिसाब से नहीं, कहानी के हिसाब से सोचता हूं। मेरे लिए मूल में हमेशा ह्यूमन स्टोरी होती है।

आमिर खान और रणबीर कपूर के साथ भी काम करना चाहता हूं

जब उनसे पूछा गया कि क्या कोई ऐसा एक्टर है जो उनकी बकेट लिस्ट में शामिल है, जिनके साथ वे भविष्य में काम करना चाहते हैं, तो कबीर बोले, बहुत सारे हैं। शाहरुख खान हैं उन्होंने ट्यूबलाइट में मेरे साथ कैमियो किया था, लेकिन कभी पूरी फिल्म नहीं की। आमिर खान और रणबीर कपूर के साथ भी काम करना चाहता हूं।

बजरंगी भाईजान 2 पर बोले कबीर

सलमान खान के साथ फिर से काम करने के सवाल पर, कबीर ने कहा, मेरी और सलमान की जोड़ी हमेशा खास रही है। बजरंगी भाईजान को आज दस साल हो गए हैं, लेकिन लोगों का प्यार आज भी वैसा ही है। लोग बार-बार पूछते हैं कि बजरंगी भाईजान 2 कब बनेगी। मैं और सलमान भी इस पर बात करते हैं, लेकिन हम दोनों मानते हैं कि ऐसी फिल्म की लीगेसी को बिगाड़ना नहीं चाहिए। अगर हमें कोई शानदार स्क्रिप्ट मिलती है, तो जरूर बनाएंगे।

अवतार के रूप में क्यों आते हैं भगवान

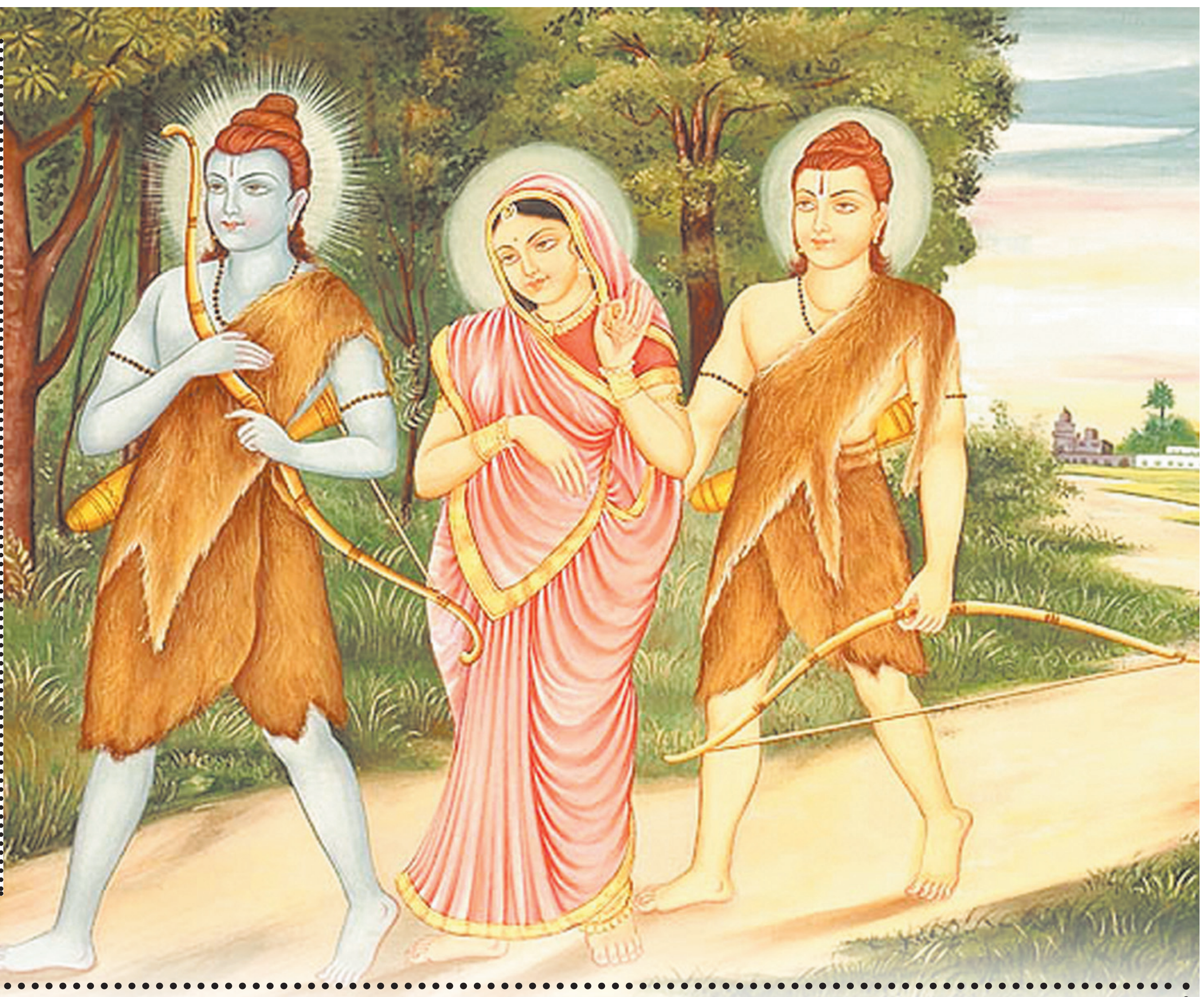

> जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है।

भगवान के अवतार के तीन कारण होते हैं- पहला अनुग्रह अथवा साधुपरित्राण, दूसरा निग्रह अथवा दुष्कृतकारियों का विनाश और तीसरा धर्मसंस्थापन। जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है। भगवत साक्षात्कार तभी हो सकता है, जब भगवान में निष्ठा हो। निष्ठा तभी होती है जब अनुराग हो, अनुराग उसी में होता है, जिसकी ओर आकर्षण होगा। अतएव जीवजात को अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए ही भगवान अवतार रूप में ऐसी-ऐसी मनमोहिनी क्रीड़ाएं करते हैं कि जिन्हें सुनकर श्रोताओं का मन उनमें बलात् आसक्त हो जाता है

बालक, युवक और वृद्ध, पंडित और मूर्ख, राजा और प्रजा, स्त्री और पुरुष, विषयी और विरागी, सभी का भगवल्लीला श्रवण से उधर आकर्षण होता है, जो परिणाम में प्रपंचातीत परमात्मा तक पहुंचा देता है। ज्ञान-विज्ञान विनाशन काम को गीता में आचार्य रामानुज के अनुसार बुद्धि से भी बलवत्तर बताया गया है। उसी महापाप, महावैरी, दुष्पूर काम को भक्तजन अनायास जीत सकें, इसलिए भगवान अपने अवतार चरित्रों द्वारा मदन-दमन लीलाएं करते हैं। उदाहरण के लिए कोटि-कन्दर्पदर्पहा श्रीकृष्ण की योगमाया द्वारा प्रसाधित रासलीला का दर्शन करके उस समय अनेक देवादि भी भगवन्निष्ठ होकर कृतकृत्य हो गये और अब भी उस परम उज्ज्वल लीला का श्रद्धापूर्वक अध्ययन करने वालों के मदनरूपी हृदय रोग का स्वयमेव शमन हो जाता है।

नित्यविभूति से लीलाविभूति में श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि रूपों में श्रीभगवान का अवतार आगम ग्रंथों में विभव कहलाता है। श्रीमत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, राम (जामदग्न्य), राम (दाशरथि), कृष्ण, बुद्ध और कल्कि, ये दस अवतार प्रसिद्ध हैं। श्रीवराह, सनकादि, नारद, नर-नारायण, कपिल, दत्तात्रेय, यज्ञ, ऋषभ, पृथु, मत्स्य, कूर्म, धन्वन्तरि, मोहिनी, नृसिंह, वामन, परशुराम, वेदव्यास, राम, बलराम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि- ये 22 अवतार कहलाते हैं। हंस और हयग्रीव की संख्या मिलाने से यह 24 होते हैं। आगम ग्रंथों में अन्यान्य अवतारों के भी नाम उपलब्ध होते हैं।

विभव के दो भेद हैं- स्वरूपावतार और आवेशावतार। जब श्रीभगवान स्वरूप में अर्थात् स्वयं ही अवतीर्ण होते हैं, तब उनका वह रूप स्वरूपावतार कहलाता है, जैसे दाशरथि श्रीराम, किंतु जब किसी जीव विशेष में परमात्मा की शक्ति का आवेश होता है, तब उसे आवेशावतार कहते हैं, जैसे जामदग्न्य राम।

जिस रूप में परब्रम्ह परमात्मा अपने समग्र ऐश्वर्य माधुर्य को लिये हुए ही अवतीर्ण होते हैं, उसे पूर्णावतार कहते हैं। किंतु जिस रूप में आवश्यकतानुसार वे अपने प्रभाव का आंशिक प्राकट्य ही दिखलाते हैं, उसको अंशावतार कहते हैं। अंश के तुरीय भाग को कला कहते हैं। अतएव अंशावतार का अवान्तर भेद होने से कलावतार को उसी के अन्तर्भूत समझना चाहिए।

सरल उपाय अपनाएं शर्तिया वास्तुदोष भगाएं

- घर का मुख्य द्वार सदैव पूर्व या उत्तर में ही होना चाहिए किंतु यदि ऐसा न हो पा रहा हो तो घर के मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होने लगता है। घर की स्थिति अनुकूल होने लगती है।
- घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा रखें। सुबह उसमें जल अर्पित करें तथा शाम को दीपक जलाएं। पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से घर के सदस्यों में आत्मविश्वास बढ़ता है। घर की छत पर तुलसी का पौधा रखने से घर पर बिजली गिरने का भय नहीं रहता। घर में किसी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर में पांच तुलसी के पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित सेवा करें।
- ध्यान रहे कि घर में खिड़की दरवाजों की संख्या सम हो जैसे (2, 4, 6, 8, 10) तथा दरवाजे खिड़कियां अंदर की तरफ ही खुलें। द्वार खोलते-बंद होते समय किसी भी प्रकार की कर्कश ध्वनि नहीं आनी चाहिए। ये अशुभ सूचक होता है।
- यदि किसी भिक्षुक को भिक्षा देनी हो तो घर से बाहर आकर ही दें अन्यथा अनहोनी होने की संभावना रहती है।
- इस बात का ध्यान रहे कि घर में कभी भी फालतू सामान, टूटे-फूटे फर्नीचर, कूड़ा कबाड़ तथा बिजली का सामान इकट्ठा न होने पाए। अन्यथा घर में बेवजह का तनाव बना रहेगा।
- घर के किसी भी कोने में सीलन नहीं होनी चाहिए और न ही घर के किसी कोने में रात को अंधेरा रहना चाहिए। शाम को कम से कम 15 मिनट पूरे घर की लाइट अवश्य जलानी चाहिए। बिजली के स्विच, मोटर, मेन मीटर, टी.वी., कम्प्यूटर आदि आग्नेय कोण में ही होने चाहिए इससे आर्थिक लाभ सुगमता से होता है।
- घर में पुस्तकें रखने का स्थान उत्तर या पूर्व में ही होना चाहिए तथा पुस्तकों को बंद अलमारी में ही रखना चाहिए।
- घर में कभी भी मकड़ी के जाले नहीं लगने चाहिए नहीं तो राहु खराब होता है तथा राहु के बुरे फल भोगने पड़ते हैं।
- संध्या के समय घर में एक दीपक अवश्य जलाएं तथा ईश्वर से अपने द्वारा किए गए पापों के लिए क्षमा याचना करें।

बृहस्पति जी को देवगुरु पद किसने प्रदान किया

पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र अंगिरा ऋषि का विवाह स्मृति से हुआ। जिनसे सिनीवाली, कुहू, राका, अनुमति नाम कि कन्याएं एवं उतथ्य व जीव नामक पुत्र हुए। जीव बचपन से ही शांत एवम जितेन्द्रिय प्रकृति के थे। वे समस्त शास्त्रों तथा नीति के ज्ञाता हुए। अंगिरा नंदन जीव ने प्रभास क्षेत्र में शिवलिंग कि स्थापना कि तथा शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया।

महादेव ने उनकी आराधना एवं तपस्या से प्रसन्न हो कर उन्हें साक्षात दर्शन दिए और कहा, हे द्विज श्रेष्ठ ! तुमने बहुत तप किया है। अतः तुम बृहस्पति नाम से प्रसिद्ध हो कर देवताओं के गुरु बनों और उनका धर्म व नीति के अनुसार मार्गदर्शन करो। इस प्रकार महादेव ने बृहस्पति को देवगुरु पद और नवग्रह मंडल में स्थान प्रदान किया। तभी से जीव, बृहस्पति और गुरु के नाम से विख्यात हुए। देवगुरु कि शुभा,तारा और ममता तीन पत्नियां हैं। उनकी तीसरी पत्नी ममता से भरद्वाज एवं कच नामक दो पुत्र हुए। बृहस्पति ग्रह सब ग्रहों में सबसे अधिक वजनी और पृथ्वी से बहुत नज़दीक 37 करोड़ मील से भी कम दूरी पर हैं। इस ग्रह पर वायु नहीं है इसके धरातल पर हमेशा लावा फूटता रहता है इसलिए जो हमारे गुरुजन है उनके अन्दर जो ज्ञान रूपी लावा है वो हमारे कल्याण के लिए निरंतर बहता रहता है।

शनि देव लंगड़े एवं शनेश्चर क्यों कहलाते हैं?

सूर्यदेव की पत्नी संज्ञा उनका तेज सहन न कर पाने से अपनी प्रतिमूर्ति छाया को प्रकट कर और उन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारी सौंप तपस्या करने चली गई। छाया संज्ञा का प्रतिरूप बन सूर्यदेव के साथ सुखी दांपत्य जीवन व्यतित करने लगी। इस दौरान छाया और सूर्यदेव के पांच पुत्र हुए। जब उसके स्वंय के बच्चे हो गए तो उसका मन उनमें ही रम गया और संज्ञा के बच्चों के प्रति उसका विमाता सा व्यवहार हो गया। एक दिन छाया अपने बच्चों को खाना परोस रही थी। शनिदेव भूख से व्याकुल होकर छाया के पास आए और उनसे भोजन परोसने को कहने लगे पर छाया ने उनकी तरफ ध्यान न दिया। अपने बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराती रही। छाया के व्यवहार से शनिदेव को बहुत क्रोध आया और उन्होंने छाया को मारने के लिए अपनी टांग उठायी। तभी छाया ने शनिदेव को श्राप देते हुए कहा कि, तेरी यह टांग अभी टूट जाए। उसी समय शनिदेव लंगड़े हो गए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि देव को कू ग्रह माना जाता है। मान्यता है की जिसकी कुण्डली में शनि नकारात्मक भाव में हो उसे बहुत सी मुसिबतों का सामना करना पड़ता है। वह नौ ग्रहों में सबसे धीमे ग्रह हैं क्योंकि ज्योतिष की दृष्टि से शनि लंगड़ा है और एक राशि में करीब ढाई वर्ष तक रुकता है। इसी वजह से इन्हें शनेश्चर भी कहा जाता है क्योंकि ये श्नै: श्नै: चलते हैं।

गणेश मंत्र करेगा सभी कामनाओं की पूर्ति

गणपति जी का बीज मंत्र गं है। इनसे युक्त मंत्र- ऊँ गं गणपतये नमः का जप करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

- बुद्धि का विकास करना चाहते हैं तो श्री गणेश जी के मंत्र ऊँ गं गणपतये नमः का एक माला जाप करें और 11 मोदक या लड्डू का भोग लगाएं।
- बच्चे का मन पढाई में न लग रहा हो तो प्रत्येक बुधवार ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ 11 दूर्वा 6 हरी घास 8 गणेश जी को आर्पित करें।
- व्यवसाय न चल रहा हो या घाटे पड़ रहे हो तो प्रत्येक बुधवार 11 दूर्वा ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ चढ़ावे तथा 21 लड्डू का भोग लगा कर ग्राहकों में बांटे।
- चूहों से परेशान हैं तो एक कटोरी में जल लेकर ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र को पढकर कटोरी को रात भर जमीन पर रख दें सुबह जल पौधों में डाल दें। चूहे भाग जाएंगे।
- अगर आपका व्यवसाय बन्द होने के कगार पर है तो 108 लड्डू 108 दूर्वा के साथ गणेश जी का अभिषेक कराएं।

इस मंत्र जाप के अतिरिक्त गणपति अथर्वशीर्ष, संकटनाशक गणेश स्त्रोत, गणेशकवच, संतान गणपति स्त्रोत, ऋणहर्ता गणपति स्त्रोत, मयूरेश स्त्रोत, गणेश चालीसा का पाठ करने से गणेश जी की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है ।